ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

किसी भी स्थिति में सीएम सिद्धरामैया के साथ खड़े रहेंगे: परमेशर @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 30 जनवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-29

महाकुंभ भगदड़ में 40 की मौत, सैकड़ों घायल

प्रयागराज, 29 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज महाकुंभ में संगम तट पर आज तड़के भगदड़ मचने से तकरीबन 30 से 40 लोगों की मौत हो गई। इनमें महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। प्रशासन ने देर शाम भगदड़ में मरने वालों की आधिकारिक संख्या 30 बताई। प्रशासन ने कहा कि 25 मृतकों की पहचान हो गई, लेकिन पांच मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। जबकि कई अखबार वालों और मददगारों ने भी मरने वालों की संख्या 40 के करीब बताई है।

प्रशासन के मुताबिक 36 घायल अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं। उनका इलाज जारी है। कई घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद भेज दिया गया। प्रशासन ने कहा कि मेला क्षेत्र और अखाड़ों के कुछ बैरीकेड टूटने से हादसा हुआ। जमीन में लेटे हुए श्रद्धालु दौड़ते हुए श्रद्धालुओं के पैरों से कुचले गए। प्रशासन ने मौके से लाशों को हटाने का काम आनन-फानन किया, ताकि इस करोड़ों श्रद्धालुओं के बीच दहशत और अफवाहें न फैले। भगदड़ में महिलाओं और बुजुर्गों समेत सैकड़ों लोग घायल हुए, जिन्हें अस्पताल पहुंचाया गया है। पुलिस और अर्धसैनिक बल के अलावा स्वास्थ्य और बचाव दल से लोग त्वरित गति से काम कर रहे थे और एंबुलेंस घायलों और लाशों को अस्पताल ले जाने में तेज गति से लगे थे। मरने वालों की संख्या भी बढ़ सकती है। हादसे में मारे गए लोगों के शव मेडिकल कॉलेज में रखे गए थे। सामने रखे 20 शव गिने जा सके। आखिरी शव पर 40 नंबर लिखा हुआ था। इससे पहले मेडिकल कॉलेज में 14 शव पोस्टमॉर्टम के लिए लाए गए थे। फिर मेले से 8-10 एंबुलेंस से कुछ और शवों को लाया गया। इन्हें मिलाकर करीब 20 शव उनके परिजनों को सौंपे जा चुके थे। उन्हें वहां से फौरन रवाना कर दिया गया। प्रयागराज में एंट्री करने वाले 8 पॉइंट भदोही, चित्रकूट, कौशांबी, फतेहपुर, प्रतापगढ़, जौनपुर, मिर्जापुर बॉर्डर को बंद कर दिया गया है।

- भगदड़ में मरने वालों में महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की संख्या अधिक
- प्रशासन ने मरने वालों की संख्या 30 बताई, 25 मृतकों की पहचान हुई
- बचाव दल ने त्वरित गति से लाशें हटाईं, घायलों को अस्पताल पहुंचाया
- पीएम मोदी और सीएम योगी प्रशासन के संपर्क में रहे, हादसे पर दुखी

महाकुंभ में मची भगदड़ में बलिया की रहने वाली एक बच्ची समेत चार महिलाओं की मौत हो गई। बच्ची और तीन महिलाएं बलिया जिले के अलग-अलग गांव की रहने वाली थीं। भगदड़ में सैकड़ों लोग जख्मी हुए हैं, जिनका महाकुंभ परिसर में ही इलाज किया जा रहा है। भगदड़ में मृत एक महिला मऊ जिले की निवासी थीं। महाकुंभ में आज सवेरे मची भगदड़ में बलिया के नगरा थाना स्थित चचया गांव की दो महिलाओं रिंकी सिंह (35) पत्नी छट्ठू सिंह एवं मीरा देवी (50) पत्नी बलजीत सिंह की मौत हो गई। बलिया जिले के ही फेफना थाना के नसीराबाद गांव निवासी रीना देवी (36) और उनकी नौ साल की बेटी रौशनी पटेल की भी भगदड़ में मौत हो गई। मऊ जिले के कोपागंज क्षेत्र के फतेहपुर ताल नारजा की रहने वाली प्रभावती राजभर पत्नी लाला राजभर की भी भगदड़ में मौत हुई है।

अमृत स्नान की वजह से ज्यादातर पांटून पुल बंद थे। इस कारण संगम पर लाखों की भीड़ इकट्ठा होती चली गई। इस दौरान बैरिकेड्स में फंसकर कुछ लोग गिर गए। यह देखकर भगदड़ मच गई। संगम नोज पर एंट्री और एग्जिट के रास्ते अलग-अलग नहीं थे। लोग जिस रास्ते से आ रहे थे, उसी से वापस जा रहे थे। ऐसे में जब भगदड़ मची तो भागने का मौका नहीं मिला। वे एक-दूसरे के ऊपर गिरते गए। हादसे के बाद 70 से ज्यादा एम्बुलेंस वाहन संगम तट पर पहुंच गए। घायलों और मृतकों को आनन-फानन अस्पताल ले जाया गया। हादसे के बाद संगम तट पर एनएसजी कमांडो ने मोर्चा संभाल लिया। संगम नोज इलाके में आम लोगों की एंट्री बंद कर दी गई। भीड़ और न बढ़े, इसलिए प्रयागराज से सटे जिलों में श्रद्धालुओं को रोक दिया गया है। वहां प्रशासन को अलर्ट कर दिया गया है।

भगदड़ में लोगों की मौत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा दुख जताया। प्रधानमंत्री ने कहा, महाकुंभ में हुआ हादसा अत्यंत दुखद है। जिन श्रद्धालुओं ने अपने परिजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव मदद में जुटा हुआ है। इस सिलसिले में मैंने मुख्यमंत्री योगी से बातचीत की है और मैं लगातार राज्य सरकार के संपर्क में हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए महाकुंभ में हुई भगदड़ की घटना का जिक्र किया। उन्होंने कहा, आज महाकुंभ में हुए दुःखद हादसे में हमें कुछ पुण्यात्माओं को खोना पड़ा है, कई लोगों को चोटें भी आई हैं। मैं प्रभावित परिवारों के प्रति संवदेना व्यक्त करता हूं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मैं उत्तर प्रदेश सरकार के साथ निरंतर संपर्क में हूं। मौनी अमावस्या की वजह से करोड़ों श्रद्धालु आज वहां पहुंचे हुए हैं। कुछ समय के लिए स्नान की प्रक्रिया में रुकावट आई थी, लेकिन अब कई घंटों से सुचारू रूप से यात्री स्नान कर रहे हैं। मैं फिर एक बार उन परिवारजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी लगातार महाकुंभ की स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और राज्य सरकार से लगातार संपर्क में हैं। उन्होंने अब तक तीन बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बात की है। उन्होंने स्थिति सामान्य करने और राहत कार्य के लिए दिशा-निर्देश दिए हैं।

इस बीच महाकुंभ मेले में भगदड़ जैसी घटना होने के बावजूद श्रद्धालुओं का आना जारी है और मेला प्रशासन के मुताबिक, आज दोपहर 12 बजे तक करीब 4.24 करोड़ श्रद्धालु पवित्र डुबकी लगा चुके हैं। आज तक पवित्र डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं की कुल संख्या 20 करोड़ को पार कर गई है। महाकुंभ प्रबंधन से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि मेला क्षेत्र में भारी संख्या में लोगों का आना जारी है और जिला प्रशासन ने भीड़ नियंत्रण के लिए चंद्रशेखर आजाद पार्क का गेट भी खोल दिया है ताकि लोग सड़क के बजाय पार्क में बैठें। बुधवार को तड़के संगम नोज पर भगदड़ जैसी स्थिति बनने से कई लोग घायल हो गए जिन्हें मेला क्षेत्र में बने अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

▶10पर

पीएम मोदी ने पूछा, क्या हरियाणा वाले पानी में जहर मिलाएंगे?

हार के डर से बौखलाई आप-दा ओछे स्तर पर उतरी

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। अरविंद केजरीवाल के अनर्गल प्रलाप पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आश्चर्य जताते हुए कहा, हरियाणा का भेजा हुआ पानी दिल्ली में रहने वाला हर व्यक्ति पीता है। पिछले 11 साल से यही पानी प्रधानमंत्री भी पीता है, सभी न्यायमूर्ति और बाकी सभी सम्मानित लोग भी पीते हैं। क्या हरियाणा के लोग अपने ही बच्चों के पानी में जहर मिला सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हार के डर से बौखलाई आप-दा ओछे स्तर पर उतर आई है।

ऐसे गंदे आरोप सिर्फ हरियाणा का नहीं, पूरे देश का अपमान है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दिल्ली के करतार नगर इलाके में रैली की।

▶10पर

सीएम सैनी ने हरियाणा से आने वाला यमुना का पानी पीया

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। यमुना में बढ़े अमोनिया को लेकर मचे सियासी घमासान के बीच हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को दिल्ली से सटे पल्ला गांव में यमुना नदी का पानी पीया। सीएम सैनी ने कहा कि अपने राजनीतिक फायदे के लिए लोगों के मन में डर पैदा करने के लिए अरविंद केजरीवाल ने ऐसा घटिया बयान दिया। आज मैंने यमुना पानी घूंटभर पीया है। जल संसाधन प्राधिकरण ने भी यहां से पानी के नमूने लिए और उसकी जांच की। सैनी ने कहा, पानी में कोई जहर नहीं मिला हुआ है। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने हरियाणा की भाजपा सरकार पर यमुना में जहर मिलाने का आरोप लगाया था। दिल्ली जल बोर्ड ने कहा कि सर्दियों के मौसम यमुना नदी में अमोनिया का स्तर स्वाभाविक रूप से बढ़ता है। जलशोधन संयंत्रों को अमोनिया का शोधन करने के लिए डिजाइन किया गया है। यदि अमोनिया का स्तर दो से ढाई पीपीएम तक पहुंचता है तो इसे कैरियर लाइन चैनल और दिल्ली सब ब्रांच से पानी मिलाकर पतला किया जाता है। इस प्रक्रिया से उच्च अमोनिया स्तर वाले पानी को शुद्ध किया जाता है। जल बोर्ड ने इस बारे में मुख्य सचिव को पत्र लिखा है। जल बोर्ड की सीईओ शिल्पा शिंदे ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर कहा है कि वह इस मामले को उपराज्यपाल वीके सक्सेना के संज्ञान में लाएं। वजह यह कि इससे अंतरराज्यीय संबंधों पर असर पड़ता है।

आपत्तिजनक बयान पर केजरीवाल के खिलाफ केस दर्ज

चंडीगढ़, 29 जनवरी (एजेंसियां)। अरविंद केजरीवाल के यमुना में जहर मिलाने वाले बयान पर हरियाणा सरकार ने आपत्ति जताते हुए केजरीवाल के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोनीपत जिला अदालत में केजरीवाल के खिलाफ शिकायत देते हुए आपदा प्रबंधन की धारा 2 (डी) और 54 के तहत मामला दर्ज करवाया है। हरियाणा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार ने अरविंद केजरीवाल के यमुना में जहर वाले बयान पर उनके खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। उन्होंने इसे एक गैर-जिम्मेदाराना बयान करार देते हुए कहा कि इससे लोगों में दहशत फैलाने की कोशिश की गई है। गोयल ने कहा कि केजरीवाल ने गैर-जिम्मेदाराना बयान दिया है, ▶10पर

केंद्र सरकार ने दी 16300 करोड़ के खनिज मिशन को मंजूरी

केंद्र सरकार ने इथेनॉल की कीमतें बढ़ाई

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 16,300 करोड़ रुपए के खनिज मिशन को मंजूरी दे दी है। केंद्र सरकार ने भारी गुड़ से उत्पादित इथेनॉल की एक्स-मिल कीमत 56.28 रुपए प्रति लीटर से बढ़ाकर 57.97 रुपए प्रति लीटर कर दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट में लिए गए फैसलों की आधिकारिक जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि इथेनॉल की कीमतें वर्ष 2022-23 के बाद से नहीं बढ़ाई गई थीं। गन्ने के रस, भारी गुड़ और भारी गुड़ से उत्पादित इथेनॉल की वर्तमान दर क्रमशः 65.61 रुपए, 60.73 रुपए और 56.28 रुपए प्रति लीटर है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस वर्ष 31 अक्टूबर को समाप्त होने वाली 2024-25 अवधि के लिए इथेनॉल की कीमतों का आज ऐलान किया। श्रेणी-सी के भारी गुड़ से प्राप्त इथेनॉल की एक्स-मिल कीमत 1.69 रुपए बढ़ाकर 57.97 रुपए प्रति लीटर करने को मंजूरी दी गई। श्रेणी-बी के भारी गुड़ और गन्ना रस/चीनी/चीनी सिरप से उत्पादित इथेनॉल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया। इनकी कीमतें क्रमशः 60.73 रुपए प्रति लीटर और 65.61 रुपए प्रति लीटर पर अपरिवर्तित रखी गई हैं। इथेनॉल की कीमतें बढ़ाने का फैसला आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने ली। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2024-25 के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के लिए इथेनॉल खरीद मूल्य में संशोधन को मंजूरी दी गई है। सरकार ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य भी 2030 से घटाकर इथेनॉल वर्ष 2025-26 कर दिया है। इस दिशा में एक कदम उठाते हुए, तेल विपणन कंपनियों ने चालू ईएसवाई 2024-25 के दौरान 18 प्रतिशत इथेनॉल के मिश्रण की योजना बनाई है। केंद्र सरकार के इस निर्णय के बाद चीनी और इथेनॉल से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में तेजी दिखी। ईआईडी-पैरी, श्री रेणुका शुगर्स, बलरामपुर चीनी मिल्स और त्रिवेणी इंजीनियरिंग के शेयरों में बीएसई सेंसेक्स पर 3.7 प्रतिशत, 4.5 प्रतिशत, 2.5 प्रतिशत और 2.3 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

सरकार ने कहा, किसानों के हित में फैसला

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 86,646/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 94,235/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 31^0
न्यूनतम : 21^0

तीन तलाक निषेध कानून के उल्लंघन पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

उल्लंघन करने वालों पर दर्ज मुकदमों का ब्यौरा मांगा

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को तीन तलाक कानून के विरोध में दायर याचिकाओं पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम का उल्लंघन करके जीवनसाथी को तीन तलाक देने वाले पुरुषों के खिलाफ दर्ज एफआईआर और आरोप पत्रों की संख्या की जानकारी अदालत को दी जाए। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कानून की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली 12 याचिकाओं पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और अन्य पक्षों से इन याचिकाओं पर अपने लिखित दलीलें दाखिल करने को भी कहा। पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम 2019 की धारा 3 और 4 के तहत लंबित कुल एफआईआर और आरोप पत्र की संख्या दाखिल करेगी। ▶10पर

आदिवासी समाज की जमीनों पर दावा नहीं कर पाएगा वक्फ

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 पर विचार कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने सरकार को जनजातीय भूमि को वक्फ सम्पत्ति घोषित करने से रोकने के लिए एक कानून लाने की सिफारिश की है। जेपीसी का कहना है कि इन सांस्कृतिक अल्पसंख्यकों के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा पैदा करने वाले कई मामले सामने आए हैं। जेपीसी ने मसौदा रिपोर्ट स्वीकार कर लिया है। 30 जनवरी को इसे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पेश कर दिया जाएगा। जेपीसी ने सोमवार 27 जनवरी को एनडीए सांसदों द्वारा सुझाए गए संशोधनों को स्वीकार कर लिया था, जबकि विपक्षी सांसदों के सुझाए गए संशोधनों को खारिज कर दिया था।

लोकसभा अध्यक्ष को आज रिपोर्ट पेश करेगी जेपीसी

▶10पर

कार्टून कॉर्नर

जीतो महिला विंग द्वारा स्वर-संगीत कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के अंतर्गत जीतो महिला विंग द्वारा स्किल डेवलपमेंट के तहत समाज की छुपी हुई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने और उनके हुनर को निखारने के उद्देश्य से एक स्वर-संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम ने समाज की छिपी हुई प्रतिभाओं को बड़े मंच तक पहुंचने का मौका दिया और बेहतरीन गायकों को सामने लाने का कार्य किया। राजाजी नगर स्थित जीतो कार्यालय में, जीतो महिला विंग की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना के नेतृत्व में आयोजित इस फिनाले में जीतो नॉर्थ से चयनित कुल 10 प्रतिभागियों ने भाग लिया। निर्णायकों ने प्रतिभागियों को गायकी में निखार लाने के लिए

कई मूल मंत्र सिखाए। पिंकी जैन ने सभी को संगीत की गहराई को समझने की शिक्षा दी। निशा सामर ने नियमित अभ्यास करने के लिए प्रेरित किया, और बृजेश ने गीत के साथ ध्यान और भाव से जुड़ने का महत्व समझाया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गायकों को उनके हर पहलू में निखारने और उन्हें प्रोत्साहित करने का था। यह प्रतियोगिता 6 जनवरी को ऑनलाइन प्रारंभ हुई, जिसमें 75 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इनमें से चयनित 10 श्रेष्ठ प्रतिभागियों ने फिनाले में अपनी प्रस्तुति दी। फिनाले में कविता एच ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, शेफाली कोठारी द्वितीय स्थान पर रहीं, और बीजल एम शाह तृतीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार महामंत्र से किया गया। संचालन महामंत्री रक्षा छाजेड़ ने किया, जबकि अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने सभी का स्वागत किया। संयोजिका साधना धोखा और सह संयोजिका नेहा भंडारी ने निर्णायकों का परिचय कराया। कार्यक्रम की व्यवस्था संगीता नागोरी ने संभाली। जीतो नॉर्थ महिला विंग की मेंटर रेशमा पुनमिया, उपाध्यक्ष सुमन सिंघवी और सुमन वेद मुथा, कोषाध्यक्ष तनुजा मेहता सहित 100 से अधिक सदस्य इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। अंत में धन्यवाद ज्ञापन सहमंत्री मीना बडेरा ने व्यक्त किया। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के चेयरमैन विमल कटारिया और महामंत्री विजय सिंघवी के मार्गदर्शन और प्रेरणा का प्रभाव इस कार्यक्रम की सफलता में स्पष्ट रूप से झलकता रहा।

कैंसर जागरूकता अभियान के तहत जांच शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित कैंसर जागरूकता अभियान के तहत तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा जीटी मॉल के पास मंगलवार को कैंसर जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के उच्चारण के साथ हुआ। अध्यक्ष मंजू गादिया ने कैंसर जागरूकता अभियान के प्रारूप की जानकारी देते हुए अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

कार्यक्रम में रविंद्र फाउंडेशन के अध्यक्ष एच रविंद्र, टीपीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मांडोत, टीपीएफ साउथ जोन के अध्यक्ष विक्रम कोठारी, तेरापंथ सभा विजयनगर के अध्यक्ष मंगल कोचर, तेयुप विजयनगर के अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा मंत्री संजय भटेवरा, अणुव्रत समिति दक्षिणांचल के सह मंत्री राजेश चावत, टीपीएफ वेस्ट के अध्यक्ष

ललित बैंगाणी की गरिमामय उपस्थिति रही। प्रातः 9 बजे से शाम 4 बजे तक चले इस शिविर में एमएस रम्मैया हॉस्पिटल के वरिष्ठ डॉक्टर लक्ष्मी नारायण एवं उनकी टीम द्वारा लगभग 250 महिलाओं के कैंसर संबंधित विभिन्न जांच की गई। जिसमें लगभग 35 महिलाओं की मेमो ग्राफी टेस्ट, 30 महिलाओं का पेप्स मेर टेस्ट तथा लगभग 200 महिलाओं के स्क्रीनिंग एवं अन्य कैंसर संबंधी टेस्ट किए गए। मंडल द्वारा रोगियों को मुफ्त दवा भी वितरित की गई जिसमें भेरुलाल, सुनील, भरत बाफना का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। महिला मंडल विजयनगर द्वारा डॉक्टरों की टीम का सम्मान करते हुए उन्हें उपहार दिए गए। शिविर के सफल आयोजन में संयोजिका मेघना हिरण का विशेष श्रम रहा। कार्यक्रम में मंडल के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी बहनें उपस्थित थी। शिविर के सफल आयोजन में सहयोगी सभी का धन्यवाद एवं आभार ज्ञापन मंत्री दीपिका गोखरू ने व्यक्त किया।

श्री सिवांची ओसवाल जैन संघ गदग का 14वां स्नेह मिलन आयोजित

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सिवांची ओसवाल जैन संघ गदग का 14वां स्नेह मिलन समारोह स्थानीय शिवानंद कल्याण भवन में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। लाभार्थी परिवार का ढोल एवं फूलों द्वारा स्वागत हुआ। समाज के वरिष्ठ सदस्यों द्वारा ध्वजारोहन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बेंगलूरु के अशोक रांका पधारे थे। गदग से सभा अध्यक्ष दलीचंद कवाड़ एवं संघ के अध्यक्ष जयंतीलाल कवाड़ व वरिष्ठ नागरिक जवाहरलाल बाफना के स्वागत के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसके पश्चात सम्मेलन के लाभार्थी परिवार

जवाहरलाल बन्दामुथा परिवार का स्वागत हुआ। सिवांची ओसवाल जैन संघ के अध्यक्ष जयंतीलाल कवाड़ ने संघ की गतिविधियों की जानकारी दी। सिवांची महिला फेडरेशन द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति एवं संघ के बच्चों द्वारा टैलेंट हंट का एक नायाब कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। जिससे सभी मंत्रमुग्ध हो गए। सिवांची यूथ फेडरेशन के सहयोग से सभी कार्यक्रम सुचारु रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन प्रवीण संकलेचा ने किया।

पगारिया जेबीएन वी प्रेन्यूर्स की बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पगारिया जेबीएन वी प्रेन्यूर्स ने चामराजपेट स्थित जीतो कार्यालय में एक बेहद आकर्षक और प्रभावशाली बैठक का आयोजन किया। यह जीवंत महिलाओं का रेफरल समूह एकत्र हुआ, ताकि वे आपसी व्यवसाय साझा कर सकें, पेशेवर संबंधों का विस्तार कर सकें और सहयोगात्मक व्यवसायिक वृद्धि को बढ़ावा दे सकें। बैठक की शुरुआत नवकार मंत्र के जाप से हुई, जिससे एक सकारात्मक और केंद्रित माहौल बना। विद्या अनुभव स्कूल की संस्थापक राजुल जैन ने अपनी 8 मिनट की प्रेरणादायक प्रस्तुति दी। उन्होंने अपने बच्चों के प्रति गहरे प्रेम और स्कूल शुरू करने की यात्रा साझा की। उन्होंने अपनी पहली छात्रा की कहानी सुनाई,

जिसके माता-पिता ने उन पर पूरा भरोसा दिखाया और वही छात्रा उनकी अविश्वसनीय यात्रा की शुरुआत बनी। उन्होंने अपने स्कूल की विशेष शिक्षण पद्धतियों को उजागर किया, जो इसे अन्य स्कूलों से अलग बनाती हैं। यह सिर्फ पढ़ाई तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों में बुनियादी शिष्टाचार और जीवन कौशल विकसित करने पर भी जोर देती है। उनकी समर्पित और नवीन सोच ने सभी को प्रेरित किया। बैठक में विशेष अतिथि अवधि चौहान ने एक बेहद जानकारीपूर्ण सत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने इंस्टाग्राम को बेहतर बनाने के लिए उपयोगी जानकारी साझा की, जैसे प्रभावशाली बायो कैसे लिखें, क्या तत्व जरूरी हैं, और बिक्री बढ़ाने की रणनीतियां। उनका सत्र व्यावहारिक जानकारी से भरपूर, संक्षिप्त, और बेहद उपयोगी था। सदस्यों ने 30 सेकंड के व्यवसाय प्रस्तुति के बॉलीवुड गाने या डायलॉग की थीम पर प्रस्तुत किया, जिसने उनकी रचनात्मकता और उद्यमशीलता को प्रदर्शित किया। बैठक का नेतृत्व रेफरल हेड नीलम शांड, रेफरल लीड लताशा भंडारी, रेफरल सेक्रेटरी ज्योति कोचट्टा ने किया। सर्वश्रेष्ठ 30 सेकंड व्यवसाय प्रस्तुति के लिए शीतल जैन और ज्योति कोचट्टा, सर्वश्रेष्ठ पोशाक के लिए चेतना जैन को विशेष पुरस्कार दिए गए। लीडरशिप टीम ने अवधि चौहान को उनके बहुमूल्य समय के लिए धन्यवाद दिया। बैठक की उपहार सहयोगी राजुल जैन विद्या अनुभव स्कूल की संस्थापक रहीं। बैठक में सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे सहयोग और एकता की भावना को बल मिला व सदस्यों के बीच 1,86,525 के व्यापार के साथ सत्र का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *राज न्यूज एवं राज म्यूजिक के संयुक्त तत्वाधान में बेंगलूरु माउंट कार्मल कॉलेज खेल मैदान में आयोजित क्रिकेट स्पर्धा राज प्रीमियर लीग कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए अपने वक्तव्य में कहा खेल को खेल की भावना से खेलें। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

हनुमंतनगर ज्ञान शाला के वार्षिकोत्सव का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हनुमंतनगर ज्ञान शाला के वार्षिकोत्सव का आयोजन युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी सिद्ध प्रभा जी के पावन सानिध्य में तेरापंथ भवन, हनुमंतनगर में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत साध्वी के नमस्कार महामंत्र के मंत्रोचार द्वारा हुई।

प्रशिक्षका बहनों द्वारा मंगला चरण किया गया। साध्वी सिद्ध प्रभा जी ने बताया बदलते जमाने की जरूरत है अच्छे संस्कार और उन्हें पूरा करती हैं ज्ञान शाला। माता पिता बच्चों को ज्ञानशाला भेजने में प्रमाद न करें, इसे

प्राथमिकता दें। प्रशिक्षक के श्रम की सराहना करते हुए हनुमंत नगर से बैरागी तैयार करने की प्रेरणा दी। साध्वी मलयवशाजी, आस्थाप्रभा, दीक्षाप्रभा जी द्वारा बदले ये जमाना सुमधुर गीतिका का संगान किया। साध्वी दीक्षाप्रभा जी ने बताया कि आज की पीढ़ी एवं आने वाली पीढ़ी के लिए ज्ञानशाला की जरूरत है। सभा अध्यक्ष गौतम दक एवं ज्ञानशाला आंचलिक संयोजक माणक संचेती ने अपने विचार रखे। ज्ञान शाला संयोजिका मंजू दक ने ज्ञानशाला की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। ज्ञान शाला के लगभग 50 बच्चों ने गीतिका और नाटक द्वारा रोचक प्रस्तुति दी। इस अवसर पर तेयुप अध्यक्ष कमलेश झाबक, मंत्री संदीप चौधरी, राहुल मेहता, नवरतन बोल्या, किशोर मण्डल संयोजक जिंनेश धोका, सहसंयोजक नीव चौधरी का पूरा सहयोग रहा। कार्यक्रम का सुंदर संचालन ज्ञानशाला ज्ञानार्थी इशा, मोक्षा, मुक्ति मेहता ने किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर श्याम ज्योति पाठ महिला मंडल की सदस्यों ने बुधवार को श्री गुरुकुल विद्या पीठ अनाथ आश्रम में बच्चों को जरूरत का सामान दिया व भोजन करा कर सेवा का लाभ लिया।*

वरिष्ठ आईएएस मनोज जैन को जैन भारत रत्न से किया सम्मानित

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। वरूर स्थित नवग्रह तीर्थ पर राष्ट्रसंत आचार्य श्री 108 गुणधरनंदी जी व अन्य पूज्य साधु भगवन्तों के दिव्य सानिध्य में 15 से 26 जनवरी तक आयोजित हुए भगवान पार्श्वनाथ जी के महा मस्तकाभिषेक समारोह व सुमेरु पर्वत के उद्घाटन समारोह के दौरान वरिष्ठ आईएएस अधिकारी व कर्नाटक सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सचिव मनोज जैन को समारोह के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के हाथों जैन भारत रत्न की उपाधि से सम्मानित किया गया। वरिष्ठ आईएएस मनोज जैन कर्नाटक कैडर में भारतीय प्रशासनिक सेवा में शामिल होकर राज्य की सेवा में अपना पूरा सहयोग दे रहे है। साथ ही अल्पसंख्यक समाज और जैन धर्म के लिए सदैव आगे रह कर कार्य करते हैं। उनकी सेवाओं को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रसंत आचार्य श्री 108 गुणधरनंदी के सानिध्य जैन को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर स्वस्तिश्री 105 धर्मसेना भट्टारक पट्टाचार्य महास्वामी, जैन मिलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र जैन, महामस्तकाभिषेक समारोह समिति के महामंत्री महेन्द्र सिंघी, भारतीय जनता पार्टी कोटा के अध्यक्ष राकेश जैन, प्रचार समिति के विमल तालिकोटि, संतोष पाटिल सहित समारोह में हजारों की संख्या में लोग उपस्थित थे।

बीजेएस ने किया केकेआर टीम में शामिल युवा क्रिकेटर लवनीत सिसोदिया का सम्मान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय जैन संगठन (बीजेएस) विजय नगर चैप्टर द्वारा समाज के योग्य युवा प्रतिभाओं को सम्मानित करने के क्रम में आईपीएल में केकेआर टीम में शामिल हुए लवनीत सिसोदिया का अभिनंदन कर प्रोत्साहित किया गया। बीजेएस की वरिष्ठ पदाधिकारी मधु तातेड़ ने बताया कि हमें ऐसे सम्मान समारोह आयोजित करने पर गर्व है। हम अपने प्रतिष्ठित खेल व्यक्तित्वों की उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए जश्न मनाने और सामाजिक स्तर पर अपनी प्रशंसा व्यक्त करने के लिए एकत्र होते हैं। उन्होंने बताया कि यह बहुत खुशी की बात है कि लवनीत सिसोदिया को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया है, जो आईपीएल केकेआर टीम के लिए चुने गए एक असाधारण क्रिकेटर हैं, जिनका बीसीसीआई के लिए खेल में प्रेरणादायक सफर कई लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है। उन्होंने बताया कि इस दौरान बीजेएस अध्यक्ष सुरेश कानूंगा, बेंगलूरु प्रभारी सुनील लोढ़ा, शंकर दक, पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल द्वारा लवनीत को मेमेंटो भेंट कर, शॉल ओढ़ाकर तथा हर्ष के साथ उत्तरोत्तर प्रगति का आशीर्वाद प्रदान कर सम्मानित किया गया।

संतश्री गणेशलालजी की 63वीं पुण्यतिथि पर हजारों लोगों को कराया भोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूर बैंक सर्कल स्थित श्रीहनुमान मंदिर के समीप में श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक बेंगलूरु (रजि.) द्वारा प्रतिमाह की अमावस्या को आयोजित की जाने वाली महाप्रसादी का 84वां आयोजन बुधवार को संपन्न हुआ, जिसमें करीब साढ़े तीन हजार से अधिक जरूरतमंद लोगों ने प्रसाद पाया।

समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल की अध्यक्षता में हुए इस आयोजन की जानकारी देते हुए महामंत्री उगमराज चोपड़ा ने बताया कि इस बार महाप्रसाद समिति के सदस्यों द्वारा सामूहिक सहयोग से खद्दरधारी, कर्नाटक गजकेसरी पूज्य संतश्री गणेशलाल जी की 63वीं पुण्य तिथि के अवसर पर रखा गया, जिसमें समिति के समस्त पदाधिकारियों, सदस्यों का

समन्वय पूर्वक योगदान शामिल रहा। चोपड़ा ने बताया कि इस दौरान महाप्रसादी में सेवा देने वालों में स्वयं समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल, मुकेश कांटेड़, अनिल पोकरणा, बाबू, राजू आंचलिया, अशोक शर्मा, मंजूनाथ राव, ऋषभ देवड़ा, राजेश कातरेला, यशवंत सालेचा, सुरेश कातरेला, रितु संचेती, गौतम छाजेड़, रोहित शर्मा, मनु बाफना एवं सुरेश मुथा आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत में संतश्री को याद कर सामूहिक नवकार मंत्र का उच्चारण व मंगल पाठ किया गया। उन्होंने बताया कि महाप्रसादी का वितरण हर मास की अमावस्या पर अनेक लाभार्थी परिवारों की ओर से मैसूर बैंक सर्किल, एवेन्यू रोड पर सफलता पूर्वक होता है। समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल ने अन्नदान के दौरान करीब चार से पांच घंटे तक के कार्यक्रम में सेवा देने वाले समस्त जनों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार जताया।

मुडा घोटाला मामले में ईडी ने 300 करोड़ रुपये मूल्य की 160 साइटें जब्त कीं

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 50:50 अनुपात के फार्मूले के तहत नियमों का उल्लंघन कर विभिन्न व्यक्तियों को आवंटित की गई 160 साइटों को जब्त कर लिया है। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। ईडी ने कहा कि सभी साइटों को धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत जब्त किया गया है, क्योंकि बड़ी रकम से जुड़े बेनामी लेनदेन के संकेत मिले हैं। सूत्रों ने कहा कि मार्गदर्शन मूल्य के आधार पर इन साइटों का मूल्य 81 करोड़ रुपये है, जबकि इनका बाजार मूल्य 300 करोड़ रुपये से अधिक है। ईडी ने रवि के नाम पर पंजीकृत 31 साइटें, अब्दुल वाहिद के नाम पर 41 साइटें, कैथेड्रल सोसायटी के नाम पर 40 साइटें और विभिन्न अन्य व्यक्तियों से संबंधित 48 साइटें जब्त की हैं। जांच से पता चला है कि मुडा ने 11 सितंबर, 2023 को रवि

के नाम पर एक ही दिन में 31 साइटें पंजीकृत कीं। इनमें से 12 साइटें कुवेम्पुनगर में स्थित हैं, जबकि 19 दत्तागल्ली और विजयनगर में हैं। सूत्रों ने आगे बताया कि अब्दुल वाहिद के नाम पर 8 मार्च, 2023 को 25 साइटें पंजीकृत की गईं और 1 अक्टूबर, 2023 को तीन और साइटें पंजीकृत की गईं। ईडी ने साइटों को जब्त करने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए सब-रजिस्ट्रार के कार्यालय को जब्ती आदेश भेजा है। याचिकाकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि लगभग 3,000 से 4,000 साइटें, जिन्हें दशकों से इंतजार कर रहे गरीब और मध्यम वर्ग के व्यक्तियों को आवंटित किया जाना था, सभी नियमों का उल्लंघन करके और दस्तावेजों के जालसाजी के माध्यम से मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और अन्य प्रभावशाली व्यक्तियों के समर्थकों को दे दी गईं। इससे पहले, ईडी को उस समय झटका लगा था जब न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना की अध्यक्षता वाली कर्नाटक उच्च न्यायालय की धारवाड़ पीठ ने सोमवार को मुडा भूमि घोटाले के मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी बी.एम. पार्वती और शहरी विकास मंत्री बिरथी सुरेश को ईडी द्वारा जारी समन पर रोक लगा दी थी। पीठ ने ईडी की कार्रवाई की जल्दबाजी पर भी सवाल उठाया था और आदेश पारित करते हुए पूछा था आखिर इतनी जल्दी क्या है? मामले में दूसरे आरोपी के रूप में नामित मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती को मंगलवार को ईडी के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया था। मुख्यमंत्री के करीबी मंत्री बिरथी सुरेश को सोमवार को ईडी अधिकारियों के समक्ष पेश होना था। हाईकोर्ट ने ईडी के समन पर 10 फरवरी तक रोक लगा दी है। हालांकि, सीएम सिद्धरामैया को झटका देते हुए ईडी ने 17 जनवरी को मुडा घोटाले के सिलसिले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत 300 करोड़ रुपये के अनुमानित बाजार मूल्य वाली 14 अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया। इस मामले में सीएम सिद्धरामैया आरोपी नंबर एक हैं और मुडा के जरिए अवैध आवंटन करवाने वाले अन्य लोगों के खिलाफ भी जांच की जा रही है। उनकी पत्नी बी.एम. पार्वती दूसरी आरोपी हैं। ईडी ने एक बयान में कहा सीएम सिद्धरामैया की पत्नी बी.एम. पार्वती को मुआवजा स्थलों के अवैध आवंटन में पूर्व मुडा आयुक्त डी.बी. नटेश की भूमिका सामने आई है। जांच के दौरान की गई तलाशी में यह भी पता चला कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी बी.एम. पार्वती को आवंटित 14 स्थलों के अलावा बड़ी संख्या में स्थल अवैध हैं। ईडी ने कहा कि पार्वती को मुडा द्वारा अवैध रूप से रियल एस्टेट व्यवसायियों को मुआवजे के रूप में आवंटित किया गया है, जिन्होंने बदले में इन साइटों को भारी लाभ पर बेच दिया है और भारी मात्रा में बेहिसाब नकदी अर्जित की है।

किसी भी स्थिति में सीएम सिद्धरामैया के साथ खड़े रहेंगे: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने के मामले में हाईकोर्ट के सुरक्षित फैसले से उत्पन्न किसी भी स्थिति में वह मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के साथ खड़े रहेंगे। मुडा मामले में सीएम सिद्धरामैया को मुख्य आरोपी बनाया गया है। उनकी पत्नी दूसरी आरोपी हैं। यहां पत्रकारों से बात करते हुए परमेश्वर से पूछा गया कि क्या वह सभी परिस्थितियों में सीएम सिद्धरामैया का समर्थन करेंगे। जवाब में उन्होंने कहा इसमें कोई संदेह नहीं है। उन्होंने कहा फैसला आने दीजिए। जब फैसला सुनाया जाएगा, तभी पता चलेगा। चूंकि मामला आदेश के लिए सुरक्षित है, इसलिए हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा। आदेश प्रकाशित होने के बाद, आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। जब सभी विधायकों द्वारा सीएम सिद्धरामैया के साथ खड़े होने और उनके खिलाफ कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताए जाने के बारे में पूछा गया, तो परमेश्वर ने कहा हम दावा करते रहे हैं कि मुडा मामला राजनीति से प्रेरित है और भाजपा राजनीतिक इरादों से इसे आगे बढ़ा रही है। बेंगलूरु में दूसरे हवाई अड्डे के प्रस्ताव के बारे में, जो पड़ोसी तुमकुरु - उनके मूल जिले में स्थित होगा, परमेश्वर ने कहा हमने मांग की है कि बेंगलूरु का दूसरा हवाई अड्डा तुमकुरु जिले में स्थापित किया जाए। यह उत्तरी कर्नाटक क्षेत्र के लिए फायदेमंद होगा। तुमकुरु राज्य के 22 जिलों के प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है। इन सभी जिलों को लाभ होगा, और हवाई अड्डे को देवनहल्ली में बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से आसानी से जोड़ा जा सकता है। हालांकि, हमें तकनीकी पहलुओं पर विचार करना होगा। तुमकुरु तक मेट्रो सेवा विस्तार के बारे में उन्होंने कहा हैदराबाद की एक कंपनी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर रही है। इसे अभी तक प्रस्तुत नहीं किया गया है। एक बार यह प्रस्तुत हो जाने के बाद, हम सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत परियोजना को लागू करेंगे। सरकार कोई निवेश नहीं करेगी। डीपीआर तैयार होने के बाद, हम मंजूरी के लिए केंद्र सरकार से संपर्क करेंगे। चेतावनी के बावजूद पार्टी नेताओं द्वारा नेतृत्व पर बयान जारी करने के सवाल पर परमेश्वर ने कहा यह विधायकों और मंत्रियों पर लागू होता है। जब पार्टी आदेश जारी करती है, तो उसका पालन किया जाना चाहिए। हम उन लोगों को भी सूचित करेंगे जो पार्टी के मामलों के बारे में सार्वजनिक रूप से बोलना जारी रखते हैं। उन्होंने कहा नेतृत्व के मुद्दे पर निर्णय लेने से पहले आलाकमान सभी पार्टी विधायकों की राय लेता है। आमतौर पर, इस प्रक्रिया का पालन किया जाता है। राय एकत्र करने के बाद, आधिकारिक घोषणा करने से पहले बहुमत और अन्य विचारों जैसे कारकों पर चर्चा की जाती है।

शिवकुमार की प्रभावशाली नेताओं को कांग्रेस में लाने की रणनीति जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने अन्य दलों के प्रभावशाली नेताओं को कांग्रेस में लाने की रणनीति जारी रखी है और कई नेताओं को लुभाया है। श्रीरामुलु को भाजपा से दूर करने के लिए पर्दे के पीछे प्रयास जारी हैं और शिवकुमार ने तुरुवेकेरे के पूर्व विधायक मसाला जयराम को कांग्रेस में शामिल होने का निमंत्रण दिया है।

मंगलवार को मसाला जयराम डी.के. शिवकुमार के घर उनके बेटे की शादी का निमंत्रण देने पहुंचे। बताया जा रहा है कि इस अवसर पर डी.के. शिवकुमार ने कई नेताओं से चर्चा की और पार्टी में शामिल होने पर राय ली। मसाला जयराम को बेमेल कांताराजू द्वारा डी.के. शिवकुमार के घर लाया गया। कांताराजू ने कांग्रेस से और मसाला जयराम ने भाजपा से तुरुवेकेरे विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा था। ऐसा कहा जा रहा है कि डी.के. शिवकुमार के निर्देश पर कांताराजू ने अपना ध्यान अन्य निर्वाचन क्षेत्रों पर केंद्रित कर लिया है और इस बात पर भी चर्चा हुई है कि यदि मसाला जयराम कांग्रेस में शामिल होते हैं तो उन्हें तुरुवेकेरे सीट छोड़नी होगी। बेमेल कांताराजू को डोड्डबल्लापुर निर्वाचन क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया गया है।

कांताराजू की नजर दशरहल्ली या तुमकुरु ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्रों पर भी है, जहां डी.के. शिवकुमार के समर्थक पहले से ही काम कर रहे हैं।

तुमकुरु जिले की राजनीति में सहकारिता मंत्री केएन राजन्ना और गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर सिद्धरामैया के गुट में दिखाई दिए हैं। तुमकुरु जिले में डीके शिवकुमार के पक्ष में कोई प्रभावशाली नेता नहीं है। इस प्रकार डी.के. शिवकुमार ने मसाला जयराम का दामन थाम लिया है। ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि अगर वे कांग्रेस में शामिल होते हैं तो डी.के. शिवकुमार की ताकत बढ़ जाएगी।

सीएम ने कई वर्षों से लंबित 10,000 से अधिक मामलों के निपटारे पर प्रसन्नता व्यक्त की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने पिछले 18 महीनों में राजस्व न्यायालयों में लंबित 10,000 से अधिक मामलों के शीघ्र निपटारे पर प्रसन्नता व्यक्त की है, क्योंकि कुछ मामले 10 वर्षों से अधिक समय से लंबित हैं।

मुख्यमंत्री को राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा ने बुधवार को कृष्णा स्थित मुख्यमंत्री गृह कार्यालय में राज्य राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान बताया कि वर्तमान में तहसीलदार न्यायालयों में बमुश्किल ही मामले लंबित हैं। सिद्धरामैया ने हालांकि विभाग के अधिकारियों को आगाह किया कि निपटाए गए कुल मामलों की संख्या महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि निपटारे की गुणवत्ता महत्वपूर्ण है, क्योंकि लोगों को न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने कहा यदि विभिन्न राजस्व न्यायालयों में लंबित सभी

मामलों का निपटारा गुणात्मक रूप से बेहतर होता, तो इससे पुनरीक्षण याचिकाओं की संख्या कम हो जाती और देरी खत्म हो जाती।

सिद्धरामैया ने राजस्व विभाग में स्वचालन के उपयोग में तेजी लाने के लिए मंत्री के प्रयासों की सराहना की, क्योंकि इससे अधिकांश मामलों में एक दिन के भीतर खाता हस्तांतरण कार्य पूरा करने में मदद मिली है। मुख्यमंत्री ने भूमि परिवर्तन कार्य को एक महीने के भीतर पूरा करने की आवश्यकता पर बल दिया, क्योंकि सरकार ने पहले ही उन स्थानों पर भूमि परिवर्तन प्रक्रिया को समाप्त करने के लिए आवश्यक कानूनी बदलाव किए हैं, जहां मास्टर प्लान की तैयारी पूरी हो चुकी है। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक आदेश जारी करने का निर्देश देते हुए कहा पूरी प्रक्रिया पूरे राज्य में भूमि धारकों की मदद करेगी। सिद्धरामैया ने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि मास्टर प्लान को नियमित आधार पर अपडेट और नवीनीकृत किया जाना चाहिए, ताकि लोगों को अनावश्यक समस्याओं से बचाया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि तहसीलदार न्यायालयों के समक्ष लंबित सभी मामलों का निपटारा 3 महीने के भीतर किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उप-मंडल स्तर पर मामलों का निपटारा तहसीलदार न्यायालयों में तेजी से निपटान के विपरीत मानक के अनुरूप नहीं है। राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा ने मुख्यमंत्री को बताया कि उप-मंडल स्तर पर तकनीकी समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। मंत्री ने बताया कि बेंगलूरु डिवीजन में 18 विशेष उप-विभागीय अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। मंत्री ने बैठक में बताया कि सभी अनौपचारिक लेआउट के लिए खता जारी करना बंद कर दिया गया है और बिचौलियों के साथ-साथ भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए भी कदम उठाए जा रहे हैं।

गरीबों, शोषितों और किसानों का जीवन नरक बनाने के लिए कुख्यात हैं कांग्रेसी: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कांग्रेस और मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ नाराजगी जताते हुए कहा कि आलाकमान को खुश करने के लिए हिंदू धार्मिक मान्यताओं, रीति-रिवाजों और विचारों का हवाला देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की आलोचना करना कांग्रेसियों की घिसी-पिटी मानसिकता को दर्शाता है। आपने प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह के पवित्र गंगा नदी में स्नान करने पर व्यंग्यात्मक टिप्पणी करके हिंदू धार्मिक आस्था का अपमान किया है। विजयेंद्र ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया कि वह आपके मुंह से निकलने वाले शब्दों से तंग आ चुके हैं। आजादी के बाद से ही कांग्रेसी नेहरू परिवार के पिट्ठू बनकर लोकतंत्र और संविधान के आदर्शों की धज्जियां उड़ाने तथा गरीबों, शोषितों, किसानों और मजदूरों के जीवन को नरक में धकेलने के लिए कुख्यात रहे हैं। इसी कारण कांग्रेस पतन की राह पर है, और इस बिंदु पर पहुंच गई है कि वह भारतीय राजनीतिक मानचित्र पर क्षेत्रीय दलों का मुकाबला भी नहीं कर सकती। ऐसी स्थिति में आप उस पार्टी के अध्यक्ष हैं, फिर भी हमें आप पर आदरपूर्वक दया आती है। आप ऐसा व्यवहार कर रहे हैं मानो आपने अपना अनुभव और वरिष्ठता किसी चापलूस पार्टी के पास गिरवी रख दी हो। उन्होंने आरोप लगाया है कि कर्नाटक में

कांग्रेस पार्टी का शासन इस बात का प्रमाण है कि जहां भी कांग्रेस की सरकार है, वहां भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, हत्या, जबरन वसूली, डकैती, बलात्कार और राष्ट्रविरोधी आतंकवादी गतिविधियां व्याप्त हैं। माइक्रोफाइनेंस के संकट के कारण गरीब और ग्रामीण क्षेत्रों के लोग हर दिन अपना घर छोड़ रहे हैं। कई मामलों में कर्जदार आत्महत्या कर रहे हैं, तथा दिनदहाड़े डकैती और बैंक डकैती बड़े पैमाने पर हो रही है। मुख्यमंत्री स्वयं मैसूरु मुडा घोटाले के अग्रिम पंक्ति के लाभार्थी हैं, और महिलाओं की लाइन में महिलाओं की मौत की खबर अभी तक आपके आलाकमान तक नहीं पहुंची है, जो महिलाओं से विहीन है। आपने अभी तक अपनी सरकार की बात सुनना नहीं सीखा है, जो इतनी क्रूर, मोटी चमड़ी वाली, गरीब विरोधी सरकार चला रही है।

मैं आपकी वरिष्ठता का सम्मान करता हूं। लेकिन उन्होंने इस बात पर अपनी नाराजगी व्यक्त की कि आपके शब्दों में राजनीतिक शब्दजाल और सांस्कृतिक शालीनता नहीं है, जिससे आपकी गरिमा कम हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के प्रधानमंत्री के रूप में 10 वर्षों तक प्रभावी शासन दिया है और भारत को वैश्विक मंच पर ऊंचा स्थान दिलाया है। गृह मंत्री के रूप में अमित शाह ने देश के अंदर उत्पात मचाने वाले और तबाही मचाने वाले आतंकवादी संगठनों को जड़ से उखाड़ फेंका है। यही कारण है कि भारत निर्माण की उनकी विजय यात्रा तीसरे कार्यकाल में भी तेजी से जारी है। विजयेंद्र ने कांग्रेस और मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ नाराजगी जताते हुए कहा है कि आप और आपके कांग्रेसी, जिन्हें यह बर्दाश्त नहीं है, वे हताशा में ऐसे बोल रहे हैं जैसे उन्होंने अपना विवेक खो दिया है, जो इस बात का सबूत है कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्षी दल किस स्तर पर पहुंच गया है।

महाकुंभ भगदड़ में प्रदेश के लोगों को सुरक्षित लाया जाएगा: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हुई भगदड़ में राज्य के कुछ लोग घायल हुए हैं, जहां महाकुंभ मेला चल रहा है, और उन सभी को सुरक्षित राज्य में वापस लाया जाएगा।

उन्होंने घटना के बारे में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए कहा कि राज्य के लोगों की सुरक्षा के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि सरकार अपने लोगों की सुरक्षा के लिए हर संभव प्रयास कर रही है और उन्हें वापस लाने के लिए अधिकारियों को तैनात किया गया है। उन्होंने कुंभ मेले में भाग लेने वाले कन्नड़ लोगों से थोड़ा सतर्क रहने की अपील की है। सुबह प्रयागराज में हुई भगदड़ में कई लोगों की जान जाने की खबर सुनकर दुख हुआ। मैं मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। मैं घटना में घायल हुए लोगों और इलाज करा रहे लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। भगदड़ में कई लोगों की मौत हो गई और पचास से अधिक लोग घायल हो गए।

भीषण आग में लाखों रुपए के वाहन जलकर खाक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य की राजधानी बेंगलूरु में बुधवार को भीषण आग लग गई, जिसमें जेडीएस कार्यालय के पास एक मैदान में 100 से अधिक वाहन जलकर खाक हो गए। जब्ती किए गए वाहनों को पुलिस ने शेषाद्रिपुरम के पास जकरयाणा केरे ग्राउंड में पार्क किया था।

सुबह इस इलाके में आग लगने की घटना हुई। अब तक 5 कारें, 5 ऑटो और 50 से अधिक बाइक जलकर राख हो चुकी हैं और आग और भी वाहनों तक फैल गई है। खबर मिलते ही चार दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंच गई और आग बुझाने का काम किया। सूत्रों ने बताया कि आग सिगरेट जलाने और जलती हुई माचिस की तीली सूखी घास पर फेंकने से लगी। आगे की जांच पड़ताल जारी है।

दर्शन ने शस्त्र लाइसेंस के निलंबन को कोर्ट में दी चुनौती

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

रेणुकास्वामी हत्याकांड में आरोपी अभिनेता दर्शन ने अपने शस्त्र लाइसेंस के अस्थायी निलंबन को चुनौती देते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय का रुख किया है। बार एंड बेंच की एक रिपोर्ट के अनुसार, उनकी जमानत के बाद, पुलिस को दुरुपयोग की आशंकाओं के चलते दर्शन के शस्त्र लाइसेंस को निलंबित करने का अनुरोध प्राप्त हुआ, जिसे पुलिस ने स्वीकार कर

लिया और दर्शन को इस बारे में नोटिस भेजा। हालांकि, अपनी याचिका में दर्शन ने दावा किया है कि उनकी प्रसिद्धि के कारण, उन्हें लगातार खतरा बना रहता है और इसलिए, उन्होंने अपने और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए शस्त्र लाइसेंस हासिल किया था, जिसका निलंबन उन्हें रद्द करने की उम्मीद है। इसके अलावा, उन्होंने तर्क दिया है कि दुरुपयोग की आशंका मात्र लाइसेंस के निलंबन के लिए पर्याप्त आधार नहीं है। हाईकोर्ट ने अभी इस संबंध में उनकी याचिका पर सुनवाई नहीं की है।

कर्नाटक भाजपा में अंदरूनी कलह

हाईकमान एक तीर से तीन निशाना साधने की कर रहा कोशिश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा इकाई की गुटीय राजनीति नाजुक दौर में पहुंच गई है। भाजपा आलाकमान को हस्तक्षेप करने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिसके बाद उसने राज्य इकाई में आमूलचूल परिवर्तन की रणनीति तैयार की है। यह लगभग तय है कि राज्य इकाई के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव होगा। इस समय का उपयोग करते हुए दो अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने का निर्णय लिया गया है, मुख्य रूप से दोनों गुटों के बीच मतभेदों का स्थायी समाधान खोजने के लिए। अगर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए चुनाव होता है तो स्वाभाविक है कि हारने वाले गुट को झटका लगेगा। इसके बाद, आलाकमान को फिर से असंतुष्ट गतिविधियों में शामिल होने का डर सताने लगा। इसलिए, दोनों गुटों को विश्वास में लेने का निर्णय लिया गया है। राधा मोहन दास अग्रवाल के प्रभारी बनने का राज्य भाजपा इकाई पर ज्यादा असर नहीं पड़

रहा है। इसके अलावा, कुछ दिन पहले उनकी यात्रा से राज्य भाजपा में और भी उथल-पुथल मच गई। इसके अलावा, यतनाल और रमेश जारकीहोली ने खुले तौर पर उन पर पक्षपातपूर्ण होने का आरोप लगाया। इसलिए इस बार सूचना है कि केंद्रीय कृषि मंत्री और मोदी मंत्रिमंडल में सबसे चतुर राजनेता के रूप में जाने जाने वाले शिवराज सिंह चव्हाण को बातचीत के लिए बेंगलूरु भेजने का फैसला किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष में बदलाव के साथ ही कोर कमेटी में भी बदलाव करने का निर्णय लिया गया है। भाजपा आलाकमान ने अध्यक्ष पद का चुनाव हारने वाले गुट के नेताओं को कोर कमेटी में शामिल करने का फैसला किया है। तदनुसार, यह संभावना है कि शिवराज सिंह को बसवन गौड़ा पाटिल यतनाल, रमेश जारकीहोली, विजयेंद्र और आर. अशोक के साथ अलग-अलग चर्चा करने का निर्देश दिया जाएगा। इसके अलावा, आलाकमान ने पदाधिकारियों की सूची में भी आमूलचूल परिवर्तन करने का निर्णय लिया है। विजयेंद्र पर यह भी आरोप है कि वह जिसे चाहते हैं उसे चुन लेते हैं। इसलिए कहा जा रहा है कि इस मुद्दे को बदलने का निर्णय लिया गया है ताकि आगे कोई परेशानी न हो। आर. अशोक को बी. श्रीरामुलु से बातचीत करने का निर्देश दिया गया है, जो हाल ही में विजयेंद्र के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। यहां समझाने के बाद उन्हें नड्डा और अमित शाह से बातचीत के लिए दिल्ली भेजे जाने की संभावना जताई जा रही है। कुल मिलाकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के साथ ही हाईकमान कोर कमेटी और पदाधिकारियों में बदलाव कर भाजपा के भीतर असंतोष को जड़ से खत्म करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। कुछ करो और असंतोष को शांत करो, यही मूल भाजपा कार्यकर्ताओं का संदेश है।

अनियंत्रित बस नाले में गिरी, बड़ा हादसा टला

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

धर्मस्थल से कादिरुद्यवारा होते हुए अलंददका जा रही एक निजी बस मंगलवार को मुंडाजे के सोमंतदका के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यह घटना शाम को हुई जब उजीरे और मुंडाजे होते हुए बस सड़क से उतर गई और सड़क किनारे नाले में रुक गई।

बस में बड़ी संख्या में छात्र सवार थे, जिनमें से कई को मामूली चोटें आईं। इलाके में चल रहे राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के कारण अस्थायी नाले बनाए गए हैं। ऐसा संदेह है कि स्टीयरिंग में खराबी या ब्रेक फेल होने के कारण बस नाले में जा गिरी। दुर्घटना स्थल के नीचे एक घर था, जहां बच्चे खेल रहे थे। एक बड़ा हादसा टल गया क्योंकि बस घर से कुछ ही दूर रुकी, जिससे आगे कोई नुकसान नहीं हुआ और लोग हताहत नहीं हुए। कई छात्र और यात्री घायल हो गए और उन्हें तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। निर्माण स्थल के पास खुले लोहे के सुदृढीकरण ने अतिरिक्त खतरा पैदा कर दिया, क्योंकि दो बच्चे टूटी हुई सामने की विंडशील्ड से नाले में गिर गए। सौभाग्य से, वे लोहे की सलाखों के कारण सुरक्षित बच गए, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई। स्थानीय लोगों और राजमार्ग निर्माण श्रमिकों ने तुरंत आपातकालीन स्थिति का सामना किया और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में सहायता की।

मोबाइल फोन की लत के कारण लड़के ने फांसी लगा ली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु के बयादराहल्ली पुलिस स्टेशन के गोल्लाराहट्टी के रत्नानगर में मोबाइल फोन की लत के कारण 13 वर्षीय एक लड़के ने फांसी लगा ली। मृतक की पहचान ध्रुव के रूप में हुई है। उसने अपनी 9 वर्षीय बहन के सामने रस्सी से लटककर आत्महत्या कर ली। बताया जाता है कि बहन यह जाने बिना देख रही थी कि उसका भाई क्या कर रहा है।

पुलिस जांच में पता चला है कि ध्रुव अपने परिवार की बात सुने बिना अक्सर मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर रहा था। मंगलवार को उसके माता-पिता काम पर गए थे। घर पर केवल उसका बड़ा भाई और बहन ही थे। उस समय लड़के ने अपनी पैंट उतारकर और अपनी कमर की बेल्ट को पंखे से बांधकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। लड़के ने शाम करीब 7 बजे आत्महत्या करने का प्रयास किया। फिर, रस्सी उसके गले में बंध गई और लड़का टुकड़ों में जमीन पर गिर गया। जब तक लड़का गिरा, तब तक उसकी मां काम खत्म करके वापस आ चुकी थी। घटना से घबराई मां ने पड़ोसियों की मदद ली और उसे अस्पताल ले गई। हालांकि, लड़के की जांच करने वाले डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

महाकुंभ मेले के भगदड़ में बेलगावी की मां-बेटी की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रयागराज में महाकुंभ मेले में कुचलकर घायल हुई बेलगावी की मां और बेटी की मौत हो गई है। मृतक के रिश्तेदार गुरुराज हुड्डारा ने बताया कि शहर के वडगावी निवासी ज्योति हटरावाथा (50) और उनकी बेटी मेघा हटरावाथा (18) की मौत हो गई है। घटना में घायल बेलगावी के चारों लोगों को प्रयागराज के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

बताया जाता है कि इलाज के अभाव में उनकी मौत हो गई। सुबह से ही ज्योति का मोबाइल बज रहा था। लेकिन उसने फोन नहीं उठाया। मोबाइल बजने से परिवार ने मान लिया था कि वह सुरक्षित है। तीन दिन पहले वडगावी क्षेत्र के 13 लोग सैराट ट्रैवल एजेंसी के जरिए प्रयागराज गए थे। इसके अलावा सरोजिनी धारीहल्ली और कंचन कोपार्डे के परिजनों को सूचना मिली कि उनके समेत कुछ अन्य लोग भी घायल हुए हैं। बेलगावी से लोग अलग-अलग समूहों में पिछले सप्ताह से प्रयागराज जा रहे हैं। कुछ लोग ट्रेन और फ्लाइट से यात्रा कर रहे हैं जबकि कुछ मिनी बसों और अन्य वाहनों से जा रहे हैं।

बढ़ती मांग के बीच बिंदूर में तरबूज की खेती में उछाल

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

गर्मी का असर दिखने लगा है, ऐसे में फलों और फलों से बने पेय पदार्थों की मांग में काफी वृद्धि होने की उम्मीद है। इसकी उम्मीद में बिंदूर विधानसभा क्षेत्र के किरीमंजेश्वर, नागूर, नवुंदा, खंबाडाकोन और हेरानजालू समेत कई इलाकों के किसानों ने तरबूज की खेती बढ़ा दी है।

पिछले सालों के मुकाबले इस सीजन में तरबूज की खेती में विस्तार हुआ है। 2024 में जहां 147 एकड़ में खेती हुई थी, वहीं इस साल यह रकबा बढ़कर 183 एकड़ हो गया है।

तरबूज की ज्यादातर खेती बिंदूर होबली में होती है, जबकि वंडसे और कुंदापुर होबली में कुछ हिस्से हैं। कई किसानों के लिए तरबूज की खेती प्राथमिक आजीविका बन गई है। तरबूजों को पनपने के लिए पर्याप्त धूप की जरूरत होती है। पिछले साल पैदावार और बाजार भाव अनुकूल रहे थे। इस सीजन में मेलोडी किस्म का शुरुआती भाव खेतों में 12 रुपये प्रति किलोग्राम था, जबकि नामधारी किस्म का भाव 15-16 रुपये प्रति किलोग्राम मिलने की उम्मीद है। किसानों ने बताया कि बाजार की मांग के आधार पर कीमतें अलग-अलग हो सकती हैं। बिंदूर तालुक में, तरबूज 183 एकड़ में उगाया जाता है, जिसमें अकेले नागूर में 80 एकड़ है। अन्य क्षेत्रों में हेरुर (25 एकड़), हेरानजालु (20 एकड़), बिजूर (15 एकड़), उप्पुंडा (10 एकड़), शिरुर (12 एकड़), नाडा (6 एकड़), नंदनवन (10 एकड़) और पडुवारी (5 एकड़) शामिल हैं। तालुक में उगाए जाने वाले तरबूज हर साल पड़ोसी जिलों और राज्यों को निर्यात किए जाते हैं। पिछले एक दशक से, इस क्षेत्र में तरबूज की खेती की जा रही है। इस साल, किरीमंजेश्वर में, किसानों ने 3.5 एकड़ जमीन लीज पर ली है, जिसमें 1.5 एकड़ में नामधारी किस्म और 2 एकड़ में मेलोडी किस्म लगाई गई है। एक किस्म के लगभग 17 टन तरबूज पहले ही काटे जा चुके हैं और 17 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से बेचे जा चुके हैं। बाकी उपज जल्द ही बिकने की उम्मीद है।

हलगेरी की तरबूज किसान सुधा बलगर ने कहा गर्मियों में अधिक मांग की उम्मीद करते हुए, हमने पिछले सप्ताह एक एकड़ में फसलों का दूसरा चरण भी लगाया है। पिछली गर्मियों में तरबूज और नारियल पानी दोनों की काफी मांग देखी गई थी, जिससे इस साल तरबूज की खेती के तहत क्षेत्र में विस्तार हुआ है। तरबूज की खेती को बढ़ावा देने के लिए, बागवानी विभाग प्रति हेक्टेयर 20,000 रुपये और प्लास्टिक मल्चिंग के लिए 16,000 रुपये प्रति हेक्टेयर की वित्तीय सहायता प्रदान करता है। तालुक का लक्ष्य 10 हेक्टेयर तक खेती का विस्तार करना है। 8 हेक्टेयर के लिए पहले ही आवेदन प्राप्त हो चुके हैं, और सब्सिडी वितरित की जा रही है। प्लास्टिक मल्चिंग के लिए, लक्ष्य 5 हेक्टेयर है, और पात्र किसान सहायता का लाभ उठा सकते हैं। बागवानी विभाग के वरिष्ठ सहायक निदेशक निधिश केजे ने कहा यदि आवेदन निर्धारित लक्ष्य से अधिक हैं, तो हम उच्च अधिकारियों को अतिरिक्त सब्सिडी के लिए एक अलग प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

सतीश जारकीहोली की टीम दुबई जाने के लिए तैयार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जब ऐसा लग रहा था कि हाईकमान के हस्तक्षेप के बाद कांग्रेस में सब कुछ शांत हो गया है, सतीश जारकीहोली की टीम ने दुबई की यात्रा की योजना बनाकर भ्रम का एक और दौर शुरू कर दिया है।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के खिलाफ अंदर ही अंदर खदबदा रहे जारकीहोली बंधुओं का यह व्यवहार कांग्रेस के लिए चर्चा का विषय बन गया है। इससे पहले पिछले दशहरा उत्सव के दौरान सतीश जारकीहोली ने अलग से दौरे का अपना प्रयास रोक दिया था। आलाकमान ने उन पर रोक लगा दी थी, क्योंकि वह करीबी विधायकों के साथ यात्रा पर जाने वाले थे। हालांकि सतीश जारकीहोली की यात्रा की पुष्टि हो गई, लेकिन इसे पूरी तरह से रद्द नहीं किया गया। हाल ही में डॉ. जी. परमेश्वर के नेतृत्व में कांग्रेस के अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति विधायकों ने अलग से बैठक आयोजित करने का प्रस्ताव रखा था। हाईकमान ने उस पर भी रोक लगा दी थी। ऐसा कहा जा रहा है कि सतीश जारकीहोली, जिन्होंने एक समय कठोर राजनीति से तौबा कर ली थी, ने गुप्त रूप से अपने समर्थकों को विदेश यात्रा करने के लिए प्रोत्साहित किया है। बताया जा रहा है कि करीब 25 विधायक दुबई की यात्रा पर जा रहे हैं, जिसका नेतृत्व सतीश जारकीहोली करेंगे।

मुडा घोटाला मामला

19 साइटों के अवैध आवंटन को लेकर जी टी देवेगौड़ा के खिलाफ शिकायत दर्ज

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मंत्री और जेडीएस विधायक जी.टी. देवेगौड़ा के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और कर्नाटक लोकायुक्त के समक्ष शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उन्होंने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) से अवैध रूप से 19 भूखंड हासिल किए हैं। शिकायत सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने दर्ज कराई है। वह मुडा मामले में याचिकाकर्ता भी हैं। इस मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को मुख्य आरोपी बनाया गया है। कृष्णा ने कहा कि विधायक देवेगौड़ा ने अपनी बहन के बेटे महेंद्र के नाम पर देवनुरु गांव में सर्वे नंबर 81/2 वाली जमीन खरीदी है। कृष्णा ने कहा यह गलत तरीके से पेश किया गया कि अधिग्रहण के बाद मुडा ने इस जमीन के लिए मुआवजा नहीं दिया है और 50:50 अनुपात योजना के तहत 19 भूखंड अवैध रूप से हासिल किए गए। कृष्णा ने आगे कहा कि उन्होंने विधायक देवेगौड़ा को अवैध रूप से भूखंड आवंटित करने के संबंध में पहले ही एक याचिका प्रस्तुत की है। उस याचिका के अलावा, एक नई शिकायत के साथ, उन्होंने अब सबूत के तौर पर छह तस्वीरें प्रस्तुत की हैं, जिनमें कथित तौर पर विधायक देवेगौड़ा को उक्त भूमि के असली मालिक को चेक सौंपते हुए दिखाया गया है। कृष्णा ने अनुरोध किया है कि तस्वीरों में मौजूद व्यक्तियों से पूछताछ की जाए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मैसूरु के तहसीलदार ने गौड़ा की बहन के बेटे के नाम पर बिक्री विलेख निष्पादित किया और भूमि पर मकान बने होने के बावजूद इसे अभी भी कृषि भूमि के रूप में वर्गीकृत किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दस्तावेजों के आधार पर 19 भूखंडों का अवैध आवंटन किया गया। इसके अलावा, मुडा ने उक्त भूमि पर एक लेआउट विकसित किया और इसके बावजूद, तहसीलदार और अन्य अधिकारियों ने विधायक देवेगौड़ा को भूखंड आवंटित करने के लिए इसे कृषि भूमि घोषित कर दिया।

विधायक जी.टी. देवेगौड़ा मुडा घोटाले के प्रकाश में आने के बाद से ही मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के साथ खड़े हैं।

उन्होंने सिद्धरामैया की खुलकर प्रशंसा की है। उन्होंने कहा है कि सिद्धरामैया अपने अनुयायियों के राजनीतिक विकास का समर्थन करते हैं, जबकि उनके अपने पिछले अनुभवों में उन्होंने दावा किया था कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में सीमित प्रगति देखी है। कृष्णा ने आरोप लगाया है कि मुडा द्वारा निहित स्वार्थों और सिद्धरामैया के समर्थकों को लगभग 4,000 से 5,000 साइटों का अवैध आवंटन किया गया है।

विजयेंद्र ने महाकुंभ मेले में भगदड़ की दुखद घटना पर जताया दुख

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ मेले में भगदड़ की दुखद घटना पर दुख जताया, जिसमें 40 से 50 श्रद्धालु घायल हो गए और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उठाए गए सभी एहतियाती कदमों के बावजूद प्रयागराज में महाकुंभ मेले में सुबह भगदड़ की दुखद खबर आई, जिसके परिणामस्वरूप कई श्रद्धालु मामूली रूप से घायल हो गए। उन्होंने कहा रिपोर्टों से पता चलता है कि लगभग 40 से 50 श्रद्धालु मामूली रूप से घायल हुए हैं और मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। हमारे प्रधानमंत्री ने भी स्थिति का आकलन करने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से फोन पर बात की है और केंद्र तथा राज्य सरकारें अतिरिक्त सावधानी बरतेंगी। विजयेंद्र ने कहा 144 वर्षों के बाद प्रयागराज में पवित्र महाकुंभ मेला आयोजित किया जा रहा है, जिसमें करोड़ों श्रद्धालु इस भव्य आध्यात्मिक समागम में शामिल हो रहे हैं। मैं ईमानदारी से प्रार्थना करता हूं कि तीर्थयात्रा में भाग लेने वाले सभी श्रद्धालु सुरक्षित रहें और यह आयोजन अपने समापन तक सुचारू रूप से चलता रहे, जिससे उन्हें बिना किसी बाधा के दिव्य आशीर्वाद प्राप्त हो सके। इस बीच, कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि उन्हें महाकुंभ मेले में राज्य के किसी श्रद्धालु के घायल होने की कोई खबर नहीं मिली है। प्रयागराज में महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर अमृत स्नान से पहले बुधवार तड़के भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री राम गौ सेवा मंडल ट्रस्ट के सदस्यों ने मौनी अमावश्या पर कोरमंगला प्राणी दया संघ गौशाला में हरे चारा का वितरण किया। साथ ही वार्षिक कैलेंडर का विमोचन भी किया गया। इस मौके पर श्री राम गौ सेवा मंडल ट्रस्ट के सभी सदस्य मौजूद रहे।

ऑल इन वन
गुरुवार, 30 जनवरी, 2025
बेंगलूरु
शुभ लाभ DAILY

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला : पीजी मेडिकल कोर्सेस में डोमिसाइल आधारित आरक्षण

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक ऐतिहासिक निर्णय सुनाया है, जिसमें उसने मेडिकल कॉलेजों में पोस्टग्रेजुएट (पीजी) कोर्सेस के लिए डोमिसाइल आधारित आरक्षण को असंवैधानिक करार दिया। यह फैसला देशभर में मेडिकल एडमिशन के लिए आरक्षण व्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने वाला है। कोर्ट ने कहा कि यह आरक्षण व्यवस्था संविधान के अनुच्छेद 14, यानी समानता के अधिकार का उल्लंघन करती है।

सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की पीठ, जिसमें जस्टिस ऋषिकेश रॉय, जस्टिस सुधांशु धुलिया और जस्टिस एसवीएन भट्टि शामिल थे, ने इस फैसले में स्पष्ट किया कि भारत में केवल एक डोमिसाइल है और वह है – हम सभी भारतीय हैं।

कोर्ट ने कहा कि भारतीय नागरिकों को अपने देश के किसी भी हिस्से में निवास करने, व्यापार करने और पेशेवर कार्य करने का अधिकार है, और यह अधिकार शैक्षिक संस्थानों में प्रवेश के संदर्भ में भी लागू होता है। डोमिसाइल आधारित आरक्षण, विशेष रूप से पोस्टग्रेजुएट स्तर पर, इस मौलिक अधिकार को बाधित करता है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को लेकर अहम दृष्टिकोण दिया कि जबकि अंडरग्रैजुएट (एमबीबीएस) प्रवेश में डोमिसाइल आधारित आरक्षण की कुछ सीमा तक अनुमति हो सकती है, पोस्टग्रेजुएट मेडिकल कोर्सेस में यह लागू नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने यह भी कहा कि पीजी कोर्सेस में उच्च स्तर की विशेषज्ञता और कौशल की आवश्यकता होती है, इसलिए डोमिसाइल आधारित आरक्षण के कारण इन कोर्सेस में प्रवेश पर कोई असंवैधानिक प्रतिबंध नहीं होना चाहिए।

यह फैसला उन छात्रों के लिए राहत की बात है, जो पहले से डोमिसाइल आधारित आरक्षण के तहत पीजी मेडिकल कोर्स में दाखिला ले चुके हैं या जिन्होंने अपनी पीजी मेडिकल शिक्षा पूरी कर ली है। कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि यह निर्णय भविष्य के दाखिलों को प्रभावित करेगा, लेकिन वर्तमान में जो छात्र पीजी कोर्स कर रहे हैं, उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

यह मामला 2019 में डॉ. तन्वी बेहल बनाम श्रेयी गोयल और अन्य के संदर्भ में शुरू हुआ था, जब पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने डोमिसाइल आरक्षण को असंवैधानिक करार दिया था। इसके बाद, इस फैसले के खिलाफ अपील की गई और सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर विचार करने के लिए एक बड़ी पीठ का गठन किया। अब इस फैसले ने स्पष्ट कर दिया है कि मेडिकल क्षेत्र में डोमिसाइल आधारित आरक्षण की सीमाएं क्या होनी चाहिए, खासकर पीजी स्तर पर।

छत्तीसगढ़ : पत्नी के अवैध संबंध के संदेह में पति ने कार में किया विस्फोट, गिरफ्तार

दुर्ग, 29 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में पत्नी के अवैध संबंध के संदेह में पति ने उसके कथित प्रेमी को डराने के लिए कार में विस्फोट कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पति को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस के मुताबिक, पति ने कार में विस्फोट करने के लिए यूट्यूब देखकर बच्चों के खिलौने वाले रिमोट और पटाखों का इस्तेमाल किया था।अधिकारियों ने बताया कि जिले के भिलाई शहर में मंगलवार को रियल स्टेट कारोबारी संजय बुंदेला की कार को बम से क्षतिग्रस्त करने के आरोप में पुलिस ने देवेन्द्र सिंह नाम के व्यक्ति को बुधवार को गिरफ्तार किया।उन्होंने बताया कि मंगलवार को भिलाई के रहने वाले संजय बुंदेला ने सुपेला थाने को सूचना दी कि शहर के इंदू आईटीआई के करीब उसका कार्यालय है।अधिकारियों के मुताबिक, संजय ने बताया कि कार्यालय के सामने उसकी डस्टर कार खड़ी थी, जिसमें शाम लगभग छह बजे विस्फोट हुआ और कार क्षतिग्रस्त हो गई। अधिकारियों ने बताया कि बुंदेला की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू की और घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाली तथा कार्यालय में कार्यरत कर्मचारियों के संबंध में जानकारी एकत्र की। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की जांच के दौरान संदिग्ध का हुलिया बुंदेला के कार्यालय में कार्यरत सहायक प्रबंधक के पति देवेंद्र सिंह से मिलता जुलता पाया गया। अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद पुलिस ने देवेंद्र सिंह से पूछताछ की और जब उससे कड़ाई से पूछताछ की तब उसने अपना गुनाह कबूल लिया।

इसरो का शतक : श्रीहरिकोटा से जीएसएलवी-एफ15 का सफल प्रक्षेपण

यह हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण : जितेंद्र सिंह

श्रीहरिकोटा, 29 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में सुबह 6:23 बजे एनवीएस-02 के साथ अपने जीएसएलवी-एफ15 को सफलतापूर्वक लॉन्च किया, जो इसरो के 100वें रॉकेट मिशन को चिह्नित करता है। यह मिशन अंतरिक्ष एजेंसी के अध्यक्ष वी नारायणन के लिए भी पहला है, जिन्होंने हाल ही में पदभार संभाला है। यह इसरो का इस साल का पहला उद्यम है। केंद्रीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह उपलब्धि हर भारतीय को गौरवान्वित करती है।

जितेंद्र सिंह ने कहा कि हमें अपने वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष विशेषज्ञों की वैज्ञानिक कौशल, क्षमताओं और क्षमताओं पर भी गर्व है, और साथ ही, मैं पीएम मोदी के नेतृत्व में महत्वपूर्ण नेतृत्व द्वारा प्रदान किए गए संरक्षण के लिए सक्षम माहौल का भी आभारी हूं। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से एक लंबी छलांग लगी है और यह बुनियादी ढांचे और निवेश दोनों के मामले में है।

पिछले 50 वर्षों में इसरो के विकास की गति वैसी नहीं रही जैसी होनी चाहिए थी। पिछले 10 साल में तीसरे और बड़े लॉन्चिंग पैड पर काम शुरू होने वाला है।

सिंह ने कहा कि तमिलनाडु के तूतीकोरिन में एक और स्थान की पहचान की गई है जहां फरवरी 2024 में पीएम मोदी ने आधारशिला रखी थी। विदेशी उपग्रहों के प्रक्षेपण से भारी राजस्व हो रहा है। अमेरिकी उपग्रहों के प्रक्षेपण के साथ, इसरो ने लगभग 172 मिलियन डॉलर की कमाई की है, और यूरोपीय उपग्रहों के प्रक्षेपण के साथ, इसरो ने 292 मिलियन यूरो की कमाई की है। इन सभी उपग्रहों में से 90% से अधिक उपग्रह केवल पिछले 10 वर्षों में लॉन्च किए गए हैं। कुल अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था 8 अरब डॉलर से अधिक की है और यह वृद्धि इतनी तेज है और इतनी गति से हो रही है कि अगले 7-8 वर्षों में, हम 5 गुना अधिक बढ़कर लगभग 44 अरब डॉलर तक पहुंच सकते हैं। जैसे-जैसे हम 2047 तक विकसित भारत की ओर बढ़ रहे हैं, अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था समग्र भारत की विकास कहानी का एक महत्व-पूर्ण घटक बनकर उभर सकती है।

श्री नारायणन ने सफल प्रक्षेपण के बाद अपने संबोधन में कहा कि उपग्रह को आवश्यक (जीटीओ) कक्षा में सटीक रूप से स्थापित किया गया था। यह मिशन 100वां प्रक्षेपण है जो एक बहुत ही महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। श्रीहरिकोटा से उड़ान भरने वाला पहला बड़ा रॉकेट 10 अगस्त, 1979 को सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (एसएलवी) था और अब लगभग 46 साल बाद अंतरिक्ष विभाग ने शतक पूरा कर लिया है। अब तक श्रीहरिकोटा में सभी बड़े रॉकेट लॉन्च भारत सरकार द्वारा ही किए गए हैं।

जम्मू कश्मीर के आठ जिलों में सुरक्षा बलों का अभियान तेज

33 इलाकों में आतंकियों को खोजो और मारो

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 29 जनवरी। केंद्रीय गृह मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय के निर्देशों के बाद पुलिस, सेना और अर्धसैनिक बलों ने जम्मू कश्मीर के आठ जिलों के 33 इलाकों में आतंकियों के खिलाफ खोजो और मार डालो अभियान तेज कर दिया है। इनमें मुख्य रूप से नियंत्रण रेखा (एलओसी) के साथ ऊंचे इलाकों और जंगली इलाकों को शामिल किया गया है।

वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षा प्रतिष्ठान के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, इन अभियानों का उद्देश्य पिछले साल संभाग में कई घातक हमलों के लिए जिम्मेदार आतंकी नेटवर्क को खत्म करना है। वरिष्ठ अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अभियान में शामिल एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सेना, जम्मू कश्मीर पुलिस और अर्धसैनिक बलों के बीच घनिष्ठ समन्वय के नतीजे मिल रहे हैं और हम आतंकवाद को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनका कहना था कि राजौरी और पुंछ जिले आतंकी गतिविधियों के लिए जाने जाते हैं, लेकिन आतंकियों ने 2024 में छह अन्य जिलों रियासी, डोडा, किश्तवाड़, कठुआ, उधमपुर और जम्मू में भी अपनी पैठ बना ली है।

इन जिलों में आतंकी घटनाओं ने सुरक्षा एजेंसियों को चिंतित कर दिया। इन हमलों में 44 लोगों की जान गई थी। इनमें 18 सुरक्षाकर्मी, 13 आतंकवादी और 14 नागरिक शामिल हैं। इसी तरह आतंकी हिंसा में शिव खोड़ी मंदिर से लौट रहे तीर्थयात्रियों की बस पर लक्षित हमला शामिल है, जिसके परिणामस्वरूप सात नागरिक मारे गए, साथ ही उधमपुर और किश्तवाड़ में तीन ग्राम रक्षा गार्ड (वीडीजी) की हत्या भी हुई। पिछले साल की हिंसा आतंकी समूहों की बदलती रणनीति को दर्शाती है, जो अब व्यापक भौगोलिक क्षेत्र में शांति को बाधित करने का लक्ष्य बना सकते हैं। हम उन्हें वह स्थान न देने के लिए हर संभव कदम उठा रहे हैं। वर्तमान में, 33 स्थानों पर तलाशी अभियान चल रहा है, जिसमें चिनाब घाटी किश्तवाड़, डोडा और रामबन जिलों में फैली हुई है दस सक्रिय तलाशी स्थलों के साथ प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रही है। राजौरी और पुंछ में अन्य सात स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, जबकि उधमपुर में तीन, रियासी में दो और जम्मू जिले में एक अभियान चल रहा है।

गृह मंत्रालय ने गर्मियों की शुरुआत से पहले जम्मू क्षेत्र में सक्रिय 40 से 50 आतंकियों को खत्म करने के लिए समन्वित निरंतर अभियान शुरू करने का निर्देश दिया था जिससे आतंक मुक्त जम्मू कश्मीर के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया जा सके। जम्मू क्षेत्र के आठ जिलों में चल रहे व्यापक सुरक्षा अभ्यास के पीछे के औचित्य को समझाते हुए बताया कि इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए, 26 जनवरी के बाद बड़े पैमाने पर तलाशी शुरू की गई है, जो कि जम्मू क्षेत्र में गर्मियों से पहले लगातार आतंकी खतरों को खत्म करने के लिए एमएचए के स्पष्ट निर्देशों के अनुरूप है।

पहलगाम में भी लीजिए गंडोला सवारी का मजा

जम्मू, 29 जनवरी (ब्यूरो)। कश्मीर के सबसे प्रतिष्ठित पर्यटन स्थलों में से एक पहलगाम में अत्याधुनिक गंडोला सेवा शुरू होने जा रही है, जिसे प्रसिद्ध गुलमर्ग गंडोला से टक्कर लेने के लिए डिजाइन किया गया है। प्रस्तावित केबल कार परियोजना का उद्देश्य क्षेत्र की पर्यटन क्षमता को बढ़ाना और साल भर, खासकर सर्दियों के महीनों में पर्यटकों को आकर्षित करना है।

प्रस्तावित गंडोला मार्ग लगभग 2 किलोमीटर तक फैला होगा, जो यात्री निवास को बाई सरन के सुंदर मैदान से जोड़ेगा, जो बर्फ से ढके पहाड़ों और घने देवदार के जंगलों से घिरा हुआ है। जम्मू कश्मीर पर्यटन विकास निगम के एक अधिकारी ने इसके प्रति खुल-ासा करते हुए बताया कि विस्तृत परियोजना रिपोर्ट अपने अंतिम चरण में है, जिसके निदेशक मंडल द्वारा जल्द ही निर्णय लिए जाने की उम्मीद है। जबकि वन और अन्य संबंधित विभागों से कुछ अनापत्ति प्रमाण पत्र अभी भी लंबित हैं, प्रक्रिया में तेजी लाने के प्रयास चल रहे हैं। पर्यावरणीय स्थिरता को ध्यान में रखते हुए डिजाइन की गई परियोजना यह सुनिश्चित करती है कि निर्माण के दौरान कोई वनों की कटाई न हो।

पर्यटन अधिकारी ने बताया कि कि सर्दियों के खेल और साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अरु घाटी के लिए एक ड्रैग लिफ्ट की योजना भी बनाई गई है, जो साहसिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में क्षेत्र की अपील को और बढ़ाएगी। वे बताते थे इन पहलों से पहलगाम को साल भर के पर्यटन स्थल में बदलने की उम्मीद है। होटल व्यवसायियों और ट्रैवल एजेंटों सहित स्थानीय हितधारकों ने इस कदम का गर्मजोशी से स्वागत किया है।

स्थानीय होटल व्यवसायी उजैर अहमद कहते हैं कि पहलगाम में गर्मियों के दौरान पर्यटकों का आना-जाना लगा रहता है, लेकिन सर्दियों के महीनों में इसमें काफी गिरावट देखी जाती है। गंडोला और ड्रैग लिफ्ट जैसी सुविधाएं पूरे साल पहलगाम को जीवंत बनाए रखेंगी। क्षेत्र के अधिकांश होटलों में वर्तमान में केंद्रीय हीटिंग सिस्टम की कमी है, क्योंकि कई सर्दियों के दौरान पर्यटकों की कम संख्या के कारण बंद रहते हैं। अहमद के मुताबिक, अगर सर्दियों में पर्यटकों की संख्या बढ़ती है, तो होटल व्यवसायी सुविधाओं को अपग्रेड कर सकते हैं, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ होगा।

यही नहीं स्थानीय अधिकारियों और हितधारकों द्वारा गंडोला परियोजना को पहलगाम के लिए गेम-चेंजर के रूप में वर्णित किया जा रहा है। इससे पर्यटकों को एक वैकल्पिक साहसिक स्थल प्रदान करके गुलमर्ग में भीड़भाड़ कम होने की उम्मीद है, जबकि पहलगाम को गर्मियों और सर्दियों दोनों गतिविधियों के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित किया जाएगा। अरु घाटी में ड्रैग लिफ्ट का उद्देश्य विशेष रूप से शीतकालीन खेलों को बढ़ावा देना, साहसिक उत्साही लोगों को आकर्षित करना और भविष्य में संभावित खेल आयोजनों की मेजबानी करना है। इन परियोजनाओं के पूरा होने से पहलगाम में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होने की उम्मीद है, खासकर सर्दियों के महीनों के दौरान।

विजय चौक पर बीटिंग रिट्रीट के साथ सम्पन्न हुआ गणतंत्र दिवस कार्यक्रम

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी में 76वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों का सिलसिला बुधवार शाम विजय चौक पर सैन्य टुकड़ियों के बीटिंग रिट्रीट के साथ सम्पन्न हो गया।

रक्षा मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार, इस बार बीटिंग रिट्रीट समारोह में सेना के तीनों अंगों, थल सेना, नौसेना और

वायु सेना तथा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के बैंड ने कदमताल करते हुये, 30 धुनें बजाईं। समारोह के लिये चुनी गयीं सभी धुनें स्वदेशी हैं।

समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तथा केंद्रीय मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों, गणमान्य व्यक्तियों के साथ आम जनता शामिल हुई।

समारोह की शुरुआत, सामूहिक बैंड की धुन कदम कदम बढ़ाये जा से हुई। उसके बाद पाइप्स एंड ड्रम्स बैंड अमर भारती, इंद्रधनुष, जय जन्म भूमि, नाटी इन हिमालयन वैली, गंगा जमुना और वीर सियाचिन' जैसी मनमोहक धुनें बजायी गयीं। केन्द्रीय पुलिस बलों के बैंड कर्णप्रिय विजय भारत, राजस्थान ट्रूप्स, ऐ वतन तेरे लिए और भारत के जवान धुनें बजाई गयीं। विज्ञप्ति के अनुसार, वायुसेना का बैंड गैलेक्सी राइडर, स्ट्राइड, रूबरू और मिलेनियम फ्लाइट फैंटेसी जैसे धुनें, नौसेना का बैंड राष्ट्रीय प्रथम, निषक निष्पद, आत्मनिर्भर भारत, स्वतंत्रता का प्रकाश फैलाओ, रिदम ऑफ द रीफ और जय भारती और थल सेना का बैंड वीर सपूत, ताकत वतन, मेरा युवा भारत, ध्रुव तथा फौलाद का जिगर जैसी धुनें बजायी गयीं। इसके बाद, सभी बैंड सामूहिक रूप से प्रियम भारतम, ऐ मेरे वतन के लोगों और ड्रमर्स कॉल की धुनें बजायी गयीं। कार्यक्रम का समापन बिगुल वादकों द्वारा बजाई जाने वाली सदाबहार लोकप्रिय धुन सारे जहां से अच्छा के साथ हुआ। इस बार के बीटिंग रिट्रीट समारोह के मुख्य संचालक कमांडर मनोज सेबेस्टियन थे। थल सेना बैंड के संचालक सूबेदार मेजर (मानद कैप्टन) बिशन बहादुर थे, जबकि एम एंटनी, एमसीपीओ एमयूएस द्वितीय और वारंट ऑफिसर अशोक कुमार ने क्रमशः नौसेना और वायु सेना के बैंड का संचालन किया। केन्द्रीय पुलिस बलों के बैंड के संचालक हेड कांस्टेबल जीडी महाजन कैलाश माधव राव थे। 'पाइप्स एंड ड्रम्स बैंड' का संचालन सूबेदार मेजर अभिलाष सिंह ने किया, जबकि बिगुल बैंड की प्रस्तुति का नेतृत्व नायब सूबेदार भूपाल सिंह ने किया। गणतंत्र दिवस परेड के लिये सैन्य बलों और केन्द्रीय पुलिस बलों की टुकड़ियां राजधानी में अभ्यास के लिये करीब महीने भर पहले आ जाती हैं।

अमित शाह की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति ने

विभिन्न राज्यों के लिए आपदा न्यूनीकरण हेतु 3,027.86 करोड़ मंजूर किए

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति (एचएलसी) ने विभिन्न राज्यों के लिए आपदा न्यूनीकरण परियोजनाओं के लिए 3,027.86 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। वित्त मंत्री, कृषि मंत्री और नीति आयोग के उपाध्यक्ष की सदस्यता वाली समिति ने 10 राज्यों के 50 भारी बिजली गिरने वाले जिलों में बिजली गिरने के जोखिम को कम करने के लिए बिजली सुरक्षा पर शमन परियोजना और राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष (एनडीएमएफ) से वित्त पोषण के लिए

12 सर्वाधिक सूखा प्रभावित राज्यों के 49 जिलों को उत्प्रेरक सहायता के प्रस्तावों पर विचार किया। उच्च स्तरीय समिति ने 12 सर्वाधिक सूखा प्रभावित राज्यों को कुल 2,022.16 करोड़ रुपए की उत्प्रेरक सहायता के लिए एक परियोजना को मंजूरी दी है, जिसमें से केंद्र का हिस्सा 1,200 करोड़ रुपए होगा।

समिति ने 10 राज्यों – आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मेघालय, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल – में 186.78 करोड़ रुपए के कुल परिव्यय पर बिजली सुरक्षा पर शमन परियोजना को भी मंजूरी दी है।

गृह मंत्री ने 19 राज्यों के 144 उच्च प्राथमिकता वाले जिलों में कार्यान्वयन के लिए वन अग्नि जोखिम प्रबंधन के लिए शमन योजना को भी मंजूरी दी है, जिसका कुल परिव्यय 818.92 करोड़ रुपए है, जिसमें से एनडीएमएफ और एनडीआरएफ का केंद्रीय हिस्सा 690.63 करोड़ रुपए होगा।

योजना का प्राथमिक उद्देश्य देश में वन अग्नि प्रबंधन दृष्टिकोण को बदलने के लिए शमन परियोजना को लागू करना होगा ताकि महत्वपूर्ण वन अग्नि रोकथाम और शमन गतिविधियों को मजबूत किया जा सके और उनका समर्थन किया जा सके।

आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मणिपुर, महाराष्ट्र, मिजोरम, मध्य प्रदेश, मेघालय, नागालैंड, ओडिशा, तमिलनाडु, तेलंगाना और उत्तराखंड राज्य वन अग्नि के शमन, वन अग्नि प्रतिक्रिया की तैयारी के साथ-साथ आग के बाद के आकलन और पुनर्प्राप्ति के लिए आवश्यक गतिविधियों को शुरू करने के लिए अपने-अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे। सात प्रमुख शहरों में शहरी बाढ़ जोखिम न्यूनीकरण परियोजनाएं, जिनका कुल व्यय 3,075.65 करोड़ रुपए है, चार राज्यों में जीए-लओएफ जोखिम प्रबंधन, जिसका कुल व्यय 150 करोड़ रुपए है, तथा 15 राज्यों में भूस्खलन जोखिम न्यूनीकरण, जिसका कुल व्यय 1,000 करोड़ रुपए है।

इसके अलावा, चालू वित्त वर्ष के दौरान राज्यों को 24,981 करोड़ रुपए से अधिक की राशि पहले ही जारी की जा चुकी है। इसमें राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) से 27 राज्यों को 17,479.60 करोड़ रुपये, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) से 18 राज्यों को 4,808.30 करोड़ रुपए, राज्य आपदा न्यूनीकरण कोष (एसडीएमएफ) से 13 राज्यों को 1,973.55 करोड़ रुपए तथा राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष (एनडीएमएफ) से आठ राज्यों को 719.72 करोड़ रुपए शामिल हैं।

मौनी अमावस्या पर सभी 13 अखाड़ों ने सादगी के साथ त्रिवेणी में लगाई डुबकी

शंकराचार्यों ने भी लगाई संगम में पुण्य डुबकी, श्रद्धालुओं से संयम रखने की अपील

महाकुंभ नगर, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

प्रयागराज महाकुंभ का दूसरा अमृत स्नान पर्व सम्पन्न हो गया। मौनी अमृत स्नान पर्व पर घटी घटना के बाद अखाड़ों ने संवेदनशीलता दिखाते हुए पहले श्रद्धालुओं को अमृत स्नान करने का अवसर दिया और बाद में सांकेतिक रूप से अमृत स्नान किया।

त्रिवेणी के तट पर लगे आस्था के महाकुंभ का दूसरा अमृत स्नान पर्व संपन्न हो गया। प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक मौनी अमावस्या के अमृत स्नान पर्व पर शाम 6 बजे तक करोड़ों लोगों ने पुण्य की डुबकी लगाई।

महाकुंभ में घटी घटना के बाद अखाड़ों के संतों ने संवेदनशीलता दिखाई। यह पहला मौका था जब साधु-संतों, नागा संन्यासी और अखाड़ों ने संगम में ऐतिहासिक प्रथम स्नान की प्रतिज्ञा तोड़ दी। परिस्थिति को देखते हुए अखाड़ों ने अपने ब्रह्म मुहूर्त के अमृत स्नान को स्थगित कर दिया और श्रद्धालुओं को पहले स्नान का अवसर दिया। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी का कहना है कि सर्वसम्मति से सभी अखाड़ों ने निर्णय लिया कि हालात को देखते हुए पहले श्रद्धालुओं को अमृत स्नान का अवसर दिया जाय। स्थिति सामान्य होने पर अखाड़ों ने अपनी भव्य अमृत स्नान की परम्परा का त्याग कर दिया और सांकेतिक रूप से स्नान कर परम्-परा का निर्वहन किया।

प्रयागराज महाकुंभ के दूसरे अमृत स्नान में मौनी अमावस्या पर देश के तीन पीठों के शंकराचार्यों ने भी त्रिवेणी के संगम में डुबकी लगाई।

शंकराचार्य ने श्रद्धालुओं से संयम बनाए रखने की अपील की। श्रृंगेरी शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी विधु शेखर भारती जी, द्वारका शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरू शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी और ज्योतिष पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी ने मौनी अमावस्या अमृत स्नान पर्व पर त्रिवेणी संगम में पुण्य की डुबकी लगाई।

तीनों पीठ के शंकराचार्य मोटर बोट के माध्यम से त्रिवेणी संगम पहुंचे, जहां पूरे धार्मिक विधि विधान से तीनों ने पुण्य की डुबकी लगाई और देश की जनता के कल्याण के लिए आशीष दिया।

पुलिस प्रशासन ने महाकुंभ भगदड़ को भड़कने से रोका

सुव्यवस्थित रेस्क्यू को दिया अंजाम

महाकुंभ नगर, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

मौनी अमावस्या के अमृत स्नान पर प्रयागराज के संगम तट पर मध्य रात्रि से ही करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे थे। यही नहीं, बड़ी संख्या में एक दिन पहले से ही श्रद्धालु संगम तट पर डटे हुए थे। इससे घाटों पर भीड़ अनियंत्रित हो गई थी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि भीड़ के दबाव के चलते भगदड़ जैसी स्थिति बन गई थी, लेकिन पुलिस प्रशासन ने घटना के बाद जिस तेजी से हालातों को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया वह वाकई यूपी की पुलिस फोर्स के प्रोफेशनलिज्म को दर्शा रहा है। यूपी पुलिस के जवानों के क्विक रिस्पांस की वजह से बहुत बड़ा हादसा सीमित कर दिया गया। हादसे में फंसे प्रत्यक्षदर्शी का कहना है कि पुलिस के जवान हम लोगों के लिए भगवान के दूत बन कर आए, नहीं तो बड़ी संख्या में जानें जा सकती थीं।

प्रयागराज महाकुंभ में मौनी अमावस्या के महापर्व पर करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु संगम तट पर मौजूद थे। अमृत स्नान के उत्साह और भीड़ के भारी दबाव के चलते रात्रि में भगदड़ जैसी स्थित बन गई थी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि लेकिन प्रशासन ने तत्काल स्थित पर नियंत्रण करते हुए संभावित बड़े हादसे को टाल दिया। पुलिस प्रशासन और आरएएफ के जवानों ने रस्से डाल कर भीड़ को नियोजित किया। पुलिस के सभी बड़े अधिकारियों ने तत्काल घटनास्थल पर पहुंच कर स्थिति को नियंत्रण में लिया। आईजी प्रेम कुमार और मेला एसएसपी राजेश द्विवेदी ने घटना स्थल पर पहुंच कर करोड़ों की संख्या में संगम स्थल पर मौजूद स्नानार्थियों को अलग रास्तों से रवाना कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया।

उल्लेखनीय है कि महाकुंभ में यूपी पुलिस जीतोड़ मेहनत कर रही है। हर संभव स्तर पर श्रद्धालुओं को मदद करने में लगी है। यूपी पुलिस का एक-एक जवान 10-12 घंटे खड़े होकर लोगों की हेल्प कर रहा है। लोगों का गुस्सा झेलते हैं, लेकिन तमाम एहतियात इसलिए बरते जा रहे हैं ताकि अप्रिय घटनाओं को रोका जा सके। रूट डायवर्जन इसी का हिस्सा है। प्रशासन का लगातार यही प्रयास रहा कि जो श्रद्धालु जिस तरफ से आएं, उसी तरफ के घाट पर स्नान करें। संगम पर सभी को स्नान नहीं कराया जा सकता, ये बात पब्लिक को भी समझनी होगी।

मौनी अमावस्या पर श्रद्धालुओं पर हुई पुष्पवर्षा

अमृत स्नान पर्व पर सभी घाटों और अखाड़ों पर हेलीकॉप्टर से हुई पुष्पवर्षा

महाकुंभ नगर, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

महाकुंभ 2025 के दूसरे अमृत स्नान पर्व मौनी अमावस्या पर बुधवार को संगम तट पर डुबकी लगाने पहुंचे अखाड़ों के साधु, संतों, नागाओं और श्रद्धालुओं पर योगी सरकार ने हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कराई। हेलीकॉप्टर से सभी घाटों और अखाड़ों पर स्नान के दौरान श्रद्धालुओं पर फूलों की बारिश की गई। गुलाब की पंखुड़ियों की बारिश देख संगम तट पर मौजूद श्रद्धालुओं ने भी जय श्री राम और हर हर महादेव के नारे लगाए। पुष्प वर्षा के लिए उद्यान विभाग ने 25 क्विंटल गुलाब की पंखुड़ियों की व्यवस्था की थी।

मौनी अमावस्या पर अयोध्या में दिखा आस्था का महासागर

72 घंटे में अयोध्या पहुंचे 50 लाख से भी अधिक श्रद्धालु

अयोध्या, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

मौनी अमावस्या पर अयोध्या में श्रद्धालुओ का सैलाब उमड़ पड़ा। मौन रहकर भोर में ही श्रद्धालुओं ने सरयू स्नान किया। इसके बाद श्रीराम के जयकारों से अयोध्या धाम गुंजायमान हो गया। देर शाम तक अयोध्या श्रद्धालुओं से पटी नजर आई। राम मंदिर और हनुमानगढ़ी के बाहर देर रात तक। श्रद्धालु कतारबद्ध दिखे। जानकारों का कहना है कि पिछले 72 घंटे में 50 लाख से भी अधिक श्रद्धालु राम नगरी पहुंच चुके हैं। आने वाली वसंत पंचमी तक श्रद्धालुओं के आने का क्रम जारी रहेगा।

प्रयागराज के महाकुंभ की भीड़ का रेला अब अयोध्या की तरफ बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहले से ही ऐसी संभावना जताते हुए अधिकारियों को निर्देशित कर दिया था, जिसके बाद सभी विभागों के प्रमुख

सचिवों ने जिले के अधिकारियों के साथ भीड़ प्रबंधन को लेकर तमाम बंदोबस्त कर लिए थे। नतीजा यह रहा कि बड़ी संख्या में पहुंच रहे श्रद्धालु दर्शन-पूजन करने के बाद लौट जा रहे हैं। सीएम योगी ग्राउंड जीरो से अयोध्या पर नजर बनाए हुए हैं।

मौनी अमावस्या पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सरयू के घाटों पर डुबकी लगाई। वहीं चौधरी चरण सिंह घाट पर स्नान करते दिखे श्रद्धालु। इसके बाद श्रद्धालुओं ने सीधे मन्दिरों का रुख किया। श्रद्धालु सबसे पहले हनुमानगढ़ी पहुंच रहे हैं। इसके बाद रामलला के दर्शन को पहुंच रहे हैं। हनुमानगढ़ी में दर्शन के लिए श्रृंगार हाट से लेकर मंदिर परिसर तक भारी भीड़ जमा है। यही हाल राम मंदिर का भी है। अयोध्या धाम में भीड़ बढ़ने के बाद व्यापार में जबरदस्त इजाफा हुआ है। लड्डू प्रसाद कारोबारियों से लेकर होटल कारोबारियों को मुनाफा भी हो रहा है। होम स्टे संचालकों को भी निकल पड़ी है।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सेहत का ख्याल रखने के लिए विशेष इंतजाम किये गए हैं। अयोध्या धाम में पहुंची भीड़ को देखते हुए मेला क्षेत्र में सभी तरह के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग भी मुस्तैद हो गया है। वसंत पंचमी तक के लिए सभी चिकित्सकों की छुट्टियां रद कर 24 घन्टे आकस्मिक सेवाओं को चालू रखने का निर्देश दिया गया है। सीएमओ डॉ. पुष्पेंद्र कुमार ने बताया कि 13 जगहों पर आस्थायी स्वास्थ्य शिविर का संचालन 26 फरवरी तक जारी रहेगा। वहीं आईजी प्रवीण कुमार ने बताया कि भीड़ को देखते हुए यातायात डायवर्ट किया गया है। हाईवे पर बड़े वाहनों को रोका गया है।

भारी भीड़ को देखते हुए अयोध्या धाम के आश्रय स्थलों में ठहरने वालों की संख्या बढ़ा दी गई है। नगर आयुक्त संतोष शर्मा ने बताया कि लगभग 30 हजार श्रद्धालुओं के ठहरने का इंतजाम किया गया है। एडीजी जोन लखनऊ एसबी शिरोडकर भी बुधवार को तैयारियों के मद्देनजर अयोध्या पहुंच गए। स्नान के दौरान पहुंच रहे श्रद्धालुओं की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वहीं अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर भी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उनके साथ डीआईजी दे-वीपाटन मंडल अमित पाठक भी मौजूद रहे। वहीं मंडलायुक्त गौरव दयाल व आईजी प्रवीण कुमार ने कंट्रोल रूम से प्रमुख स्थलों का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद जिले के अधिकारियों ने श्रद्धालुओं के लिए दिन रात एक कर दिया है। मण्डलायुक्त गौरव दयाल, आईजी प्रवीण कुमार, जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह, एसएसपी राजकरण नैयर व नगर आयुक्त संतोष शर्मा दिन के अलावा रात में भी मेला क्षेत्र का भ्रमण कर रहे हैं। रात 10 बजे के बाद से अधिकारी ढाई बजे तक सड़कों पर दिखाई पड़ते हैं। महाकुंभ में स्नान कर नेपाल की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की सबसे कम उम्र की सांसद विनीता कठायत परिवार के साथ राम लला का दर्शन करने पहुंचीं। उन्होंने पीएम मोदी व सीएम योगी को धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने बताया कि वह मुख्यमंत्री से मिलने के लिए लखनऊ भी जाएंगी। नेपाल और भारत के संबंधों के साथ-साथ नेपाल और उत्तर प्रदेश संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में बातचीत करेंगी। महाकुंभ में अच्छी व्यवस्थाओं को लेकर सीएम योगी को धन्यवाद दिया

सपा नेता के भाई के खेत में आलू के बीच फटने लगे बम

धमाके में लहूलुहान हो गए दो मासूम

मुरादाबाद, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

मुरादाबाद के पाकबड़ा के करनपुर गांव के पास मंगलवार की शाम को सपा नेता वाजिद हुसैन के भाई शाहीन के खेत में एक के बाद एक कई बम ब्लास्ट हुए। इस दौरान खेत में आलू बीन रहे दो बच्चे घायल हो गए। इस घटना से गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। फॉरेंसिक टीम और बम निरोधक दल भी मौके पर पहुंच गए और जांच पड़ताल की। पुलिस ने खेत में सर्च अभियान भी चलाया।

पाकबड़ा थाना क्षेत्र के करनपुर गांव निवासी सपा नेता एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख वाजिद हुसैन के छोटे भाई शाहीन हुसैन का खेत गांव के पास है। शाहीन ने खेत में इस बार आलू की फसल लगाई थी। आलू की फसल समाप्त होने के बाद खेत की जुताई कर दी थी। इसके बाद भी खेत में जगह-जगह आलू रह गए थे। उसको बीनने के लिए करनपुर निवासी विजय पाल सिंह कश्यप का 11 वर्षीय बेटा कुलदीप सिंह और

अमित जाटव का 9 वर्षीय बेटा रॉबिन गांव के अन्य बच्चों के साथ खेत में गए थे।

बच्चे आलू को इकट्ठे करने लगे। इसी दौरान अचानक बच्चों के हाथ में खेत में प्लास्टिक की थैली में छिपा कर रखा सामान मिल गया। बच्चों ने थैली उठा ली और उसे खोलकर देखने लगे। उन्होंने देखा कि थैली के अंदर बम हैं। बच्चों ने उसे फेंक दिया। इसी दौरान एक के बाद ब्लास्ट होने शुरू हो गए। ब्लास्ट की आवाज सुनकर आस पड़ोस के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। उन्होंने देखा कि कुलदीप और रॉबिन लहूल-हान हालत में पड़े हैं। घटना की जानकारी मिलने पर बच्चों के परिवारों में चीख पुकार मच गई और वह भी मौके पर पहुंच गए।

पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और फॉरेंसिक टीम के अलावा बम निरोधक दल को भी मौके पर बुला लिया। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि दो बच्चे घायल हुए हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बम खेत में कहां से आए, इसकी जांच पड़ताल की जा रही है।

खेत में बम ब्लास्ट की घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। गांव में चारों ओर पुलिस तैनात कर दी गई है। जिस खेत में ब्लास्ट हुआ है, उसके आसपास के खेतों में भी लोगों के आने जाने पर रोक लगा दी गई है। फोरेंसिक टीम और बम निरोधक दल ने शाहीन के खेत के अलावा आस पड़ोस के खेतों में भी सर्च ऑपरेशन चलाया है। संवाद

पूर्व ब्लॉक प्रमुख वाजिद हुसैन के भाई शाहीन ने इस खेत को संभल के आलू कारोबारियों को किराये पर दिया था। ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि संभल के लोगों के साथ इस पर पूर्व ब्लाक प्रमुख के भाई खेती करते हैं। इस मामले में सच क्या है, यह तो जांच के बाद ही पता चलेगा, लेकिन पुलिस खेत, बम और संभल कनेक्शन की जांच कर रही है।

कुंदरकी विधानसभा उपचुनाव के दौरान भी परिवार के खिलाफ खाद्य विभाग के अधिकारियों ने मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

संपादकीय

समान नागरिक संहिता लागू

भाजपा ही नहीं, भारतीय जनसंघ का भी एक बुनियादी, वैचारिक एजेंडा लागू हो गया। समान नागरिक संहिता को कानूनन उत्तराखंड राज्य ने लागू किया है। अभी भाजपा शासित 6-7 राज्य और हैं, जहां समान नागरिक संहिता की दिशा में लगातार प्रयास जारी है। वहां से भी जल्द ही अच्छी खबरें आ सकती हैं। केंद्र के स्तर पर कब होगा, फिलहाल यह निश्चित नहीं है। उत्तराखंड देश का सर्वप्रथम राज्य बन गया है। भाजपा के मातृ-दल जनसंघ ने अनुच्छेद 370 को समाप्त करने और तीन तलाक को कानूनन बनाने सरीखे मुद्दों को अपना वैचारिक एजेंडा तय किया था और उसी के आधार पर राजनीति की थी। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण भाजपा और विहिप का साझा एजेंडा था। आरएसएस बांग्लादेशी घुसपैठियों को देश के बाहर खदेड़ने का पक्षधर रहा है। देखा जाए तो ये संघ परिवार के ही वैचारिक मुद्दे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने उन मुद्दों को साकार कराया है, बेशक समान नागरिक संहिता पर वह राज्यवार चलना चाहते हैं। यह बचाव-मुद्रा इसलिए है, ताकि देश भर में सांप्रदायिक बवाल न मचे और दंगों की नौबत न आए। उत्तराखंड ने जो पहल की है, उसका भी त्वरित विरोध 'जमायत-ए-हिंद' ने किया है और समान संहिता को मुसलमानों के मजहबी हुकूक में दखलअंदाजी माना है। उन्होंने इस कानूनी व्यवस्था को सर्वोच्च अदालत में चुनौती देने का भी ऐलान किया है। वैसे समान नागरिक संहिता कोई 'संघी व्यवस्था' नहीं है। संविधान बनाने वाले हमारे पुरखों ने अनुच्छेद 44 में यह प्रावधान निहित किया था कि केंद्र अथवा राज्य सरकारें समान नागरिक संहिता लागू करने के प्रयास जरूर करें। देश की सर्वोच्च अदालत ने भी इसकी पक्षधरता कुछ अवसरों पर व्यक्त की है। तो यह बुनियादी निष्कर्ष तय है कि समान संहिता को लागू करना अवैध और असंवैधानिक नहीं है। यह भाजपा सरकार ने ही तय नहीं किया है, बल्कि सर्वोच्च अदालत की न्यायाधीश रह चुकीं जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई के नेतृत्व में 2.35 लाख लोगों से विमर्श किया गया। उस प्रक्रिया के बाद ही 740 पन्नों का मसविदा सामने आया। उसे विधानसभा में पारित किया गया, फिर राज्यपाल ने सहमति दी और 12 मार्च, 2024 को राष्ट्रपति ने अनुमोदित किया। विमर्श की गुंजाइश अब भी है। साफ है कि समान नागरिक संहिता के तहत सभी धर्मों के सभी लोगों को समान अधिकार देने की व्यवस्था की गई है। हमारा सवाल है कि अनुसूचित जनजातियों को भी इससे अलग क्यों रखा गया है? आदिवासी अब पूरी तरह कबीलाई नहीं हैं। वे भी सुशिक्षित हैं, सरकारी नौकरियां कर रहे हैं, आईएएस/आईपीएस अधिकारी भी हैं। नए दौर, नए युग की करवटें वे भी देख रहे हैं। उन आदिवासियों को इस कानून से अलग रखा जा सकता था, जो आज भी अनपढ़ हैं और जंगल की जिंदगी जी रहे हैं। बहरहाल समान नागरिक संहिता में विवाह, तलाक, बहुविवाह, बाल विवाह, बेटा-बेटी बराबर, गोद लेने की कानूनी व्यवस्था, विरासत, वसीयत और लिव-इन सरीखी तमाम व्यवस्थाएं समान रूप से लागू की जा सकती हैं। उत्तराखंड ने अपने कानून में 'हलाला' को 'अपराध' करार दिया है। धारा 63 और 51, महिला से क्रूरता या उत्पीड़न धारा 69 में अपराध है। हलाला पर 10 साल तक जेल की सजा का प्रावधान किया गया है। बहरहाल समान नागरिक संहिता देश भर में लागू क्यों न की जाए।

भाजपा शासित 6-7 राज्य और हैं, जहां समान नागरिक संहिता की दिशा में लगातार प्रयास जारी है। वहां से भी जल्द ही अच्छी खबरें आ सकती हैं। केंद्र के स्तर पर कब होगा, फिलहाल यह निश्चित नहीं है। उत्तराखंड देश का सर्वप्रथम राज्य बन गया है। भाजपा के मातृ-दल जनसंघ ने अनुच्छेद 370 को समाप्त करने और तीन तलाक को कानूनन बनाने सरीखे मुद्दों को अपना वैचारिक एजेंडा तय किया था और उसी के आधार पर राजनीति की थी। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण भाजपा और विहिप का साझा एजेंडा था। आरएसएस बांग्लादेशी घुसपैठियों को देश के बाहर खदेड़ने का पक्षधर रहा है। देखा जाए तो ये संघ परिवार के ही वैचारिक मुद्दे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने उन मुद्दों को साकार कराया है, बेशक समान नागरिक संहिता पर वह राज्यवार चलना चाहते हैं। यह बचाव-मुद्रा इसलिए है, ताकि देश भर में सांप्रदायिक बवाल न मचे और दंगों की नौबत न आए। उत्तराखंड ने जो पहल की है, उसका भी त्वरित विरोध 'जमायत-ए-हिंद' ने किया है और समान संहिता को मुसलमानों के मजहबी हुकूक में दखलअंदाजी माना है। उन्होंने इस कानूनी व्यवस्था को सर्वोच्च अदालत में चुनौती देने का भी ऐलान किया है। वैसे समान नागरिक संहिता कोई 'संघी व्यवस्था' नहीं है।

आचार संहिता के लागू होने के चलते केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्चों एवं अन्य खर्चों में भारी भरकम कमी दृष्टिगोचर हुई है

वित्तीय वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट से मिल सकती हैं कई सौगातें

प्रह्लाद सबनानी

प्रथम तिमाही (अप्रेल-जून 2024) में तो सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर गिरकर 5.2 प्रतिशत के निचले स्तर पर आ गई थी। इसी प्रकार द्वितीय तिमाही (जुलाई-सितम्बर 2024) में भी सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 5.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। इससे वित्तीय वर्ष 2024-25 में यह वृद्धि दर घटकर 6.6 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है, जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत की रही थी।

वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली छमाही (अप्रेल-सितम्बर 2024) में भारत की आर्थिक विकास दर कुछ कमजोर रही है। प्रथम तिमाही (अप्रेल-जून 2024) में तो सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर गिरकर 5.2 प्रतिशत के निचले स्तर पर आ गई थी। इसी प्रकार द्वितीय तिमाही (जुलाई-सितम्बर 2024) में भी सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 5.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। इससे वित्तीय वर्ष 2024-25 में यह वृद्धि दर घटकर 6.6 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है, जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत की रही थी। वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम छमाही में आर्थिक विकास दर के कम होने के कारणों में मुख्य रूप से देश में सम्पन्न हुए लोक सभा चुनाव है और आचार संहिता के लागू होने के चलते केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्चों एवं अन्य खर्चों में भारी भरकम कमी दृष्टिगोचर हुई है। साथ ही, देश में मानसून की स्थिति भी ठीक नहीं रही है।

केंद्र सरकार ने हालांकि मुद्रा स्फीति पर अंकुश लगाने में सफलता तो अर्जित कर ली है परंतु उच्च स्तर पर बनी रही मुद्रा स्फीति के कारण कुल मिलाकर आम नागरिकों, विशेष रूप से मध्यमवर्गीय परिवारों, की खर्च करने की क्षमता पर विपरीत प्रभात जरूर पड़ा है और कुछ मध्यमवर्गीय परिवारों के गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे परिवारों की श्रेणी में जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है। किसी भी देश में मध्यमवर्गीय परिवारों की जितनी अधिक संख्या रहती है, उस देश की आर्थिक विकास दर ऊंचे स्तर पर बनी रहती है क्योंकि मध्यमवर्गीय परिवार ही विभिन्न प्रकार के उत्पादों (दोपहिया वाहन, चारपहिया वाहन, फ्रिज, एयर कंडीशनर जैसे उत्पादों एवं नए फ्लेट्स एवं भवनों आदि) को खरीदने पर अपनी आय के अधिकतम भाग का उपयोग करता है। इससे आर्थिक चक्र में तीव्रता आती है और इन उत्पादों की बाजार में मांग के बढ़ने के चलते इनके उत्पादन को विभिन्न कम्पनियों द्वारा बढ़ाया जाता है, इससे इन कम्पनियों की आय एवं लाभप्रदता में वृद्धि होती है एवं देश में रोजगार के नए अवसर निर्मित होते हैं।

भारत में पिछले कुछ समय से मध्यमवर्गीय परिवारों की व्यय करने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है अतः दिनांक 1 फरवरी 2025 को केंद्र सरकार की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन से अब यह अपेक्षा की जा रही है कि वे वित्तीय वर्ष 2025-26 के केंद्र

सरकार के बजट में मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए विशेष रूप से आय कर में छूट की घोषणा करेंगी। देश के कई अर्थशास्त्रियों का तो यह भी कहना है कि न केवल आय कर में बल्कि कारपोरेट कर में भी कमी की घोषणा की जानी चाहिए। इनफोसिस के संस्थापक सदस्यों में शामिल श्री मोहनदास पई का तो कहना है कि 15 लाख से अधिक की आय पर लागू 30 प्रतिशत की आय कर की दर को अब 18 लाख से अधिक की आय पर लागू करना चाहिए। आय कर मुक्त आय की सीमा को वर्तमान में लागू 7.75 लाख रुपए की राशि से बढ़ाकर 10 लाख रुपए कर देना चाहिए। आयकर की धारा 80सी के अंतर्गत किए जाने निवेश की सीमा को भी 1.50 लाख रुपए की राशि से बढ़ाकर 2 लाख रुपए कर देना चाहिए। मकान निर्माण हेतु लिए गए ऋण पर अदा किए जाने वाले ब्याज पर प्रदान की जाने वाली आयकर छूट की सीमा को 2 लाख रुपए से बढ़ाकर 3 लाख रुपए किया जाना चाहिए।

फरवरी 2025 माह में ही भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मोनेटरी पोलिसी की घोषणा भी होने जा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक से अब यह अपेक्षा की जा रही है कि वे रेपो दर में कम से कम 25 अथवा 50 आधार बिंदुओं की कमी तो अवश्य करेंगे। क्योंकि, पिछले लगातार लगभग 24 माह तक रेपो दर में कोई भी परिवर्तन नहीं करने के चलते मध्यमवर्गीय परिवारों द्वारा मकान निर्माण एवं चार पहिया वाहन आदि खरीदने हेतु बैकों से लिए गए ऋण की किश्त की राशि का बोझ बहुत अधिक बढ़ गया है। बैकों से लिए गए इस प्रकार के ऋणों एवं माइक्रो फाइनैन्स की किश्तों की अदायगी में चूक की घटनाएं भी बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। अब मुद्रा स्फीति की दर खाद्य पदार्थों (फलों एवं सब्जियों आदि) के कुछ महंगे होने के चलते ही उच्च स्तर पर आ जाती है जबकि कोर मुद्रा स्फीति की दर तो अब नियंत्रण में आ चुकी है। खाद्य पदार्थों की मंहगाई को ब्याज दरों को उच्च स्तर पर बनाए रखकर कम नहीं किया जा सकता है। अतः भारतीय रिजर्व बैंक को अब इस ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में सम्पन्न हुए लोक सभा चुनाव के चलते देश में पूंजीगत खर्चों में कमी दिखाई दी है। इसीलिए अब लगातार यह मांग की जा रही है कि देश में वन नेशन वन इलेक्शन कानून को शीघ्र ही लागू किया जाना चाहिए क्योंकि बार बार देश में चुनाव होने से केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा आचार संहिता के लागू होने के चलते अपने बजटीय खर्चों को रोक दिया जाता है जिससे देश का आर्थिक विकास प्रभावित होता है। अतः वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए लोक सभा में पेश किए जाने वाले बजट में पूंजीगत खर्चों को बढ़ाने पर गम्भीरता दिखाई जाएगी। हालांकि वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट में 7.50 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चों का प्रावधान किया गया था, वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में 10 लाख करोड़ रुपए एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में 11.11 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चों का प्रावधान किया गया था। अब वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कम से कम 15 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चों का प्रावधान किये जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इससे देश में धीमी पड़ रही आर्थिक गतिविधियों को तेज करने में सहायता मिलेगी और रोजगार के करोड़ों नए अवसर भी निर्मित होंगे, जिसकी वर्तमान समय में देश को अत्यधिक आवश्यकता भी है।

विभिन्न राज्यों द्वारा चलायी जा रही फ्रीबीज की योजनाओं पर भी अब अंकुश लगाए जाने के प्रयास किए जाने चाहिए। इन योजनाओं से देश के आर्थिक विकास को लाभ कम और नुक्सान अधिक होता है। केरल, पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं दिल्ली की स्थिति हम सबके सामने है। इस प्रकार की योजनाओं को चलाने के कारण इन राज्यों के बजटीय घाटे की स्थिति दयनीय स्थिति में पहुंच गई है। पंजाब तो किसी समय पर देश के सबसे सम्पन्न राज्यों में शामिल हुआ करता था परंतु आज पंजाब में बजटीय घाटा भयावह स्थिति में पहुंच गया है। जिससे ये राज्य आज पूंजीगत खर्चों पर अधिक राशि व्यय नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि इन राज्यों की न तो आय बढ़ रही है और न ही बजटीय घाटे पर नियंत्रण स्थापित हो पा रहा है।

दृष्टि कोण

हिरासत में हत्या : मानवाधिकार का उल्लंघन

हाल ही में हिमाचल प्रदेश के बहुचर्चित गुडिया बलात्कार और हत्या मामले से जुड़े सूरज कस्टोडियल डेथ केस में चंडीगढ़ की सीबीआई अदालत ने हिमाचल पुलिस के आईजी जहूर जैदी समेत आठ पुलिस कर्मियों को उम्रकैद की सजा दी है। 2017 में कोटखाई में नाबालिग गुडिया के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या के बाद नेपाली नागरिक सूरज सिंह को हिरासत में लिया गया था। पुलिस कस्टडी में प्रताडऩा के कारण सूरज की मौत ने जनता के आक्रोश को और बढ़ा दिया। इस घटना में पुलिस पर आरोप था कि उन्होंने असली अपराधियों को बचाने के लिए निर्दोष सूरज को बलि का बकरा बनाया। सीबीआई जांच में यह पुष्टि हुई कि पुलिस कर्मियों ने सूरज के साथ बर्बरता की। अदालत का यह फैसला न केवल पुलिस तंत्र में व्याप्त अमानवीयता और लापरवाही को उजागर करता है, बल्कि यह मानवाधिकारों के उल्लंघन और कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है।

गुडिया बलात्कार और हत्या मामला : एक संक्षिप्त विवरण : 4 जुलाई 2017 को हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के कोटखाई क्षेत्र में एक 16 वर्षीय नाबालिग लडक़ी, जिसे 'गुडिया' नाम दिया गया, स्कूल से घर लौटते समय लापता हो गई। कुछ दिनों बाद उसका शव जंगल में मिला, जहां उसके साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या की पुष्टि हुई। इस घटना ने महिलाओं की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को लेकर पूरे राज्य में जनाक्रोश पैदा किया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कई संदिग्धों को हिरासत में लिया, जिनमें सूरज सिंह शामिल था। 18 जुलाई 2017 को पुलिस हिरासत में सूरज की मृत्यु हुई, जिसके बाद यह मामला सीबीआई को सौंपा गया। जांच और अदालत के फैसले ने पुलिस हिरासत में मानवाधिकारों की रक्षा की दिशा में गंभीर सुधारों की आवश्यकता को रेखांकित किया। भारत में पुलिस हिरासत में मौतें मानवाधिकारों के उल्लंघन का एक गंभीर मुद्दा हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अनुसार 1 अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2022 तक देशभर में 669 हिरासत मौतों के मामले दर्ज किए गए। इन मौतों के प्रमुख कारणों में बर्बर प्रताडऩा, लापरवाही और चिकित्सा सहायता की कमी शामिल हैं। अक्सर अपराध कबूल करवाने के लिए पुलिस द्वारा बल प्रयोग किया जाता है, जो कैदियों के जीवन के लिए खतरा बन जाता है। ऐसे मामलों की जांच और दोषियों को सजा देने में देरी न्याय प्रणाली पर जनता के विश्वास को कमजोर करती है।

पुलिस हिरासत में मृत्यु : एक गंभीर समस्या : भारत में हिरासत में मौतों को रोकने के लिए कई कानून और प्रावधान मौजूद हैं। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 120 (1) और 120 (2) के तहत हिरासत के दौरान प्रताडऩा को दंडनीय अपराध माना गया है। इसके अतिरिक्त भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 196 के अनुसार, पुलिस हिरासत में मृत्यु के मामलों में न्यायिक जांच अनिवार्य है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग भी ऐसे मामलों की निगरानी करता है। लेकिन इन प्रावधानों के बावजूद, जमीनी स्तर पर इनका क्रियान्वयन कमजोर है। पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए पुलिस अधिकारियों को संवेदनशीलता और मानवाधिकारों के प्रति जागरूक करना जरूरी है।

न्यायिक सक्रियता और सुधार : 1978 में 'सुनील बत्रा बनाम दिल्ली प्रशासन' मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जेलों में कैदियों के अधिकारों की सुरक्षा को लेकर ऐतिहासिक फैसला दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कैदियों को भी भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार प्राप्त हैं। यह निर्णय जेल सुधारों के लिए मील का पत्थर साबित हुआ। सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्देश दिया कि जेल प्रशासन कैदियों के साथ मानवीय व्यवहार करे और उन्हें उचित चिकित्सा सुविधा, भोजन और स्वच्छता उपलब्ध कराए। इस मामले के बाद, सरकार ने कैदियों के अधिकारों की रक्षा के लिए कई नीतियां बनाई। जेल मैनुअल में संशोधन किया गया और अंडरट्रायल कैदियों को बेल पर रिहा करने जैसे उपाय अपनाए गए। हालांकि, इन सुधारों के बावजूद, पुलिस हिरासत में होने वाली मौतें दर्शाती हैं कि सुधारों का क्रियान्वयन अभी भी प्रभावी नहीं है।

राज्य की जिम्मेदारी और सुधार की आवश्यकता : जेल और हिरासत में कैदियों की सुरक्षा राज्य की नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी है। सरकार को जेलों को पुनर्वास केंद्र के रूप में विकसित करना चाहिए, न कि अत्याचार और दुर्व्यवहार का केंद्र बनने देना चाहिए।

कुछ अलग

मेरी पुस्तक का लंचार्पण

अपने शहर के तमाम पुस्तकों के चाय समोसार्पण से बोर हो चुके साहित्यिक कम असाहित्यिक मित्रों को यह सृजनात्मक सूचना देते हुए मुझे दौरे पर दौरा पड़ रहा है कि अगले रविवार को होटल खिलाजा में मैंने अपने पहले काव्य संग्रह चटाक पटाक गटाक का लंचापर्ण रखा है। मित्रो! किताब के चाय समोसिया लोकार्पण में वह मजा नहीं होता जो किताब के धांसू लंचार्पण में होता है। बिना लंच के किसी किताब का लोकार्पण वैसे ही होता है जैसे बिना हलुआ पूड़ी के किसी का उठाला। तब उस उठाले से न उठते बनता है न वहां बैठते। तब वहां जैसे कैसे उठते हुए बैठे रहने तक मन से बस, एक यही बद्दुआ निकलती रहती है कि मरने वाले की आत्मा को तो भगवान शांति दे ही नहीं, पर उसके उठाले का इंतजाम करने वालों को भी भगवान उनके पास सब कुछ होने के बाद भी कतई शांति न दें। इसे उठाला कहते हैं क्या यारो? हद होती है मरने के बाद के खर्चों में कट लगाने की भी। जिंदा रहे तो दिल खोलकर ईएमआई पर ईएमआई देते अंधाधुंध खर्चे करते और जब मरे तो...एक ईएमआई अपने उठाले के लिए भी ले लेते तो क्या चला जाता तुम्हारा? उठाले में चावल कढ़ी? अरे भैया मरने वाले! तुम्हारा उठाला कौनसा रोज रोज होना था? फॉर्मैलिटी के लिए जब ऐसा ही गमगीन उठाला करना था तो अपने उठाले में लोग बुलाए ही क्यों थे? घर से ही श्रद्धांजलि दे देते। बंधुओ! किताब का सद्य प्रकाशन सृजनात्मक खारिश के सिवाय और कुछ भी नहीं। प्रकाशक की अनगिनत बदतमीजियां सहते बार बार इतने उसके खाते में पाने को कहते आखिर जब किताब छप ही जाती है तो वह सृजन की खारिश खत्म तो नहीं होती, पर काफी कम हो जाती है। उसके बाद ज्यों ही बीस तीस कविताएं लिखीं कि सृजनात्मक खारिश फिर होने लगी। सृजनात्मक खारिश का इलाज किसी भी अस्पताल के डॉक्टर के पास नहीं होता। न ही इसका कोई लोशन, गोलियां वैगरह आज तक ईजाद हो पाई हैं। विज्ञान ने कैंसर तक की दवाई खोज ली। विज्ञान ने दिमाग के कीड़ों की दवाई भी खोज ली। पर सृजन की खुजली की वह आज तक कोई खाने लगाने वाली दवाई नहीं खोज पाया। इसलिए इसका एकाधिकारिक इलाज अभी भी प्रकाशकों के पास ही मौजूद है कि कोई सृजन की खारिश वाला रोगी उन्हें फोन करे तो वे वहीं से उसकी सृजनात्मक खारिश का इलाज करने लग जाएं। तो किताब के लंचार्पण समारोह में मिलते हैं अगले रविवार ठीक ग्याह बजे से बजे। तब तक के लिए अपना ख्याल रखिएगा। मेरे सद्य प्रकाशित काव्य संग्रह के वैष्णवी लचार्पण का कार्यक्रम निम्न रहेगा- किताब के लंचार्पणियों का भव्य स्वागत ग्यारह बजे तक। किताब के लंचार्पणियों के लिए नॉन स्टाप जलपान ग्यारह बजे से एक बजे तक। सवा एक बजे किताब का आपकी जीभों द्वारा डाइनिंग हॉल में लोकार्पण। और वहीं पर किताब के लंचार्पण में पधारे विद्वत बंधुओं के किताब पर विचार। मुख्यातिथि- गर्मागर्म रसगुल्ले। सारस्वत अतिथि- मटर पनीर। विशेष अतिथि- दाल मक्खनी, राजमाश। अध्यक्षता- फ्राइड राइस, मिस्सी रोटी। प्रमुख वक्ता- आप सब। विशिष्ट अतिथि- रबड़ी जलेबी, रस मलाई। आशा ही नहीं, विश्वास है कि आप सब पुस्तक प्रेमियों का मेरे काव्य संग्रह के लंचार्पण पर मेरे काव्य संग्रह को आशातीत आशीर्वाद मिलेगा।

देश दुनिया से

कैसा हो बजट-2025

जल्द ही बजट 2025 पेश किया जाएगा। देश के लोगों में बजट घोषणाओं को लेकर उत्सुकता बनी हुई है। आम आदमी, व्यापार जगत, इंडस्ट्री और वृहत समाज को इससे बहुत उम्मीदें होती हैं। देश की आजादी के साथ 26 नवंबर, 1947 को भारत के पहले वित्त मंत्री आरके शानमुखम चेट्टी द्वारा शुरू किया गया यह सफर निर्बाध तरीके से निर्मला सीतारमण तक चला आ रहा है। यह केंद्रीय बजट एक अप्रैल से शुरू होकर अगले साल 31 मार्च को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए देश की वित्तीय योजना को तय करेगा। सरकार 2025 के बजट में नया आयकर विधेयक पेश करने की तैयारी कर रही है। इसका मतलब है कि देश के 64 साल पुराने आयकर कानून में बदलाव हो सकता है। नए विधेयक का लक्ष्य मौजूदा कर नियमों को सरल बनाना, उन्हें समझना आसान बनाना और दस्तावेजों के आकार को लगभग 60 फीसदी तक कम करना है। जहां तक देश की आर्थिक स्थिति का सवाल है तो मौजूदा वित्त वर्ष के लिए पहले अग्रिम अनुमान के मुताबिक, जीडीपी ग्रोथ 6.4 फीसदी पर आती दिख रही है। इसको और गति चाहिए। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में उत्पादन 5.3 फीसदी ही बढ़ेगा, जो पिछले वित्त वर्ष में 9.9 फीसदी बढ़ा था। सर्विसेज सेक्टर की ग्रोथ 5.8 फीसदी रहने का अनुमान है, जो सालभर पहले 6.4 फीसदी थी। फाइनैंशल, रियल एस्टेट और प्रोफेशनल सेगमेंट की ग्रोथ 8.4 फीसदी के मुकाबले 7.3 फीसदी रहने का अनुमान है। पहला सुझाव है कि बजट 2025 में सैलरी क्लास को राहत देने के लिए यूनियन बजट में स्टैंडर्ड कटौती बढ़ाने का ऐलान किया जाना बेहतर होगा। वर्ष 2024-25 के यूनियन बजट में वित्त मंत्री ने इनकम टैक्स की नई रिजीम में स्टैंडर्ड डिडक्शन बढ़ाने का ऐलान किया था।

लंबे समय से मिडिल क्लास इनकम टैक्स में छूट का दायरा बढऩे की उम्मीद कर रहा है। बजट 2025 में मिडिल क्लास की यह उम्मीद सरकार पूरी कर सकती है। सुझाव है कि इस बार किसान सम्मान निधि की रकम बढ़ा देनी चाहिए। बजट 2024 में इसका अनुमान लगाया गया था। 2019 में पहली बार पीएम किसान सम्मान निधि का ऐलान किया गया था। उसके बाद से इसकी रकम नहीं बढ़ाई गई है। फिलहाल इस स्कीम के तहत किसानों को हर साल 6000 रुपए मिलते हैं। सरकार 2000-2000 रुपए की तीन किस्तों में यह पैसा सीधे किसानों के अकाउंट में ट्रांसफर करती है। इससे किसान राहत महसूस करेंगे। काफी लोग आशा करते हैं कि सरकार को बजट 2025 में मिडिल क्लास के लिए टैक्स छूट बढ़ा देनी चाहिए। सरकार ने सबसे पहले 2022 में इनकम टैक्स की नई रिजीम का ऐलान किया था। उसके बाद से लगातार ऐसे फैसले लिए जा रहे हैं जिससे ज्यादा से ज्यादा टैक्सपेयर्स नए टैक्स रिजीम को चुनें। इसी तरह से सरकार ने कैपिटल गेंस टैक्स के नियमों में बजट 2024 में बदलाव किया था। इसे और आसान बनाए जाने की जरूरत है।

सुपर रिच यानी अधिक अमीर लोगों पर 2 फीसदी अतिरिक्त टैक्स लगाने का सुझाव दिया है। इस पैसे का इस्तेमाल सोशल सिक्योरिटी बेनेफिट्स शुरू करने के लिए किया जा सकता है। बेहतर हो कि प्रवासी मजदूरों के लिए एक अलग वेलफेयर बोर्ड बनाया जाए। साथ ही 'वन राशन वन नेशन' स्कीम के तहत कंस्ट्रक्शन से जुड़े मजदूरों का भी राशन कार्ड बनाने की मांग की गई है। देश में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाएं महंगी होती जा रही हैं। बजट 2025 में इसको लेकर राहत की उम्मीद है। देखें और जांचें तो भारत का स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र रोजगार और राजस्व के मामले में सबसे बड़े क्षेत्रों में से एक है। सरकार को स्वास्थ्य सेवाओं पर लगने वाले इनपुट जीएसटी को कम करना चाहिए। इसके साथ ही, बीमा कंपनियों की क्लेम प्रक्रिया में सुधार की आवश्यकता है। विदित हो कि सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं के बजट में वृद्धि और निजी क्षेत्र को सहयोग देने से लोगों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराया जा सकता है। खास तौर पर उन इलाकों में बुनियादी ढांचे को सुधारने की जरूरत है जहां स्वास्थ्य सेवाएं अभी तक पूरी तरह नहीं पहुंच पाई हैं।

बजट 2025 भारत की शिक्षा प्रणाली को सशक्त बनाने और इसे विश्व स्तरीय बनाने के लिए एक सुनहरा अवसर है। डिजिटल शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण और कौशल विकास पर जोर देकर सरकार युवाओं को एक मजबूत और कुशल कार्यबल में बदल सकती है। यह न केवल शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाएगा, बल्कि भारत की आर्थिक वृद्धि में भी योगदान देगा। 2025-26 के लिए पेश होने वाले सालाना आम बजट में देश के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों और जुड़े कर्मचारियों की भी उम्मीदें बंधी हैं। हालांकि, सरकार ने शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास के लिए पिछले सालों में लगातार बजट बढ़ाया है। 2024 में इस क्षेत्र को 1.48 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए, जिसमें से सबसे अधिक 73498 करोड़ रुपए स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग को दिए गए। इसके बावजूद, बजट में शिक्षा क्षेत्र को जीडीपी का केवल 4 फीसदी रकम ही आवंटित की जाती है, जबकि अमेरिका, कनाडा, जापान और जर्मनी जैसे विकसित देश 4.8 से 5.5 फीसदी तक खर्च करते हैं। इसमें वृद्धि वांछित है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में पिछले कुछ वर्षों में शिक्षा और उच्च शिक्षा के लिए बजट आवंटन में वृद्धि हुई है। हालांकि, उभरते हुए रोजगार क्षेत्र और डिजिटल युग की मांगों को पूरा करने के लिए आवंटन को और बढ़ाने की आवश्यकता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रावधान न केवल व्यक्तिगत स्तर पर, बल्कि देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि के लिए भी आवश्यक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के कार्यान्वयन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। बजट 2025 को एनईपी 2020 के लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा में 50 प्रतिशत सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) प्राप्त करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के लिए निवेश बढ़ाना जरूरी है।

आप का नजरिया

कोटखाई के कंकाल

वो मनहूस दिन तो गुजर गया, लेकिन कितने ही जनाजे छोड़ गया। एक सिहरन उस वक्त भी उठी थी जब कोटखाई के जंगल में हिमाचल की आंखों ने वहशीपन देखा। इस खबर के कई कंकाल उभरे और मातम के कई काल उभरे। रौंगटे खड़े कर देने की वारदात का हर सफा जालिम निकला और कानून व्यवस्था के पैगंबर अंजाम तक पहुंचते-पहुंचते मुजरिम निकले। एक पूरी पुलिस छानबीन की एसआईटी टीम को उम्रकैद, पुनः सिहरन पैदा करती है। इनमें अधिकारी, कुछ युवा पुलिस कर्मी और प्रोफेशन की महत्त्वाकांक्षा से ओतप्रोत विभागीय कसौटियां भी रही हैं। आश्चर्य यह कि एक ही मामले ने कई गुनाह समेट लिए और हिरासत की निगरानी में जांच का कातिल चेहरा, नेपाली मूल के सूरज के खून का दोषी करार हो गया। जिन्हें उम्रकैद हुई, उनकी पृष्ठभूमि में जोखिम उठाने का साहस, प्रतिस्पर्धा में आगे निकलने की क्षमता और महकमे के विश्वस्त कंधे बनने का हुनर रहा होगा, वरना एक मामले की पड़ताल में अति साहस यह दुराचार न करता। पूर्व आईजी जहूर हैदर जैदी व डीएसपी मनोज जोशी का करियर चमक रहा था, लेकिन अपनी ही सीमाओं के उल्लंघन में ये पुलिस अधिकारी पकड़े गए। मनोज जोशी तो तहसीलदार का पद छोडक़र पुलिस का पदक पाने की अभिलाषा में वर्दी में आया था, लेकिन अब उम्रकैद की खबर ने सब कुछ छीन लिया। कोटखाई प्रकरण हिमाचल के इतिहास में हमेशा जिंदा रहेगा। इसके अध्यायों में एक मासूम बेटी के आंसू, एक निर्दोष मजदूर की हिरासत में हुई मौत का मातम और कानून व्यवस्था पर लगे दाग हमेशा गूंजते रहेंगे। सजा के पात्र बने पुलिस कर्मी सिर्फ एक मुकाम पर फिसल गए। जल्दबाजी, अति उत्साह, सत्ता से गलबहियां, विपक्ष के सवाल और जनता का उबाल, उस वक्त की कमजोरी का जवाब ढूंढते आज जहां पहुंचा, वहां मीडिया का जिक्र होना चाहिए। उस वक्त अगर कोई संतुलित संवाद कर रहा था, तो वह मीडिया था, खास तौर पर महत्त्वपूर्ण अखबार जो न्याय के हर पक्ष के साथ खड़े थे, लेकिन कसौटियों की फेहरिस्त में यह वर्ग बुरी तरह 'टारगेट' में रहा। बेशक न्याय का सबसे मजबूत पक्ष चंडीगढ़ की सीबीआई अदालत में दिखा, लेकिन इस बीच हिमाचल की अदालतों में कई कठघरे सिर्फ कोटखाई रिपोर्टिंग के खिलाफ खड़े हुए। उस वक्त की सुर्खियां आरोपों से घिर गईं और जो लोग कोटखाई अपराध के छींटों से बच रहे थे, वे भी मीडिया में गुनाह खोज रहे थे। कम से कम तीन-चार बड़े अखबारों के पत्रकार और संपादक, कोटखाई की सुर्खियों के कारण अभी अदालती मामलों से जूझ रहे हैं। हमने यह उल्लेख इसलिए किया कि अब प्रोफेशन की संगत में मीडिया की हैसियत को कोई भी कानूनी प्रक्रिया में उलझा सकता है। यह हिमाचल मीडिया के लिए भी एक ऐसी सूचना है, जहां कानून-व्यवस्था में उसकी भूमिका अंततः सफल हुई। तब अगर मीडिया अपना शिविर कोटखाई में न लगाता, अपनी संवेदना की पहचान न कराता, राजनीतिक माहौल में सत्ता के दबाव से दूर रहता, न तो सुर्खियां आज सबूत न बनतीं। कहना न होगा कि हिमाचल की पत्रकारिता को ऐसे फैसलों से हिम्मत मिलेगी, क्योंकि मीडिया को डराने-धमकाने या उसके ऊपर प्रभाव जमाने की ऐसी परिणति से मीडिया संस्कारों का उदय हो सकता है, लेकिन इससे मिले सबक भी सीखने होंगे।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बड़े पुत्र नमल के खिलाफ सरकार ने हाई कोर्ट में अभियोग प्रस्तुत किया

कृष होटल परियोजना में हुए सात करोड़ रुपये के भारतीय निवेश के दुरुपयोग का आरोप

कोलंबो, 29 जनवरी (एजेंसियां)। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बड़े पुत्र 38 वर्षीय नमल राजपक्षे के खिलाफ भारतीय निवेश से हेराफेरी के आरोप में सरकार ने कोलंबो हाई कोर्ट में अभियोग प्रस्तुत किया है। श्रीलंका के अटॉर्नी जनरल के अनुसार यह पूरा खेल रग्बी खेल को विकसित करने के नाम पर हुआ। इसमें कृष होटल परियोजना में हुए सात करोड़ रुपये के भारतीय निवेश का दुरुपयोग किया गया। श्रीलंका के उपाली मीडिया समूह के सिंहली भाषा के समाचार पत्र दिवैना के अनुसार अटॉर्नी जनरल ने 12 साल पहले हुए इस आर्थिक अपराध के दुरुपयोग के आरोप में संसद सदस्य नमल राजपक्षे के खिलाफ कोलंबो हाई कोर्ट में अभियोग प्रस्तुत किया है। इस अभियोग में अटॉर्नी जनरल की ओर से डिप्टी सॉलिसिटर जनरल वासंथा परेरा के हस्ताक्षर हैं। पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने इससे पहले 2016 में फोर्ट मजिस्ट्रेट कोर्ट के समक्ष एक मामला दायर किया था। इस मामले में नमल राजपक्षे को संदिग्ध के रूप में नामित किया था। इसी मामले में जून, 2016 में नमल राजपक्षे की गिरफ्तारी भी हुई थी। नमल राजपक्षे श्रीलंका के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रह चुके हैं। कोलंबो वाणिज्यिक जिले के मध्य स्थित कृष होटल परियोजना को निरस्त किया जा चुका है, लेकिन निर्माण कार्य अब भी जारी है। हाल ही में एक अदालत में राहगीरों के लिए खतरे के कारण इस परियोजना की असुरक्षित स्थिति पर सवाल उठाया गया था। इसके बाद अनुरा कुमारा दिसानायके के नेतृत्व वाली नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) सरकार ने कृष परियोजना मामले की दोबारा जांच कराने का आदेश दिया। पुलिस ने नमल राजपक्षे से पूछताछ भी की।

न्यूज ब्रीफ

भयानक ठंड : इस देश में शून्य से 44.4 डिग्री सेल्सियस नीचे गया तापमान

उलान बाटोर। पश्चिमी मंगोलिया के जावखान प्रांत के प्रशासनिक उपखंड ओटगोन सोम में शनिवार से रविवार की रात के दौरान तापमान शून्य से 44.4 डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया। देश की राष्ट्रीय मौसम विज्ञान और पर्यावरण निगरानी एजेंसी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

मौसम निगरानी एजेंसी ने एक बयान में कहा कि इस शीत ऋतु में मंगोलिया में यह अब तक का सबसे ठंडा तापमान है।एजेंसी ने पूर्वानुमान लगाया है कि मंगोलिया के अधिकांश हिस्सों में सर्दियों के दौरान दीर्घकालिक औसत से अधिक ठंड पड़ेगी।समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, वीकेंड में देश के मौसम अधिकारियों ने लोगों को आने वाले दिनों में अत्यधिक ठंड के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी थी।चेतावनी में कहा गया कि शनिवार से रूस के साइबेरिया से आने वाली ठंडी हवा मंगोलिया के बड़े हिस्से में फैल जाएगी, जिससे रात का तापमान शून्य से 40 डिग्री सेल्सियस नीचे जा सकता है।एजेंसी ने कहा, पिछले वर्ष हमारे देश में सबसे कम तापमान 23 जनवरी को पश्चिमी प्रांत जावखान में शून्य से 48.8 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया था।

दक्षिण कोरिया में एयर बसान के विमान में लगी आग, सभी यात्रियों को बचाया

गिम्हे। दक्षिण कोरिया के गिम्हे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एयर बसान का एक विमान आग की चपेट में आ गया। जब विमान हांगकांग उड़ान के लिए तैयार था, उसी समय उसमें आग लग गई। आग लगने के बाद विमान में सवार सभी 169 यात्री और सात क्रू मेंबर सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। हादसे में एक व्यक्ति को मामूली चोट आई और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आग विमान के अंदर से शुरू हुई। आग विमान की टेल में लगी थी। एयरबस ने इस घटना की रिपोर्ट की जानकारी होने की बात कही है और वह एयर बसान के साथ संपर्क में है। घटना की सही वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है और जांच जारी है। पिछले महीने ही दक्षिण कोरिया में एक भयावह विमान हादसा हुआ था। 29 दिसंबर को जेजू एयर के बोइंग 737-800 विमान की लैंडिंग गियर में खराबी की वजह से मुआन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन स्थिति में विमान की लैंडिंग हुई थी। उसके बाद विमान रनवे से फिसल कर एक दीवार से टकराया था और उसमें आग लग गई थी। इस दुर्घटना में 181 लोगों में से 179 की मौत हो गई थी। इस दुर्घटना की एक जांच रिपोर्ट में बताया गया कि विमान के इंजन में पक्षी के पंख मिले थे।

लीबिया अधिकारी को रिहा करने का मामला : इटली पीएम के खिलाफ हो रही जांच

रोम। इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी के खिलाफ जांच शुरू की हो गई है। मेलोनी पर आरोप है कि

उन्होंने लीबिया के एक पुलिस अधिकारी को रिहा किया है, जिसे आईसीसी के अरेस्ट वारंट के बाद गिरफ्तार किया गया था। मेलोनी पर इस्तीफा देने का दबाव नहीं है। बता दें इटली में जांच का सामना करना दोषी होने का प्रमाण नहीं है और यह भी नहीं कि कोई औपचारिक चार्ज इसके पीछे लगेगा। दावा किया जा रहा है कि ओसामा अलमासरी नजीम नाम के लीबियाई पुलिस अधिकारी को रिहा किया गया है, जिस पर मानवता के खिलाफ अपराध करने का आरोप है। इस मामले में इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) ने उसके खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया था। इसके बाद उसे हिरासत में लिया था, लेकिन कुछ समय बाद ही इटली पीएम ने उन्हें रिहा करवा दिया। अब आईसीसी ने इटली पीएम मेलोनी से स्पष्टीकरण मांगा है कि उन्होंने लिबियाई पुलिस अधिकारी को रिहा क्यों किया। आईसीसी ने साथ ही कहा कि रिहाई को लेकर कोर्ट से किसी तरह का विचार-विमर्श नहीं किया गया था। मेलोनी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कहा कि उन्हें ब्लैकमेल नहीं किया जा सकता है। मेलोनी ने अपने फेसबुक प्रोफाइल पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि उन्हें ब्लैकमेल नहीं किया जा सकता। मैं घबराउंगी नहीं.. इसलिए मैं कहती हूं कि मुझे वह लोग पसंद नहीं करते जो नहीं चाहते हैं कि इटली बदले और बेहतर बने। बता दें सिर्फ पीएम ही नहीं बल्कि उनकी कैबिनेट के टॉप मंत्रियों के खिलाफ भी जांच के आदेश दिए गए हैं।

खालिस्तानी चरमपंथी बीज, कनाडा ही नहीं बल्कि ब्रिटेन में भी ऊगने लगे

लंदन, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

खालिस्तान चरमपंथ का बीज केवल कनाडा ही नहीं बल्कि ब्रिटेन जैसे देश में भी उगने लगे है। यह बीमारी आज से नहीं, कई दशकों से चली आ रही है। इन देशों की सरकारें अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर भारत को तोड़ने की खतरनाक विचारधारा को मौन रहते हुए खूब समर्थन कर रही हैं। ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर से खालिस्तानी तो संभल नहीं रहा। इसी बीच ब्रिटेन के गृह मंत्रालय की एक ताजा रिपोर्ट सामने आई है। इस लीक हुई रिपोर्ट में यह दावा किया जा रहा है कि ब्रिटेन को खालिस्तानी ही नहीं बल्कि हिन्दू राष्ट्रवादियों से भी बड़ा खतरा है। ब्रिटेन के होम ऑफिस की यह रिपोर्ट अभी तक ब्रिटिश सरकार की नीति का हिस्सा नहीं है। थिंकटैंक पॉलिसी एक्सचेंज के लीक हुए दस्तावेज़ में कुल 9 नए प्रकार के चरमपंथ के प्रति सतर्क किया गया है। कहा गया कि आने वाले वक्त में इन विचारधाराओं से ब्रिटेन को निपटना होगा। इसमें हिन्दू राष्ट्रवाद को भी शामिल किया गया है। इन 9 प्रकार के चरमपंथ की सूची में इस्लामवादी, महिलाओं के प्रति द्वेष, खालिस्तान समर्थक चरमपंथ, पर्यावरण चरमपंथ, वामपंथी, अराजकतावादियों को शामिल किया गया है। यह दस्तावेज गृह सचिव यवेट कूपर द्वारा पिछले साल गर्मियों में हुए दंगों के बाद चरमपंथ पर यूके सरकार की नीति निर्धारित करने के लिए कमीशन किए गए विश्लेषणात्मक स्प्रिंट का हिस्सा था। ब्रिटेन की इस रिपोर्ट में दो ऐसे चरमपंथ हैं जिनकी शुरुआत भारत से हुई है। पहला खालिस्तानी और दूसरा हिन्दू राष्ट्रवाद। कहा गया कि सितंबर 2022 में ब्रिटेन के लीसेस्टर में हिंदुओं और मुसलमानों के बीच हुई हिंसा को देखते हुए यह फैसला लिया गया। गृह कार्यालय के प्रवक्ता ने कहा कि उग्रवाद विरोधी स्प्रिंट रिपोर्ट ने हमारे देश के सामने चुनौती का व्यापक रूप से आकलन करने और चरमपंथ से निपटने के लिए एक नए दृष्टिकोण की नींव रखी। निष्कर्षों पर मंत्रियों द्वारा औपचारिक रूप से सहमति नहीं दी गई है और हम उस कार्य से उत्पन्न होने वाले संभावित अगले कदमों की एक विस्तृत श्रृंखला पर विचार कर रहे हैं। हिन्दुओं को दुनिया में सबसे शांत और सोहार्दपूर्ण समाज के रूप में देखा जाता है। ब्रिटेन सरकार ने हिन्दू राष्ट्रवाद को आतंकियों के साथ एक सूची में खड़ाकर बेवजह बखेड़ा खड़ा कर दिया है। हिन्दू एक ऐसा समाज है जो दुनिया भर में अपनी काबिलियत और शिक्षा के दम पर झंडा गाढ़े हुए हैं। हिन्दुओं पर कभी किसी आतंकी घटना में शामिल होने के आरोप नहीं लगे हैं।

दुनिया का सबसे बड़ा डैम अधर में, चीन ने खींचे कदम

बीजिंग। चीन की सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी थ्री गॉर्जेस कॉर्पोरेशन ने डैमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआर कांगो) में ग्रैंड इंगा डैम निर्माण परियोजना से खुद को अलग कर लिया है। बता दें कि ग्रैंड इंगा डैम का निर्माण कांगो नदी पर प्रस्तावित है और इसे विश्व के सबसे बड़े जलविद्युत संयंत्र के रूप में विकसित किया जा रहा था। इस परियोजना से अनुमानित 40,000 मेगावॉट बिजली उत्पादन की क्षमता की उम्मीद थी, जो कि पूरे अफ्रीका को ऊर्जा आपूर्ति कर सकती है। हालांकि, पिछले कुछ दशकों में इस परियोजना में लगातार देरी हो रही है और निर्माण कार्य कभी शुरू नहीं हुआ। यह परियोजना दुनिया का सबसे बड़ा जलविद्युत संयंत्र बनने का दावा करती है, जो अफ्रीका के ऊर्जा संकट को हल करने में मदद कर सकती है। चीन का यह कदम परियोजना की प्रगति को एक बड़ा झटका दे सकता है। थ्री गॉर्जेस कॉर्पोरेशन ने अपनी भागीदारी से पीछे हटने का फैसला किया। हालांकि इस फैसले के पीछे के कारणों को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। विशेषज्ञों का मानना है कि परियोजना की लागत, सरकारी शासकीय अस्थिरता और पर्यावरण को लेकर हो रही चिंताएं इस निर्णय के मुख्य कारण हो सकते हैं। साथ ही चीन की अन्य परियोजनाओं और निवेशों के लिए प्राथमिकता बदलने का भी प्रभाव हो सकता है। चीन की कंपनी का इस परियोजना से बाहर निकलना एक बड़े संकेत के रूप में देखा जा रहा है कि परियोजना का भविष्य अब और भी अनिश्चित हो सकता है। कांगो सरकार और अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों के बीच यह परियोजना एक प्रमुख विवाद का कारण बन सकती है, खासकर जब परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 80 बिलियन डॉलर है।

रेलवे स्टेशन की छत गिरी, 15 की मौत, घटना के बाद विरोध के चलते पीएम ने दिया इस्तीफा

बेलग्रेड, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

सर्बिया के लोकप्रिय प्रधानमंत्री मिलोस वुसेविक ने मंगलवार को इस्तीफा दे दिया। इसकी वजह ये है कि एक रेलवे स्टेशन पर कंक्रीट की छत गिरने से हुई 15 लोगों की मौत के बाद विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे। यह कदम उन्होंने राजनीतिक तनाव को कम करने और हफ्तों से चल रहे बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शनों के दबाव को शांत करने के लिए उठाया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नवंबर में नोवी सैड शहर के एक रेलवे स्टेशन पर छत गिरने की घटना ने सर्बिया के लोकप्रिय राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुचिच के बढ़ते तानाशाही शासन के खिलाफ व्यापक असंतोष को उजागर किया है। वुचिच पर सर्बिया में लोकतांत्रिक स्वतंत्रताओं को सीमित करने के आरोप लगे हैं, जबकि वे औपचारिक रूप से यूरोपीय संघ की सदस्यता की मांग कर रहे हैं।

वुसेविक ने अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह मेरा अनुरोध है कि सभी लोग अपनी भावनाओं को शांत करें और संवाद पर लौटें। नोवी सैड के मेयर मिलान जुरिक ने भी मंगलवार को इस्तीफा दे दिया। वुसेविक का इस्तीफा जल्दी संसदीय चुनाव की संभावना को जन्म दे सकता है।

इस्तीफे की पुष्टि सर्बिया की संसद द्वारा की जानी चाहिए, जिसके पास नई सरकार चुनने या त्वरित चुनाव कराने के लिए 30 दिन का समय है। विपक्षी दलों ने कहा है कि वे एक अंतरिम सरकार पर जोर देंगे जो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की स्थिति बनाएगी।

वुचिच के लोकप्रिय दलों पर पिछले चुनावों के दौरान अनियमितताओं के आरोप लगे हैं। नोवी सैड का मुख्य रेलवे स्टेशन हाल के वर्षों में चीनी राज्य कंपनियों के साथ एक व्यापक बुनियादी ढांचा सौदे के हिस्से के रूप में दो बार पुनर्निर्मित किया गया था। सर्बिया के अभियोजकों ने 13 लोगों के खिलाफ आरोप लगाए हैं, जिनमें एक सरकारी मंत्री और कई राज्य अधिकारी शामिल हैं।

विरोध प्रदर्शन

सर्बिया में विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों के समर्थन में ट्रैक्टर लेकर पहुंचे किसान। ये लोग अपने साथियों की पिटाई से नाराज थे।

अमेरिका ने निर्वासित किए जाने वाले 14 लाख लोगों से अधिक का आंकड़ा किया सार्वजनिक

काठमांडू, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिकी सरकार ने वहां रह रहे अवैध प्रवासियों की एक सूची प्रकाशित की है जिनको जल्द ही डिपोर्ट किया जाना है। इस नई सूची में अफ्रीकी देशों के नागरिकों की संख्या सर्वाधिक है जबकि चीन और भारत के नागरिकों की संख्या भी हजारों में है।

अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी की तरफ से बुधवार को डिपोर्ट किए जाने वाले विदेशी नागरिकों की एक सूची प्रकाशित की गयी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अवैध विदेशी नागरिकों को वापस भेजने की नीति के तहत अमेरिकी प्रशासन ने इस सूची को सार्वजनिक किया है।

होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के मुताबिक अब तक विभिन्न देशों से कुल 14,45,549 प्रवासियों को अमेरिका से निर्वासित किए जाने की तैयारी है। इस सूची के मुताबिक सबसे अधिक संख्या होंडुरास, ग्वाटेमाला, मेक्सिको और अल सल्वाडोर के नागरिकों की है जो अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश कर वहां रह रहे हैं। इनमें होंडुरास के 2,61,651, ग्वाटेमाला के 2,53,413, मेक्सिको के 2,52,044 और अल सल्वाडोर के 203,822 नागरिक हैं। इसके अतिरिक्त 37,908 चीनी नागरिक और 17,940 भारतीय नागरिकों का भी निर्वासन किए जाने की जानकारी दी गई है। इसमें 1,365 नेपाली नागरिक भी निर्वासन सूची में हैं।

ट्रंप सरकार: अमेरिका के पास भारत की तुलना में आधा हुआ विदेशी मुद्रा भंडार

वॉशिंगटन, 29 जनवरी (एजेंसियां)। आम धारणा है कि जिस देश के पास जितना अधिक विदेशी मुद्रा भंडार होगा उसकी आर्थिक सेहत उतनी ही अच्छी होगी। वह दुनिया में आर्थिक महाशक्ति कहलाएगा। इसमें काफी हद तक सच्चाई भी है। इस वक्त दुनिया में चीन एक बड़ी आर्थिक महाशक्ति है। वह अपने इशारों पर दुनिया को घुमाने की ताकत रखता है। उसके पास इस वक्त कुल 3.2 ट्रिलियन डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है। यह राशि भारत की इकोनॉमी के बराबर है। भारत की अर्थव्यवस्था करीब 3.5 ट्रिलियन डॉलर की है और इसे मोदी सरकार पांच ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। इधर, 17 जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के पास कुल विदेशी मुद्रा भंडार 623.9 अरब डॉलर रिकॉर्ड किया गया। इस हिसाब से देखें तो चीन के पास हमारी तुलना में पांच गुना से भी अधिक विदेशी मुद्रा भंडार है।

इस सूची में चीन के बाद दूसरे नंबर पर जापान है। इसके पास करीब 1.2 ट्रिलियन डॉलर का विदेश मुद्रा भंडार है। यानी भारत की तुलना में करीब-करीब दोगुना। तीसरे नंबर पर स्विटजरलैंड है। इसके पास करीब 950 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है। इस सूची में चौथे नंबर पर अपना देश है। मजेदार बात यह है कि जिस अमेरिकी डॉलर के लिए पूरी दुनिया मरती है उसी अमेरिका के पास केवल 250 अरब डॉलर के करीब विदेशी मुद्रा भंडार है। यह बड़ा ही गड़बड़ स्थिति है। इस सवाल पर आने से पहले हमें यह देखना होगा कि आखिर किसी देश के विदेशी मुद्रा भंडार की जरूरत क्यों है। दरअसल, हम सभी को पता है कि खरीद-बिक्री के लिए पैसों की जरूरत होती है। लेकिन, हमारा पैसा केवल हमारे देश में चलेगा। ऐसे में एक से अधिक देशों के बीच कारोबार के लिए एक ऐसी मुद्रा की जरूरत होती है जो दोनों को स्वीकार्य हो। ऐसी स्थिति में दुनिया के तमाम देश सबसे ताकतवर इकोनॉमी वाले देश की मुद्रा में लेनदेन करते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि उस मुद्रा के डूबने की संभावना सबसे कम होती है। यही कारण है कि दुनिया सबसे अधिक अमेरिकी डॉलर को स्वीकार करती है। इसके साथ यूरोपीय संघ की मुद्रा यूरो, पाउंड और सोने की भी खूब डिमांड रहती है।

हिल गया अमेरिका : चीनी स्टार्टअप डीपसीक को ट्रंप ने बताया बड़ा खतरा

वाशिंगटन। डीपसीक एक चीनी टेक स्टार्टअप है जिसकी स्थापना लिआंग वेनफेंग ने की है। इसने पिछले एक साल में कई प्रतिस्पर्धी एआई मॉडल विकसित किए हैं। इसका मुख्यालय हांग्जो में है। डीपसीक का वर्जन 3 केवल 5.6 मिलियन डॉलर में डेवलप किया गया। इसका वी3 मॉडल कंपनी को सुर्खियों में ले आया। यहां तक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कम लागत वाले चीनी एआई टूल डीपसीक को अमेरिका के लिए चेतावनी बताया है। इसने सोमवार को वॉल स्ट्रीट पर तकनीकी शेयरों को बड़ा झटका दिया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने रिपब्लिकन कांग्रेस के एक कार्यक्रम में कहा, उम्मीद है कि एक चीनी कंपनी से डीपसीक एआई का आना हमारी इंडस्ट्री के लिए एक चेतावनी होगी कि हमें जीतने के लिए प्रतिस्पर्धा पर ध्यान देने की जरुरत है। हालांकि, ट्रंप ने सुझाव दिया कि सिलिकॉन वैली को लगे इस झटके का सरकारात्मक असर भी हो सकता है, क्योंकि इससे सस्ते इनोवेशन को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, मीडिया रिपोट्स के मुताबिक चीनी सरकार और उसके नेतृत्व से जुड़े संवेदनशील विषयों पर मॉडल के कंटेंट प्रतिबंधों ने वैश्विक बाजार में प्रभावी रूप से प्रतिस्पर्धा करने की इसकी क्षमता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके अलावा, आर1 मॉडल को आधिकारिक तौर पर पिछले सप्ताह लॉन्च किया गया था। इसकी उल्लेखनीय रूप से कम ऑपरेशनल कोस्ट के खुलासे के बाद इसने काफी ध्यान आकर्षित किया। डीपीसीक ने अग्रणी अमेरिकी एआई कंपनियों को टक्कर देने की क्षमता का प्रदर्शन किया है। आर1 मॉडल को अमेरिका द्वारा विकसित मॉडल, जैसे कि ओपनएआई के चैटजीपीटी, को टक्कर का माना जा रहा है। मंगलवार को अमेरिका में डीपसीक के कारण शेयर बाजार में आई गिरावट एशिया में भी फैल गई। जापान के निक्केई शेयर औसत में 1.3 प्रतिशत की गिरावट आई।

टाटा स्टील शतरंज : राउंड 9 में गुकेश ने मेंडोंका को हराकर बढ़त बनाई

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

नीदरलैंड के विज्क आन ज़ी में चल रहे टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट के नौवें दौर में भारतीय ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश ने हमवतन लियोन ल्यूक मेंडोंका को मात देकर एकमात्र लीडर के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

गुकेश, जो हाल ही में सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बने हैं, ने 43 चालों में अपनी चौथी जीत दर्ज की।

इस जीत के साथ, वे 10वें दौर में प्रवेश करने वाले एकमात्र लीडर बने, जिनके पास संभावित नौ में से 6.5 अंक हैं। दूसरी ओर, आर. प्रज्ञानानंद, जो नौवें राउंड में लीडर के रूप में आए थे, स्थानीय दिग्गज अनीश गिरी से हार गए। उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसेव अब प्रज्ञानानंद से आगे निकल गए, जिससे वे चौथे स्थान पर पहुंच गए।

आने वाले मुकाबले और खिलाड़ियों की स्थिति

गुकेश के आगामी चार मुकाबलों में दो डच खिलाड़ी, मैक्स वार्मरडैम (2646 रेटिंग) और जॉर्डन वैन फॉरेस्ट (2680) शामिल हैं। इसके अलावा, उन्हें गत विजेता चीन के वेई यी (2751) से भी चुनौती मिलेगी।

मेंडोंका के लिए टूर्नामेंट कठिन साबित हो रहा है, क्योंकि उन्होंने अभी तक कोई जीत दर्ज नहीं की है।

अगले मुकाबले वैन फॉरेस्ट और अब्दुसत्तोरोव के खिलाफ

उनके खाते में पांच ड्रॉ और चार हार हैं। साथी भारतीय अर्जुन एरिगैसी, जो 2801 की एलो रेटिंग के साथ इस टूर्नामेंट में प्रमुख दावेदारों में से एक थे, का भी अब तक निराशाजनक प्रदर्शन रहा है। उनके अगले मुकाबले वैन फॉरेस्ट और अब्दुसत्तोरोव के खिलाफ होंगे, जबकि टूर्नामेंट का समापन गुकेश के खिलाफ एक अहम अखिल भारतीय मुकाबले के रूप में होगा।

चैलेंजर्स सेक्शन में भारतीय प्रदर्शन

चैलेंजर्स सेक्शन में, आर. वैशाली और दिव्या देशमुख ने नौवें राउंड में ड्रॉ खेला। वैशाली अब स्टैंडिंग में आठवें स्थान पर हैं, जबकि दिव्या एक जीत और दो ड्रॉ के साथ नीचे से दूसरे स्थान पर बनी हुई हैं। वैशाली छह अंकों के साथ 14 प्रतियोगियों में आठवें स्थान पर बनी हुई हैं।

गुकेश की शानदार लय और भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर अब सभी की नजरें टिकी हैं, क्योंकि टूर्नामेंट के अंतिम राउंड बेहद महत्वपूर्ण साबित होने वाले हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

अंतरराष्ट्रीय टेनिस प्रतियोगिता में उपविजेता रहे मुरादाबाद के यशपाल अरोड़ा

मुरादाबाद। मुरादाबाद निवासी टेनिस खिलाड़ी यशपाल अरोड़ा ने अंतरराष्ट्रीय टेनिस प्रतियोगिता की डबल्स श्रेणी में उपविजेता का खिताब हासिल किया। 18 जनवरी से 28 जनवरी हरियाणा के झज्जर जिले में (एमटी-400) टेनिस टूर्नामेंट-2025 का आयोजन हुआ था। मुरादाबाद लौटे टेनिस खिलाड़ी यशपाल अरोड़ा ने बुधवार को बताया कि अंतरराष्ट्रीय टेनिस प्रतियोगिता में उन्होंने 60 प्लस से अधिक आयु वर्ग में सिंगल एवं डबल्स श्रेणी में भाग लिया। सिंगल्स में चंडीगढ के एसएन वशिष्ठ खिलाड़ी को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल में उन्हें नंबर एक खिलाड़ी चंद्र भूषण से शानदार मुकाबले में 1-6 और 4-6 के स्कोर से हार का सामना करना पड़ा। वहीं डबल्स में उन्होंने लकपा शेरपा (दार्जलिंग) के साथ जोड़ी बनाई। क्वार्टर फाइनल में शंकर देव मिश्रा और शिबू मैथ्यूज की जोड़ी को 6- 3 और 6-2 के स्कोर से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल मैच जीतने के बाद यह जोड़ी फाइनल में पहुंची। फाइनल में मुकाबला शरद टाक एवं अरुण की जोड़ी से हुआ और 3-6 और 3-6 के स्कोर से यशपाल व शेरपा को हार मिली। उन्हें उपविजेता ट्रॉफी से संतोष करना पड़ा। यशपाल ने बताया कि अगला टूर्नामेंट 29 जनवरी से मुंबई में आयोजित हो रहा है। इसमें भी वह प्रतिभाग करेंगे।

स्टीव स्मिथ ने पूरे किए 10,000 टेस्ट रन, यह उपलब्धि हासिल करने वाले चौथे ऑस्ट्रेलियाई बने

गाले। ऑस्ट्रेलिया के कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ टेस्ट क्रिकेट में 10,000 रन पूरे करने वाले चौथे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि श्रीलंका के खिलाफ गाले इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के पहले दिन बुधवार को हासिल की। स्मिथ से पहले रिकी पोंटिंग, एलन बॉर्डर और स्टीव वॉ इस ऐतिहासिक क्लब में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने अपने 115वें टेस्ट में यह मील का पत्थर छुआ, जिससे तेज़ी से यह आंकड़ा पार करने के मामले में वह ब्रायन लारा के बाद दूसरे स्थान पर हैं। सक्रिय खिलाड़ियों में स्मिथ जो रूट (12,972 रन) के बाद दूसरे सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। ऑस्ट्रेलिया की मजबूत शुरुआत श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। समाचार लिखे जाने तक ऑस्ट्रेलिया ने 2 विकेट के नुकसान पर 239 रन बना लिए थे। उस्मान ख्वाजा 102 रन और स्टीव स्मिथ 59 रन बनाकर नाबाद हैं। वहीं, ट्रेविस हेड ने 57 रनों की अहम अर्धशतकीय पारी खेली।

आईसीसी में बड़ा बदलाव: मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने छोड़ा पद

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) में चल रहे उथल-पुथल के बीच एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ज्योफ एलार्डिस ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। आईसीसी ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की और कहा कि नए सीईओ की नियुक्ति की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। आईसीसी में पिछले साल नवंबर से ही प्रशासनिक बदलाव का दौर चल रहा था, जब दो शीर्ष अधिकारियों को हटाया गया था। एलार्डिस का इस्तीफा इसी कड़ी में एक बड़ा झटका माना जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले साल हुए ट्वेंटी-20 विश्व कप में गड़बड़ियों के कारण प्रशासन पर सवाल उठे थे। वहीं, आगामी चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों में भी कई अड़चनें आई हैं, जिससे जवाबदेही के मुद्दे उठाए जा रहे हैं। चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों को लेकर विवाद आईसीसी ने अपने बयान में कहा कि एलार्डिस ने पद छोड़ने का निर्णय स्वयं लिया है। हालांकि, हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों में उनकी भूमिका की जांच हो रही थी। भारतीय टीम की संभावित गैर-भागीदारी का मुद्दा लंबे समय तक अनसुलझा रहा, जिससे टूर्नामेंट की योजनाओं पर असर पड़ा। इसके अलावा, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शेड्यूल जारी करने में देरी सहित कई मुद्दों को लेकर आईसीसी को पत्र लिखा था। ब्रॉडकास्टिंग पार्टनर स्टार स्पोर्ट्स ने भी टूर्नामेंट के शेड्यूल में लगातार देरी पर आपत्ति जताई थी और आईसीसी को उसके अनुबंधीय दायित्वों की याद दिलाई थी। एलार्डिस का कार्यकाल और भविष्य की राह ऑस्ट्रेलियाई मूल के ज्योफ एलार्डिस 2012 में आईसीसी से जुड़े थे और क्रिकेट के महाप्रबंधक के रूप में अपनी भूमिका निभाते रहे। नवंबर 2021 में उन्हें सीईओ नियुक्त किया गया था। हालांकि, उनके नेतृत्व को अपेक्षाकृत कमजोर माना गया और हाल के विवादों के बाद उनके इस्तीफे की अटकलें तेज हो गई थीं।

लीजेंड 90 लीग : सभी टीमों की घोषणा रायपुर में 6 फरवरी से होगी भिड़ंत

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

रायपुर में 6 से 18 फरवरी तक होने वाली लीजेंड 90 लीग में हिस्सा लेने वाली सभी टीमों की घोषणा कर दी गई है। इस अनूठे टी-10 प्रारूप की लीग में पूर्व भारतीय दिग्गजों के साथ-साथ विदेशी क्रिकेट सितारे भी खेलते नजर आएंगे।

इस रोमांचक टूर्नामेंट में हरभजन सिंह, शिखर धवन, सुरेश रैना, न्यूजीलैंड के रॉस टेलर, ऑस्ट्रेलिया के आरोन फिंच, वेस्टइंडीज के ड्वेन ब्रावो और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन जैसे कई अनुभवी खिलाड़ी मैदान पर उतरेंगे।

लीग में कुल 7 टीमें हिस्सा लेंगी-

छत्तीसगढ़ वारियर्स, हरियाणा ग्लेडिएटर्स, दुबई जॉइंट्स, गुजरात सैम्प आर्मी, दिल्ली रॉयल्स, बिग बॉयज़ और राजस्थान किंग्स।

स्टार खिलाड़ियों से सजी टीमें

छत्तीसगढ़ वारियर्स में सुरेश रैना, अंबाती रायडू और मार्टिन गुप्टिल जैसे विस्फोटक बल्लेबाज शामिल हैं, तो दिल्ली रॉयल्स में शिखर धवन और रॉस टेलर के अनुभव का फायदा मिलेगा। हरियाणा ग्लेडिएटर्स की कप्तानी फिरकी मास्टर हरभजन सिंह करेंगे, जबकि वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो राजस्थान किंग्स का नेतृत्व करेंगे। शाकिब अल हसन दुबई जॉइंट्स के लिए खेलते नजर आएंगे।

लीग का मकसद और आयोजन

लीजेंड 90 लीग के निदेशक शिवेन शर्मा ने कहा, हम इस रोमांचक और तेज़-तर्रार 90 गेंदों वाले टूर्नामेंट की मेजबानी को लेकर उत्साहित हैं। विश्वस्तरीय और घरेलू दिग्गजों के साथ यह लीग क्रिकेट प्रेमियों के लिए यादगार होगी।

टीमों की पूरी सूची

दुबई जॉइंट्स

शाकिब अल हसन, थिसारा परेरा, केनर लुईस, केविन ओ ब्रायन, ब्रेंडन टेलर, लियाम प्लंकेट, ड्वेन स्मिथ, एच. मसाकद्ज़ा, रिचर्ड लेवी, ल्यूक फ्लेचर, राहुल यादव, क्रिस्टोफर एम, सिड त्रिवेदी, एस. प्रसन्ना।

छत्तीसगढ़ वारियर्स

सिद्धार्थ कौल, शेल्डन जैक्सन, पवन नेगी, केवॉन कूपर, सुरेश रैना, विशाल कुशवाहा, मार्टिन गुप्टिल, अभिषेक सकुजा, अंबाती रायुडु, अमित वर्मा, गुरुकीरत सिंह मान, अमित मिश्रा, ऋषि धवन, कलीम खान, उन्मुक्त चंद, मनोज सिंह, अभिमन्यु मिथुन, कॉलिन डी ग्रैंडहोम।

हरियाणा ग्लेडिएटर्स

पवन सुयाल, प्रवीण गुप्ता, अबू नीशम, अनुरीत सिंह, इमरान खान, असेला गुनारत्ने, इशांक जग्गी, हरभजन सिंह, नागेंद्र चौधरी, रिक्की क्लार्क, पीटर ट्रेगो, चैडविक वाल्टन, मनन शर्मा।

गुजरात सैम्प आर्मी

युसुफ पठान, मोइन अली, ओबस पिएनार, सौरभ तिवारी, केसरिक विलियम्स, जेसल करिया, मिगुएल कमिंस, चंद्रपॉल हेमराज, शापूर जादरान, मुहम्मद अशरफुल, विलियम पर्किन्स, नवीन स्टीवर्ट, चतुरंगा डी सिल्वा, मौसिफ खान।

बिग बॉयज़ स्क्वाड

मैट प्रायर, इशान मल्होत्रा, मोनू कुमार, चिराग गांधी, तमीम इकबाल, तिलकरत्ने दिलशान, हर्शेल गिब्स, उपुल थरंगा, अब्दुर रज्जाक, शैनन गेब्रियल, वरुण आरोन, नील ब्रूम, करमवीर सिंह, रॉबिन बिस्ट, नमन शर्मा, कपिल राणा, विनोद चांवरिया।

दिल्ली रॉयल्स

शिखर धवन, लेंडल सिमन्स, दनुश्का गनथिलका, एंजेलो परेरा, सहरद लुम्बा, बिपुल शर्मा, लखविंदर सिंह, राजविंदर सिंह, रेयाद इमरित, रॉस टेलर, जेरोम टेलर, सुमित नरवाल, परविंदर अवाना।

राजस्थान किंग्स

ड्वेन ब्रावो, अंकी राजपूत, फिल मस्टर्ड, शाहबाज़ नदीम, फैज़ फज़ल, शादाब जकाती, जसकरन मल्होत्रा, इमरान ताहिर, जयकिशन कोलसावाला, राजेश बिश्नोई, कोरी एंडरसन, पंकज राव, सैमुल्ला शिनवारी, रजत सिंह, एशले नर्स, दवलत जादरान, मनप्रीत गोनी।

हांसी फ्लिक ने स्ज़ेसनी को बार्सिलोना में पहली पसंद का गोलकीपर बनाया

मैड्रिड, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

एफसी बार्सिलोना के मुख्य कोच हांसी फ्लिक ने मंगलवार को पुष्टि की कि वोइशिएक स्ज़ेसनी अब इनाकी पेना से आगे उनकी पहली पसंद के गोलकीपर बन गए हैं।

आर्सेनल, रोमा और जुवेंटस के पूर्व गोलकीपर स्ज़ेसनी अक्टूबर में बार्सिलोना से जुड़े थे, जब मार्क-आंद्रे टेर स्टेगन घुटने की चोट के कारण बाहर हो गए थे। हालांकि, फिटनेस संबंधी चिंताओं और इनाकी पेना के अच्छे फॉर्म के कारण स्ज़ेसनी का डेब्यू 4 जनवरी को हुआ, जब उन्होंने कोपा डेल रे में बारबास्ट्रो पर बार्सा की 4-0 से जीत में हिस्सा लिया।

इसके बाद उन्होंने स्पेनिश सुपरकप के दोनों मैच खेले, जिसमें बार्सिलोना ने खिताब जीता, हालांकि फाइनल में उन्हें लगभग आधे घंटे शेष रहते बाहर भेज दिया गया।

इनाकी पेना ने बेतिस के खिलाफ बार्सा की 2-0 कोपा डेल रे जीत और गेटाफे के खिलाफ 1-1 ला लीगा ड्रॉ में बेहतरीन प्रदर्शन किया, लेकिन फ्लिक ने चैंपियंस लीग में बेनफिका के खिलाफ स्ज़ेसनी को चुना। बार्सा ने यह मैच 5-4 से जीता, हालांकि स्ज़ेसनी ने एक पेनल्टी स्वीकार की और एक गोल में गलती भी की। इसके बावजूद, फ्लिक ने वालेंसिया के खिलाफ 7-1 की जीत में भी उन्हें टीम में रखा।

एटलांटा के खिलाफ चैंपियंस लीग ग्रुप-स्टेज के अंतिम मैच के लिए अपने निर्णय पर फ्लिक ने स्पष्ट किया कि अब स्ज़ेसनी उनकी प्राथमिक पसंद हैं। उन्होंने कहा, यह मेरे द्वारा लिए गए सबसे कठिन निर्णयों में से एक है। यह हमेशा कठिन होता है क्योंकि गोलकीपर की भूमिका बहुत खास होती है।

फ्लिक ने यह भी स्पष्ट किया कि यह इनाकी पेना में विश्वास की कमी को नहीं दर्शाता। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि जब मैं टेक (स्ज़ेसनी) के बारे में कुछ अच्छा कहता हूं, तो ऐसा लगता है कि इनाकी हार रहा है, मुझे यह पसंद नहीं है। मुझे गोलकीपर चुनना है और वे दोनों बेहतरीन गोलकीपर हैं। मैं हमेशा अपनी टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ की तलाश करता हूं और इस समय मैं इसे इसी तरह देखता हूं, हालांकि इनाकी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।

चैम्पियंस लीग फुटबॉल

लंदन में चैम्पियंस लीग फुटबॉल के लिए प्रशिक्षण सत्र में पहुंचे आर्सेनल के मिकेल मैरिनो, डिकेलने राइस, व मार्टिन ओलीगार्ड और मैनेजर मिकेल आरटीला।

विश्वा फर्नांडो ने अल्पकालिक चैम्पियनशिप सौदे पर वारविकशायर के साथ किया करार

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

श्रीलंका के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज विश्वा फर्नांडो ने इस सत्र में काउंटी चैम्पियनशिप अभियान की शुरुआत के लिए वारविकशायर के साथ करार किया है। फर्नांडो ने 79 टेस्ट विकेट लिए हैं, जिसमें दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका में अपने आखिरी मैच में चार विकेट शामिल हैं, और वे अप्रैल में वारविकशायर के डिवीजन वन खेलों के लिए उपलब्ध रहेंगे।

उन्होंने पिछली गर्मियों में यॉर्कशायर के साथ तीन मैचों की पारी में प्रभावित किया था, जिसमें डर्बीशायर के खिलाफ मैच में नौ विकेट सहित 17 विकेट लिए थे, और श्रीलंका के इंग्लैंड दौरे के टेस्ट मैचों में भी शामिल रहे, जिसमें तीसरे टेस्ट में किआ ओवल में उनकी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका भी शामिल है।

वह 4 अप्रैल से शुरू होने वाले ससेक्स के खिलाफ़ अपने सीज़न के पहले मैच में वारविकशायर के लिए पदार्पण कर सकते हैं, और एक अन्य पूर्व क्लब, डरहम के खिलाफ खेलने के लिए भी उपलब्ध होंगे, और 18 अप्रैल से नॉटिंघमशायर के खिलाफ़ वारविकशायर के घरेलू मैच में भी खेलेंगे।

फर्नांडो ने क्लब की ओर से जारी एक बयान में कहा, मैं सीज़न के शुरुआती चरणों के लिए वारविकशायर में शामिल होने के लिए रोमांचित हूँ। पिछले दो वर्षों में काउंटी क्रिकेट खेलना मेरे लिए बेहद आनंददायक रहा है। काउंटी में कुछ बहुत अच्छे क्रिकेटर हैं और मैं एलेक्स डेविस, एड बर्नार्ड और सभी लड़कों के साथ खेलने के लिए उत्सुक हूँ। जब मैं किसी भी टीम के लिए मैदान पर उतरता हूँ तो मैं हमेशा अपना 100 प्रतिशत देता हूँ और वफादार बियर्स प्रशंसक हर दिन मेरा दिल और आत्मा से स्वागत करते हैं।

उन्होंने आगे कहा, मुझे यह अवसर देने के लिए, मैं क्रिकेट श्रीलंका का आभारी हूँ और मेरी क्षमता पर विश्वास करने के लिए मार्क रॉबिन्सन का आभारी हूँ।

फर्नांडो के हस्ताक्षर इस बात की पुष्टि के बाद हुए हैं कि पाकिस्तान के हसन अली लगातार तीसरे साल एजबेस्टन में वापसी करेंगे, जबकि ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर, न्यूजीलैंड के टेस्ट कप्तान टॉम लैथम और पूर्व मिडिलसेक्स पेसर एथन बैम्बर भी सर्दियों में शामिल हुए हैं। वारविकशायर के प्रथम-टीम कोच मार्क रॉबिन्सन ने कहा, काउंटी चैंपियनशिप के पहले तीन राउंड के लिए विश्वा को सुरक्षित करके हम बहुत खुश हैं। वह एक सिद्ध अंतरराष्ट्रीय और बाएं हाथ के गेंदबाज हैं, जो हमारे आक्रमण को पूरक बनाने के लिए हमें शानदार विविधता प्रदान करेंगे। पिछले सीजन में उन्होंने यॉर्कशायर के लिए अच्छा प्रदर्शन किया था, बहुत सारे विकेट लिए थे और हमें उम्मीद है कि वह इस अभियान को मजबूत शुरुआत देने में हमारी मदद कर सकते हैं।

एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम घोषित, सलीमा टेटे बनीं कप्तान

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)।

हॉकी इंडिया ने बुधवार को एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के भुवनेश्वर चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी। यह टूर्नामेंट 15 से 25 फरवरी तक कलिंगा हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसमें भारत इंग्लैंड, नीदरलैंड, स्पेन और जर्मनी के खिलाफ मुकाबला करेगा। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 15 फरवरी को इंग्लैंड के खिलाफ करेगी।

टीम की कमान मिडफील्डर सलीमा टेटे को सौंपी गई है, जबकि फॉरवर्ड नवनीत कौर उप-कप्तान की भूमिका निभाएंगी।

अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का संतुलन

टीम चयन पर भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, यह टीम अनुभव और युवा प्रतिभा का अच्छा मिश्रण है, जो टूर्नामेंट में उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा का सामना करने में मदद करेगा। महिला हॉकी इंडिया लीग में शानदार प्रदर्शन करने वाले कुछ युवा खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। हमें भरोसा है कि टीम दुनिया की कुछ बेहतरीन टीमों के खिलाफ मजबूत प्रदर्शन करेगी।

भारतीय महिला हॉकी टीम:

गोलकीपर: सविता, बिचू देवी खारिबाम।

डिफेंडर: सुशीला चानू पुखरंबम, निक्की प्रधान, उदिता, ज्योति, इशिका चौधरी, ज्योति छत्री।

मिडफील्डर: वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नेहा, मनीषा चौहान, सलीमा टेटे, सुनेलिता टोप्पो, लालरेम्सियामी, बलजीत कौर, शर्मिला देवी।

फॉरवर्ड: नवनीत कौर, मुमताज खान, प्रीति दुबे, रुताजा दादासो पिसल, ब्यूटी डुंगडुंग, संगीता कुमारी, दीपिका, वंदना कटारिया।

स्टैंडबाय खिलाड़ी:

गोलकीपर: बनवारी सोलंकी

डिफेंडर: अक्षता अबासो ढेकाले, ज्योति सिंह

फॉरवर्ड: साक्षी राणा, अन्नू, सोनम

टीम में बदलाव की संभावना एफआईएच नियमों के अनुसार, अगर कोई टीम टूर्नामेंट के दौरान चार से अधिक मैच खेलती है, तो वह पहले चार मैचों के बाद अपनी टीम में बदलाव कर सकती है। हालांकि, यह बदलाव केवल पूर्व-अनुमोदित खिलाड़ियों की सूची से ही किए जा सकते हैं। भारतीय टीम के प्रशंसकों को उम्मीद है कि यह संतुलित टीम एफआईएच प्रो लीग में दमदार प्रदर्शन करेगी।

कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने हथकरघा सम्मेलन-मंथन का उद्घाटन किया

नई दिल्ली,29 जनवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने बुधवार को नई दिल्ली में जनपथ स्थित डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में हथकरघा सम्मेलन-मंथन का उद्घाटन करने के बाद हथकरघा क्षेत्र से आधुनिकता, परंपरा और नवीनता के साथ प्रीमियम बाजारों को लक्षित करने का आग्रह किया।

उन्होंने हथकरघा बुनकर ई-पहचान पोर्टल और हथकरघा पुरस्कारों के लिए ऑनलाइन मॉड्यूल का भी शुभारंभ किया।

केंद्रीय कपड़ा मंत्री ने कहा कि उभरते ई-कॉमर्स बाजार को लक्षित करने के लिए हथकरघा उत्पादों की टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल प्रकृति, प्राकृतिक रंगाई, जैविक फाइबर के लाभ और हथकरघा उत्पादों के डिजाइन की विशिष्टता के बारे में व्यापक जागरुकता पैदा करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 तक ई-कॉमर्स के 325 अरब डॉलर का बाजार बनने की उम्मीद है। गिरिराज सिंह ने संगठित या कॉरपोरेट क्षेत्र में कार्यरत कपड़ा उद्योग से हथकरघा बुनकरों के लिए सामाजिक सुरक्षा और उचित पारिश्रमिक सुनिश्चित करते हुए स्थायी आजीविका प्रदान करने के लिए एक मॉडल विकसित करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कपड़ा मंत्रालय कॉरपोरेट्स, उत्पादक कंपनियों, स्टार्ट-अप्स के लिए पुरस्कार शुरू करेगा, जो हथकरघा उद्योग के लिए ऐसा मॉडल तैयार करेगा और हथकरघा बुनकरों को साल में न्यूनतम 300 दिन का स्थायी रोजगार प्रदान करेगा। केंद्रीय विदेश एवं कपड़ा राज्य मंत्री पबित्र मार्गेरिटा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हथकरघा उत्पाद हमारे देश की सांस्कृतिक विरासत के जीवंत प्रमाण हैं। उन्होंने हथकरघा उद्योग को एक जीवंत क्षेत्र के रूप में पुनर्जीवित करने के महत्व पर भी प्रकाश डाला जो युवा पीढ़ी को आकर्षित करने के लिए उचित आय प्रदान करता है। कपड़ा मंत्रालय के सचिव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कॉन्क्लेव-मंथन एक चिंतन शिविर है, जो विपणन अवसरों की उपलब्धता और हथकरघा बुनाई से युवाओं के पलायन के बारे में चिंताओं को दूर करने के लिए हितधारकों के साथ संवाद स्थापित करने का मंत्रालय का एक प्रयास है। उन्होंने आधुनिक शिक्षा और पारंपरिक ज्ञान के बीच तालमेल बनाने पर भी बल दिया।

न्यूज ब्रीफ

मारुति सुजुकी इंडिया को तीसरी तिमाही में 3,727 करोड़ रुपए का मुनाफा अकटूबर-दिसंबर तिमाही में शुद्ध लाभ 16 फीसदी बढ़कर 3,727 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। देश की दिग्गज कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमआईएस) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 16 फीसदी बढ़कर 3,727 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी को पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में 3,207 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। मारुति सुजुकी इंडिया ने बुधवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में उसकी परिचालन आय बढ़कर 38,764 करोड़ रुपये हो गई, जो विगत वित्त वर्ष 2023-24 की समान अवधि में 33,513 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने सुजुकी मोटर गुजरात को मोटर वाहन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी में विलय करने की योजना को मंजूरी दे दी है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के निदेशक मंडल ने हिसाशी ताकेउची को 1 अप्रैल, 2025 से तीन वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के रूप में फिर से नियुक्त करने के प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दे दी है।

एमएनआरई ने सौर फोटोवोल्टिक उत्पादों के लिए संशोधित गुणवत्ता नियंत्रण आदेश अधिसूचित किया

नई दिल्ली। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने सौर फोटोवोल्टिक उत्पादों के लिए संशोधित गुणवत्ता नियंत्रण आदेश को अधिसूचित किया है। यह संशोधित आदेश प्रकाशन की तारीख से 180 दिनों के बाद प्रभावी होगा। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने बुधवार को जारी बयान में बताया कि भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) अधिनियम, 2016 के तहत 27 जनवरी को अधिसूचित राजपत्र में मौजूदा सौर फोटोवोल्टिक्स, प्रणाली, उपकरण और घटक वस्तु (अनिवार्य पंजीकरण के लिए आवश्यकताएं) आदेश, 2017 को संशोधित किया गया है। इस आदेश में सौर पीवी मॉड्यूल, सौर पीवी अनुप्रयोगों में उपयोग किए जाने वाले इनवर्टर और स्टोरेज बैटरी शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि अधिक जानकारी एमएनआरई की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ली जा सकती है। संशोधित आदेश भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया गया है, जो प्रकाशन की तारीख से 180 दिनों के बाद लागू होगा। संशोधित गुणवत्ता नियंत्रण आदेश सभी संबंधित हितधारकों-सौर पीवी मॉड्यूल निर्माताओं, इन्वर्टर निर्माताओं, भंडारण बैटरी निर्माताओं, उत्पादों के लिए परीक्षण प्रयोगशालाओं, राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (एनआईएसई) और बीआईएस के साथ 24 महीने से अधिक समय तक उचित परामर्श के बाद अधिसूचित किया गया है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में सीमित कारोबार

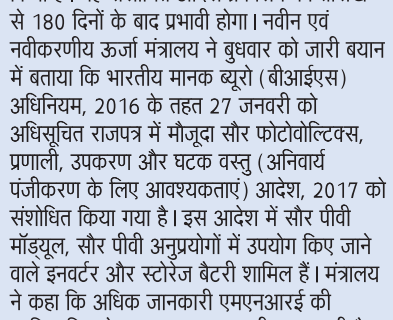

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करके बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में सीमित कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों पर फैसला लेने वाला है। फेडरल रिजर्व के फैसले के पहले अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.88 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,065.20 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 377.28 अंक यानी 1.95 प्रतिशत उछल कर 19,719.11 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 44,892.40 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

लगातार दूसरे दिन शेयर बाजार में मजबूती बढ़त के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

निवेशकों को 1 दिन में 7.94 लाख करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली,29 जनवरी (एजेंसियां)।

मजबूत ग्लोबल संकेतों और आईटी सेक्टर में आई तेजी के कारण घरेलू शेयर बाजार बुधवार को लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ। इंडेक्स शेयरों के अलावा मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी जोरदार तेजी का रुख बना रहा, जिसके कारण निवेशकों को एक दिन में ही करीब 8 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि, शुरुआती कारोबार में मुनाफा वसूली का दबाव बनने के कारण कुछ देर के लिए सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट भी आई, लेकिन थोड़ी ही देर बाद खरीदारी का सपोर्ट मिल जाने के कारण इन दोनों सूचकांकों ने रफ्तार पकड़ ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.83 प्रतिशत और निफ्टी 0.90 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, मेटल और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, फार्मास्यूटिकल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर, एफएमसीजी सेक्टर में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 3.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 8 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद बढ़ कर 416.94 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 409 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 7.94 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,082 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,979 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,009 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 94 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,558 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,152 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 406 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 24 शेयर बढ़त के साथ और 6 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 40 शेयर हरे निशान में और 10 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 236.83 अंक की तेजी के साथ 76,138.24 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बनने के कारण ये सूचकांक फिसल कर 75,975.80 अंक के स्तर तक आ गया। हालांकि, थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार जारी खरीदारी के सपोर्ट से का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 698.32 अंक की मजबूती के साथ 76,599.73 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई बिकवाली के कारण ये सूचकांक ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे फिसल कर 631.55 अंक की बढ़त के साथ 76,532.96 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 69.50 अंक उछल कर 23,026.75 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक ओपनिंग लेवल से करीब 50 अंक लुढ़क कर 22,976.50 अंक तक आ गया, लेकिन इसके बाद बाजार में खरीदारी शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में भी तेजी आ गई। लगातार जारी लिवाली के सपोर्ट से का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 226.10 अंक की मजबूती के साथ 23,183.35 अंक तक पहुंच गया। दिन भर की खरीद बिक्री के बाद निफ्टी ऊपरी स्तर से करीब 20 अंक टूट कर 205.85 अंक की बढ़त के साथ 23,163.10 के स्तर पर बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से श्रीराम फाइनेंस 4.41 प्रतिशत, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स 3.47 प्रतिशत, टाटा मोटर्स 3.33 प्रतिशत, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 2.92 प्रतिशत और विप्रो 2.92 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर मारुति सुजुकी 1.20 प्रतिशत, भारती एयरटेल 1.11 प्रतिशत, एशियन पेंट्स 0.83 प्रतिशत, आईटीसी 0.48 प्रतिशत और ब्रिटानिया 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

डेंटा वाटर की स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री, लिस्टिंग के बाद अपर सर्किट लेवल पर पहुंचे शेयर

नई दिल्ली,29 जनवरी (एजेंसियां)।

वाटर मैनेजमेंट प्रोजेक्ट्स पर काम करने वाली कंपनी डेंटा वाटर की आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री हुई। कंपनी के शेयर 294 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई में इसकी लिस्टिंग 330 रुपये के स्तर पर और एनएसई में 325 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को करीब 12 प्रतिशत का लिस्टिंग गेन मिल गया। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 346.45 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 17.84 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। डेंटा वाटर का 220.50 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 24 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 221.54 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 236.94 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 507.07 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 90.38 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 75 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 38.34 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 50.11 करोड़ और 2023-24 में 59.73 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 42 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर से बढ़ कर 241.84 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2024 के बीच कंपनी को 24.20 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस तरह इस अवधि में कंपनी 98.51 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

महाकुंभ भगदड़ में ...

श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित प्रमुख संतों ने लोगों से खास अपील की है। योगी ने कहा कि श्रद्धालुगण मां गंगा के जिस भी घाट के समीप हैं, वहीं स्नान करें, संगम नोज की ओर जाने का प्रयास न करें। स्नानार्थियों के लिए कई घाट बनाए गए हैं, जहां सुविधाजनक रूप से स्नान किया जा सकता है। मौनी अमावस्या पर भारी भीड़ और भगदड़ की घटना के चलते सभी अखाड़ों ने अमृत स्नान न करने का ऐलान किया। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्र गिरी ने निरंजन छावनी से यह घोषणा की। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष ने कहा कि जिस तरह से श्रद्धालुओं की भीड़ है और भगदड़ की घटना सामने आई है उससे अखाड़े ने स्नान न करने का फैसला लिया है। अखाड़े के वहां जाने से स्थिति और भी बिगड़ सकती थी।

मौके से सामने आए वीडियो के अनुसार कुछ महिलाओं और बच्चों को भी चोट लगी है। हालात काबू में है। महाकुंभ नगर प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अफवाहों पर ध्यान न देने और संयम बरतने की अपील की है। योग गुरु बाबा रामदेव ने भी कहा कि करोड़ों श्रद्धालुओं के इस हुजूम को देखते हुए हमने फिलहाल केवल सांकेतिक स्नान किया है। इसके साथ ही समूचे राष्ट्र और विश्व के कल्याण की कामना की गई है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि हम भक्ति के अतिरेक में न बहें और आत्म अनुशासन का पालन करते हुए सावधानी पूर्वक स्नान करें। वहीं जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी ने भी कहा कि हमने फिलहाल सांकेतिक स्नान किया है।

हार के डर से...

पीएम मोदी ने यहां चुनावी रथ सभा को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी को घेरा। हरियाणा पर दिए गए बयान को लेकर पीएम मोदी ने अरविंद केजरीवाल पर पलटवार किया। पीएम मोदी ने कहा कि आम आदमी पार्टी कह रही है कि हरियाणा वाले यमुना के जल में जहर मिला रहे हैं, यह हरियाणा का नहीं पूरे देश का अपमान है। हरियाणा का भेजा हुआ यही पानी दिल्ली में रहने वाला हर कोई पीता है। पिछले 11 साल से ये प्रधानमंत्री भी पीता है, सभी न्यायमूर्ति और बाकी सभी सम्मानित लोग भी पीते हैं।

पीएम ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, आप-दा वालों ने दिल्ली को पानी माफिया के भरोसे छोड़ दिया है। इन लोगों ने तीन चुनावों में यमुना जी की सफाई के नाम पर वोट मांगे। आज कह रहे हैं कि यमुना जी वोट नहीं देतीं। ये आप-दा वालों की सरासर बेशर्मी है, बेईमानी है, बदनीयती है। अपने राजनीतिक स्वार्थ में आप-दा वालों ने एक और घोर पाप किया है और ये पाप कभी भी माफ नहीं हो सकता है। दिल्ली के एक पूर्व मुख्यमंत्री ने हरियाणा के लोगों पर घिनौने आरोप लगा दिए हैं। हार के डर से आप-दा वाले बौखला गए हैं। क्या हरियाणा दिल्ली से अलग है? क्या हरियाणा वालों के बच्चे, परिवार और नाते-रिश्तेदार दिल्ली में नहीं रहते। क्या हरियाणा के लोग अपने ही बच्चों के पानी में जहर मिला सकते हैं। हरियाणा का भेजा हुआ यही पानी दिल्ली में रहने वाला हर कोई पीता है, पिछले 11 साल से ये प्रधानमंत्री भी पीता है, सभी न्यायमूर्ति और बाकी सभी सम्मानित लोग भी पीते हैं।

जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, दिल्ली अब एक ऐसी सरकार चाहती है, जो गरीबों के लिए घर बनाए और दिल्ली को आधुनिक बनाए। दिल्ली ऐसी सरकार चाहती है, जो हर घर नल से जल पहुंचाए और टैंकर माफिया से मुक्ति दिलाए। इसलिए पूरी दिल्ली आज कह रही है कि 5 फरवरी आएगी, आप-दा जाएगी, भाजपा आएगी। आठ तारीख के बाद जब दिल्ली में भाजपा की सरकार बनेगी तो जो भी वादे आपसे किए गए हैं, वो सारे वादे समय सीमा में पूरे किए जाएंगे। ये मोदी की गारंटी है। ये 21वीं सदी है, इसके 25 साल बीत चुके हैं। उसमें कांग्रेस का कार्यकाल भी देखा है, फिर 11 साल आप-दा सरकार को दिए, लेकिन दिल्ली की समस्या तो वहीं की वहीं है। 25 साल में इन दोनों ने आपकी दो-दो पीढ़ी को बर्बाद कर दिया है।

पीएम मोदी ने कहा, दिल्ली में किसी ने 14 साल राज किया, किसी ने 11 साल राज किया। फिर भी वही जाम, वही गंदगी, वही टूटी-फूटी सड़कें, गलियों में बहता गंदा पानी, वही जलभराव, वहीं, प्रदूषण है। पीने के पानी के लिए लोग तरस रहे हैं, हाहाकार हो रहा है, कुछ नहीं बदला। इन हालातों से दिल्ली को आपके वोट की ताकत बाहर निकाल सकती है। हमें 11 साल के पेंडिंग काम भी पूरे करने हैं और आने वाले 25-30 साल की तैयारियां भी करनी है। इसलिए मैं दिल्लीवासियों से आग्रहपूर्वक करना चाहता हूं मोदी को दिल्ली की सेवा करने का मौका दीजिए।

पीएम मोदी ने कहा, हम योजनाएं बंद करने वालों में से नहीं हैं। हम योजनाओं को बल देने वाले लोगों में से हैं। आज घरों में नल से साफ पानी आता है। अगर हिंदुस्तान के दूर-दराज के गांवों में गरीब से गरीब के घर में नल से जल पहुंच सकता है, तो देश की राजधानी दिल्ली में न नल से जल आता है और जहां आता भी है वो पीने के लायक नहीं होता। अगर भाजपा दुर्गम गांवों में नल से जल पहुंचा सकती है, तो दिल्ली के हर घर को भी नल से साफ जल भाजपा दे सकती है।

आपत्तिजनक बयान पर ...

जिससे दिल्ली और हरियाणा के लोगों में दहशत फैली है। हरियाणा सरकार उनके खिलाफ सोनीपत की सीजेएम कोर्ट में आपदा प्रबंधन अधिनियम की धारा 2 (डी) और 54 के तहत मामला दर्ज करवाया है। इस कानून के तहत यदि कोई व्यक्ति किसी आपदा की गंभीरता या प्रभाव को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करके झूठी अफवाह फैलाता है और इससे जनता में दहशत फैलती है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

आदिवासी समाज ...

इन संशोधनों में विवादों को निपटाने के लिए कलेक्टर के पद से ऊपर के अधिकारी को नियुक्त करना और ट्रिब्यूनल में तीसरे सदस्य के रूप में मुस्लिम लॉ जानने वाले व्यक्ति को बहाल करना भी शामिल है। संविधान की अनुसूची 5 और अनुसूची 6 के तहत आने वाले आदिवासी क्षेत्रों में वक्फ भूमि की घोषणा के कई मामले थे। जो इन सांस्कृतिक अल्पसंख्यकों के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहे हैं, जिनकी धार्मिक प्रथाएं अलग हैं और वे इस्लाम के तहत निर्धारित धार्मिक प्रथाओं का पालन नहीं करते हैं। जेपीसी ने विधेयक में वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिमों को शामिल करने वाले प्रावधान में भी कोई समस्या नहीं पाई है, क्योंकि वे लाभार्थी, विवादों में पक्षकार या वक्फ मामलों में अन्यथा रुचि रखने वाले हो सकते हैं। इसमें कहा गया है कि प्रस्ताव इसे अधिक व्यापक आधार वाला बनाएगा और वक्फ सम्पत्ति प्रबंधन में समावेशिता और विविधता को बढ़ावा देगा।

मंगलवार 28 जनवरी को जेपीसी के सदस्यों के बीच मसौदा रिपोर्ट वितरित की गई। विपक्षी सांसदों ने रिपोर्ट को अपनाने के लिए बैठक बुलाई गई बैठक की आलोचना करते हुए कहा कि उनके लिए कुछ ही घंटों में 655 पृष्ठों की रिपोर्ट को पढ़ना, चर्चाओं में भाग लेना और असहमति नोट तैयार करना संभव नहीं है।

जेपीसी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा, पहली बार हमने एक खंड शामिल किया है, जिसमें कहा गया है कि वक्फ का लाभ हाशिए पर पड़े लोगों, गरीबों, महिलाओं और अनाथों को मिलना चाहिए। कल, हम यह रिपोर्ट स्पीकर को सौंपेंगे। हमारे सामने 44 खंड थे, जिनमें से 14 में सदस्यों ने संशोधन प्रस्तावित किए। हमने बहुमत से मतदान कराया और फिर इन संशोधनों को स्वीकार कर लिया गया। भाजपा नेता राधामोहन दास अग्रवाल ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक पर रिपोर्ट 14 में से 11 मतों से पारित हुई है। विभिन्न दलों ने अपने असहमति नोट प्रस्तुत किए हैं। भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा कि सरकार का इरादा वक्फ सम्पत्तियों के प्रबंधन में आधुनिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही लाना है। इसके साथ ही निहित स्वार्थों द्वारा कानून के दुरुपयोग को रोकना है।

वहीं, इस रिपोर्ट का विरोध करने वालों में से एक असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि जब बजट सत्र के दौरान संसद में इस विधेयक पर चर्चा होगी तो वे इसका विरोध करेंगे। उन्होंने कहा, कल रात हमें 655 पन्नों की मसौदा रिपोर्ट दी गई और किसी के लिए भी इतने कम समय में इतनी लंबी रिपोर्ट पढ़ना और अपनी राय देना मानवीय रूप से असंभव है। फिर भी हमने प्रयास किया और अपनी असहमति रिपोर्ट पेश की। ओवैसी ने कहा, यह वक्फ के पक्ष में नहीं है। मैं शुरू से कह रहा हूं कि भाजपा अपनी विचारधारा के अनुसार मुस्लिमों के खिलाफ यह बिल लेकर आई है। इसका उद्देश्य वक्फ बोर्ड को नुकसान पहुंचाना और उनकी मस्जिदों पर कब्जा करना है। अगर हिंदू, सिख और ईसाई अपने-अपने बोर्ड में अपने धर्म के सदस्य रख सकते हैं तो मुस्लिम वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम सदस्य कैसे हो सकते हैं?

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा, मैंने अपनी असहमति जताई है। इसमें पीड़ितों के बयानों पर विचार नहीं किया गया है। हमने चर्चा के दौरान जो कहा, उस पर विचार नहीं किया गया। सवाल यह उठता है कि हमने जो हितधारकों का दृष्टिकोण व्यक्त किया है, वह अध्यक्ष को क्यों पसंद नहीं आया। मेरे हिसाब से जेपीसी की कार्यवाही मजाक बनकर रह गई है। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद अरविंद सावंत ने कहा, कल तक लोग वक्फ में चुनाव के जरिए आते थे, लेकिन अब आप चुनाव हटा रहे हैं। वहां लोगों को मनोनीत किया जाएगा और केंद्र सरकार यह काम करेगी। अगर सरकार चुनाव आयोग से जुड़े कानून बदल सकती है तो वह यहां क्या करेगी? आज वक्फ में गैर-मुस्लिमों को लाने का प्रावधान है तो कल वे हमारे मंदिरों में भी ऐसा ही कर सकते हैं (गैर-हिंदुओं को लाना), क्योंकि संविधान में समानता का मुद्दा आएगा।

तीन तलाक...

वहीं पक्षकार अपने तर्क के समर्थन में तीन पेज में लिखित प्रस्तुतियां भी दाखिल करेंगे। पीठ ने याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई 17 मार्च से शुरू होने वाले सप्ताह में तय की है।

देश में 30 जुलाई 2019 को तीन तलाक को लेकर कानून बनाया गया था। इसके तहत तलाक-ए-बिद्दत यानी एक बार में तीन तलाक देना गैर कानूनी है। तीन तलाक संज्ञेय अपराध मानने का प्रावधान किया गया है। कानून के तहत तीन तलाक को अवैध और अमान्य घोषित किया गया है तथा इसके लिए पति को तीन साल की जेल की सजा होगी। खुद को सुन्नी विद्वानों का संघ बताने वाले केरल के जमीयतुल उलेमा ने मुस्लिम महिला अधिनियम 2019 को असंवैधानिक बताते हुए याचिका दाखिल की थी। याचिका में कहा गया था कि जब सुप्रीम कोर्ट ने तीन तलाक को अमान्य करार कर दिया है तो इसे अपराध घोषित नहीं किया जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने 22 अगस्त 2017 को एक ऐतिहासिक फैसले में तीन तलाक को असंवैधानिक करार दिया था। अलग-अलग धर्मों वाले 5 जजों की बेंच ने 3-2 से फैसला सुनाते हुए सरकार से तीन तलाक पर छह महीने के अंदर कानून लाने को कहा था। दो जजों ने इसे असंवैधानिक कहा था, एक जज ने पाप बताया था। इसके बाद दो जजों ने इस पर संसद को कानून बनाने को कहा था।

बृहस्पति देव से है पुखराज का संबंध

जानें इससे होने वाले गजब के फायदे

रत्न ज्योतिष, ज्योतिष शास्त्र का ही एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें प्रत्येक रत्न के लाभ बताए गए हैं। अगर आप एक अच्छे ज्योतिषी की सलाह पर इस रत्नों को धारण करते हैं, तो इससे निश्चित रूप से आपको जीवन में लाभ देखने को मिल सकता है। लेकिन रत्न धारण करते समय कुछ नियमों का भी ध्यान रखा जाना जरूरी है, तभी आप इसका लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

मिलते हैं ये फायदे

पुखराज बृहस्पति ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है। इस प्रकार इस रत्न को धारण करने से जातक की कुंडली में बृहस्पति ग्रह की स्थिति मजबूत होती है। साथ ही इससे जातक के लिए सुख-समृद्धि के योग भी बनने लगते हैं। अगर किसी जातक के विवाह में अड़चन आ रही हैं, तो इसके लिए भी उसे पुखराज धारण करने की सलाह दी जाती है।

पुखराज रत्न को मुख्य रूप से कुंडली में गुरु ग्रह की स्थिति को मजबूत करने के लिए पहना जाता है। इसी के साथ धनु और मीन राशि के जातकों के लिए भी पुखराज धारण करना शुभ होता है, क्योंकि इन राशियों के ग्रह स्वामी बृहस्पति ही हैं। इस हमेशा सोने की अंगूठी में जड़वाकर ही पहनना चाहिए।

साथ ही इसे तर्जनी उंगली में धारण करना ज्यादा अच्छा माना गया है। पुखराज धारण करने से पहले किसी अच्छे ज्योतिष को अपनी कुंडली दिखाने के बाद ही इसे पहनना चाहिए। इस बात का ध्यान रखें कि बार-बार इसे न उतारें, वरना इसका प्रभाव कम होने लगता है।

धारण करने की विधि

सबसे पहले सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि से निवृत हो जाएं। इसके बाद दूध, गंगाजल, शहद, घी और शक्कर को मिलाकर इसमें पुखराज वाली अंगूठी को शुद्ध करें। इसके बाद इसे भगवान विष्णु के चरणों में अर्पित करें और 108 बार ॐ ब्रह्म ब्रह्स्पतिये नम: मंत्र का जप करें। इसके बाद ही पुखराज धारण करें। इसे धारण करने के लिए किसी भी माह का शुक्ल पक्ष का गुरुवार सबसे अच्छा माना गया है।

पुखराज रत्न किसे पहनना चाहिए?

पुखराज रत्न उन लोगों को पहनना चाहिए जिनकी जन्म कुंडली में बृहस्पति ग्रह कमजोर या प्रतिकूल स्थिति में हो। इसके अलावा, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य, और वैवाहिक जीवन में सुधार की इच्छा रखने वाले लोग भी इसे धारण कर सकते हैं। लेकिन इसे पहनने से पहले ज्योतिषी से परामर्श करना महत्वपूर्ण है।

क्या पुखराज रत्न को अन्य धातुओं में भी पहना जा सकता है?

पुखराज रत्न को सोने की अंगूठी में पहनना अधिक शुभ माना जाता है। हालांकि, कुछ स्थितियों में इसे चांदी या पंचधातु में भी पहन सकते हैं, लेकिन इसके लिए ज्योतिषी से परामर्श अवश्य करें।

रत्न पहनने के बाद किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

1.इसे नियमित रूप से साफ करते रहें।

2.रत्न की चमक और स्थिति पर ध्यान दें, यदि इसमें कोई बदलाव दिखे तो ज्योतिषी से परामर्श करें।

3.इसे पहनते समय कोई हानिकारक केमिकल या साबुन के संपर्क में न आने दें।

धनु और मीन राशि के लोगों को पहनना चाहिए पुखराज, कई समस्याएं हो जाती हैं छूमंतर

रत्न ज्योतिष को ज्योतिष शास्त्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। अगर आप ज्योतिषीय सलाह पर रत्न धारण करते हैं, तो इससे जीवन के कई क्षेत्रों में आपको लाभ देखने को मिल सकता है। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि पुखराज किन्हें और कब धारण करना चाहिए।

मिलते हैं ये लाभ

पुखराज पीले रंग का रत्न होता है, जो गुरु ग्रह यानी बृहस्पति ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में इस रत्न को धारण करने से जातक को जीवन में धन-संपत्ति की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही इससे जातक को विवाह में आ रही अड़चने भी दूर हो जाती हैं। साथ ही यह भी माना जाता है कि पुखराज रत्न को धारण करने से जातक को शिक्षा, करियर और दांपत्य जीवन आदि में लाभ देखने को मिल सकता है।

कौन कर सकता है धारण

पुखराज रत्न को मुख्य रूप से गुरु ग्रह को मजबूत बनाने के लिए पहना जाता है। गुरु ग्रह का संबंध शिक्षा, सुख-समृद्धि पिता और संतान से माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र की मान्यताओं के अनुसार, धनु और मीन राशि के लोग पुखराज धारण कर सकते हैं, क्योंकि इन राशियों के ग्रह स्वामी बृहस्पति देव ही हैं।

पुखराज को चांदी या सोने की अंगूठी में लगाकर पहनना चाहिए, जो कम-से-कम 5 या फिर 7 कैरेट का होना चाहिए। आप इसे तर्जनी उंगली में धारण कर सकते हैं। पुखराज धारण करने से पहले किसी ज्योतिष से अपनी कुंडली का निरीक्षण कराने के बाद सलाह जरूर लेनी चाहिए।

इस विधि से करें धारण

पुखराज धारण करने के लिए सबसे पहले सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि कर लें। इसके बाद पुखराज वाली अंगूठी को दूध और गंगाजल में स्नान करवाकर और उसके बाद ही से धारण करें। इसे धारण करने के लिए गुरुवार का दिन सबसे उत्तम माना गया है। इस बात का ध्यान रखें कि एक बार पहनने के बाद इसे बार-बार न उतारें, वरना इसका प्रभाव कम हो सकता है।

पुखराज रत्न के नुकसान

पुरखो के अनुसार पुखराज रत्न की ऊर्जा इतनी है की इसे गलत तरीके से धारण करने से इसकी शक्ति का इंसान पर उल्टा असर भी हो सकता है। इसलिए यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि पुखराज रत्न आपकी जन्म कुंडली के अनुकूल हो अन्यथा इसके निम्नलिखित नकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं।

पुखराज के बुरे प्रभाव से आपको धन की हानि होने की संभावना है, या व्यवसाय में नुक्सान ।

आपके निजी सम्बन्धो में भी गलतफैमी उतप्पन हो सकती है जिसके कारण आपके समबन्ध बिगड़ सकते है। पुखराज आपके स्वस्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव दाल सकते है, आपको कई बिमारिओ का सामना करना पड़ सकता है। यह रत्न अपने बुरे प्रभाव में आपको तनाव और अशांति दे सकता है।

इसलिए इन् सभी बुरे परिणामो से बचने के लिए आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए की आपने जो रत्न पहना है वो असली है या नहीं, उसकी पूर्ण पूजा प्रतिस्ठा अच्छे से हुई या नहीं और वह कब तक के लिए आपकी कुंडली में सकारात्मक प्रभाव दाल रहा है। आपको इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए की इस रत्न को आप किसी और रत्न के साथ पहन रहे है तो उसका प्रभाव फायदेमंद होगा या नुकसानदायक।

ओपल रत्न के फायदे और नुकसान, पहनने की विधि, कौन पहन सकता है, कौन नहीं

पुखराज रत्न किसे पहनना चाहिए

हर एक रत्न एक गृह से जुड़ा हुआ होता है, पुखराज के ऊपर बृहस्पति गृह का राज है। इसलिए जिन लोगों की कुंडली में बृहस्पति कमजोर होता है वे इस रत्न को धारण करेंगे तो उनके जीवन में इस ग्रह से होने वाले दुषप्रभाव दूर हो जायेंगे। धनु, वृश्चिक और मीन राशि वालों के लिए पुखराज रत्न को शुभ माना जाता है। उन्हें यह अवश्य पहनना चाहिए ।

मेष राशि वालों के लिए यह रत्न 9 वे घर का सदसय है। इसे मूंगा के साथ पहनने से यह फायदा देता है।

वृषभ राशि वालो को यह रत्न तभी पहनना चाहिए जब बृहस्पति 1, 2, 4, 5, 9वें भाव में स्थित हो।

यदि आपकी राशि कर्क है तो बृहस्पति तभी पहने जब वह छठे और नौवें घर का स्वामी हो। मोती के साथ पहनने पर पुखराज का बेहतर परिणाम मिल सकता है।

सिंह राशि वालों के लिए पुखराज योग कारक है, इसलिए आप विशेष रूप से बृहस्पति की महादशा में माणिक्य के संयोजन के साथ इस रत्न को धारण करे।

कन्या राशि वालो को इस रत्न के वजन को ध्यान में रखकर इसे पहनना चाहिए तभी इसका लाभ होगा।

पन्ना रत्न – कौन पहने, कौन नहीं,पहनने के नियम, लाभ, हानि

किसे पुखराज रत्न नहीं पहनना चाहिए

मिथुन, तुला, मकर और कुंभ राशि वाले लोगों को पुखराज रत्न धारण नहीं करना चाहिए, उन्हें इस रत्न के नकारात्मक प्रभाव का सामना करना पड़ सकता है।

जिन लोगो की कुंडली में बृहस्पति गृह चौथे, सातवें या दसवें भाव में विराजमान है उन्हें पुखराज नहीं पहनना चाहिए । साथ ही अगर आपकी कुंडली में धनु लग्न में बृहस्पति है तो भी पुखराज को पहनने में सतर्कता बरते।

इस बात का भी अवश्य ध्यान रखे की आप पुखराज को किस दूसरे रत्न के साथ पहन रहे है – हीरे और नीलम के साथ पुखराज को पहनने से बचे।

यदि आप इस रत्न को पहनना ही चाहते है तो अपने पंडित से अपनी कुंडली दिखाए और उनसे सलाह ले की इस रत्न को आप दूसरे किस रत्न के साथ धारण कर सकते है की ये आपको सकारत्मकता प्रदान करे।

मोती – किसे पहनना चाहिए, किसे नहीं, इसे पहनने के नियम, फायदे और नुकसान

पुखराज पहनने के नियम

पुखराज से लाभकारी प्रभाव प्राप्त करने हेतु आवश्यक है की इसे धारण करते समय आप कुछ नियमो का पालन करे:

इस रत्न के सकारात्मक प्रभाव प्राप्त करने हेतु पुखराज को सोने के धातु में अंकरित कराकर तर्जनी ऊँगली में पहने।

बृहस्पतिवार यानि गुरूवार का दिन पुखराज रत्न को धारण करने के लिए सबसे शुभ दिन है। इसलिए कोशिश करे की इसे इसी दिन सूर्योदय के बाद और सुबह 10 बजे से पहले नाह धो के पहने।

रत्न धारण करने से पहले इसकी पूजा जरूर करे। पूजा करने हेतु, अपने पुखराज रत्न को गंगाजल और दूध से धोकर पवित्र कर लें। फिर देव गुरु बृहस्पति की पूजा विधिपूर्वक करने हेतु (पुखराज रत्न पहनने का मंत्र) ॐ बृं बृहस्पतये नम: 108 बार मंत्र का जाप करें। आ-खिरी बार मंत्र का जाप करते वक़्त रत्न को धारण करले।

अपने रत्न को इस तरह धारण करे की इसका एक हिस्सा आपकी त्वचा से हमेसा अड़ा रहे।

एक बार पहनने के बाद पुखराज को दुबारा न उतारे। यदि आपको किसी कारण इसे उतारना पड़ जाये तो इसे वापिस पहनने से पहले इसकी पूर्ण पूजा प्रठिस्ता दुबारा करे। पुखराज एक अलौकिक रत्न है इसलिए इसकी नैतिकता बनाये रखने हेतु अपने कर्मो पर ध्यान दे। नशा और मांस आदि जैसी चीजों का सेवन भूलकर भी न करें, खासकर बुधवार और गुरुवार के दिन।

पुखराज रत्न पहनने के फायदे

रत्न ज्योतिष में पुखराज का विशेष स्थान है। इसे अंग्रेजी में येलो सफायर कहा जाता है। यह रत्न अपनी विशिष्ट विशेषताओं और फायदों के कारण बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। पुखराज रत्न पहनने से जीवन में कई प्रकार के लाभ हो सकते हैं, जो इस लेख में विस्तार से बताए जाएंगे।

पुखराज रत्न क्या है?

पुखराज रत्न मुख्यतः पीले रंग का होता है और यह बृहस्पति ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है। इसे गुरुवार के दिन पहना जाता है और यह सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य, और विद्या प्रदान करने वाला माना जाता है। पुखराज का रंग हल्का पीला से लेकर गहरा पीला तक हो सकता है और यह विभिन्न कैरेट में उपलब्ध होता है।

वित्तीय समृद्धि – पुखराज रत्न पहनने से व्यक्ति के आर्थिक हालात में सुधार आता है। यह व्यापार में लाभ, धन की प्राप्ति और निवेश में सफलता दिलाने में मदद करता है। यह उन लोगों के लिए विशेष रूप से लाभकारी होता है जो व्यापार या नौकरी में उन्नति की इच्छा रखते हैं।

स्वास्थ्य लाभ – पुखराज रत्न शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक होता है। यह पाचन तंत्र को मजबूत करता है, लीवर के विकारों को ठीक करता है और त्वचा संबंधित समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। मानसिक शांति और तनाव कम करने में भी यह रत्न उपयोगी होता है।

शिक्षा और ज्ञान –बृहस्पति ग्रह ज्ञान और विद्या का कारक है। इसलिए पुखराज रत्न पहनने से शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलती है। यह विद्यार्थियों और शिक्षकों दोनों के लिए लाभकारी होता है। परीक्षा में अच्छे अंक लाने और उच्च शिक्षा में सफलता पाने के लिए यह रत्न अत्यंत प्रभावशाली माना जाता है।

वैवाहिक जीवन में सुख–पुखराज रत्न वैवाहिक जीवन में भी सुख और समृद्धि लाने में सहायक होता है। यह पति-पत्नी के बीच सामंजस्य और प्रेम बढ़ाता है। जिन लोगों के वैवाहिक जीवन में समस्याएं हैं, वे पुखराज रत्न धारण करके अपने संबंधों में सुधार ला सकते हैं।

मान-सम्मान और प्रतिष्ठा–पुखराज रत्न व्यक्ति के सामाजिक जीवन में मान-सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ाता है। यह समाज में व्यक्ति की पहचान को मजबूत करता है और उसे सम्मान दिलाता है। यह रत्न पहनने से व्यक्ति का आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

मानसिक शांति – पुखराज रत्न पहनने से मानसिक शांति और स्थिरता मिलती है। यह व्यक्ति को तनाव और चिंता से मुक्ति दिलाता है और उसे मानसिक रूप से सुदृढ़ बनाता है। ध्यान और मेडिटेशन में रुचि रखने वालों के लिए यह रत्न अत्यंत लाभकारी है।

आध्यात्मिक उन्नति – आध्यात्मिक उन्नति और ध्यान में गहरी अनुभूति के लिए पुखराज रत्न बहुत उपयोगी माना जाता है। यह रत्न व्यक्ति के आध्यात्मिक जागरण को बढ़ावा देता है और उसे आध्यात्मिक पथ पर आगे बढ़ने में सहायता करता है।

रिश्तों में सुधार–पुखराज रत्न पहनने से रिश्तों में सुधार आता है। यह पारिवारिक और सामाजिक संबंधों को मजबूत करता है। दोस्तों, परिवार और सहयोगियों के साथ बेहतर तालमेल और सामंजस्य स्थापित करने में यह रत्न मदद करता है।

निर्णय क्षमता में सुधार

पुखराज रत्न व्यक्ति की निर्णय क्षमता को बेहतर बनाता है। यह व्यक्ति को सही निर्णय लेने की शक्ति प्रदान करता है और उसे जीवन में सफल बनाता है। खासकर व्यापार और करियर में सही निर्णय लेने में यह रत्न बहुत सहायक होता है।

रचनात्मकता और कला में उन्नति

यह रत्न उन लोगों के लिए भी लाभकारी होता है जो रचनात्मक क्षेत्र, जैसे लेखन, संगीत, पेंटिंग आदि में हैं। पुखराज रत्न पहनने से उनकी रचनात्मकता में वृद्धि होती है और वे अपनी कला में नए आयाम हासिल कर सकते हैं।

पुखराज रत्न कैसे पहनें?

पुखराज रत्न धारण करने का सही तरीका भी जानना आवश्यक है। इसे सोने की अंगूठी में जड़वाकर गुरुवार के दिन, शुक्ल पक्ष में, सूर्यास्त से पहले धारण करना चाहिए। इसे धारण करने से पहले किसी योग्य ज्योतिषी से परामर्श अवश्य लेना चाहिए ताकि आपको इसका पूर्ण लाभ मिल सके।

निष्कर्ष–पुखराज रत्न अपनी अनेक विशेषताओं और फायदों के कारण बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। यह न केवल आर्थिक समृद्धि और स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है, बल्कि शिक्षा, वैवाहिक जीवन, और सामाजिक प्रतिष्ठा में भी सुधार लाता है। इसके साथ ही यह मानसिक शांति, आध्यात्मिक उन्नति, रिश्तों में सुधार, निर्णय क्षमता और रचनात्मकता में भी वृद्धि करता है। यदि सही विधि और परामर्श के साथ इसे धारण किया जाए तो जीवन में कई प्रकार के सकारात्मक बदलाव देखे जा सकते हैं।

धनवान बनाने के साथ बुद्धि तेज करता हैं सफेद पुखराज

लेकिन इन 3 राशियों के लिए हो सकता है हानिकारक

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, ग्रह और नक्षत्रों की स्थिति में परिवर्तन का असर हर राशि के जातकों के जीवन पर शुभ या फिर अशुभ पड़ता है। ऐसे में ग्रहों के दुष्प्रभावों को कम करने के लिए विभिन्न तरह के उपायों के साथ-साथ रत्नों को धारण करते हैं। बता दें कि हर एक ग्रह का अपना-अपना रत्न और उपरत्न है। इन्हीं रत्नों में से एक है पुखराज। पुखराज अगर किसी व्यक्ति को फल जाए, तो रंक को राजा बनाने में देर नहीं करता है। पुखराज कई तरह के आते हैं इन्हीं में से एक है सफेद पुखराज।

रत्न शास्त्र के अनुसार, सफेद पुखराज शुक्र ग्रह का रत्न माना जाता है। इस रत्न को धारण करने से कुंडली में शुक्र की स्थिति अच्छी होती है। इसके साथ-साथ व्यक्ति को सुख-समृद्धि, धन-संपदा की प्राप्ति होती है और संतान भी उच्च पदों में कार्यरत होती है। जानिए किन लोगों को सफेद पुखराज पहनना चाहिए और किन्हें नहीं।

यह राशियां पहने सकती हैं सफेद पुखराज

मेष और वृश्चिक राशि–इन दोनों राशियों के स्वामी मंगल ग्रह है। मंगल ग्रह के शौर्य, वीरता, साहस का कारक माना जाता है। इसके साथ ही शुक्र के साथ इसका संबंध अच्छे हैं। इसलिए इस राशि के जातक सफेद पुखराज पहन सकते हैं। इससे वैवाहिक जीवन में भी खुशियां ही खुशियां आएगी।

वृषभ और तुला राशि –इन दोनों राशियों के स्वामी शुक्र ग्रह है। इसलिए इस राशि के जातक सफेद पुखराज पहन सकते हैं। इससे इस राशि के जातकों को सुख-समृद्धि, धन-संपदा की प्राप्ति हो सकती है।

मिथुन और कन्या राशि–इन दोनों राशियों के स्वामी बुध और है। और बुध और शुक्र के बीच मित्रता का भाव है। इसलिए इस राशि के जातक सफेद पुखराज पहन सकते हैं।

कर्क राशि–इस राशि के स्वीन चंद्रमा है और शुक्र के साथ इनके अच्छे संबंध है। इसलिए इस राशि के जातकों के लिए सफेद पुखराज पहनना लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

धनु और मीन राशि –इन दोनों की राशियों के स्वामी देवताओं के गुरु बृहस्पति है। गुरु और शुक्र के बीच अच्छे संबंध है। इसलिए इस राशि के जातकों के लिए सफेद पुखराज रत्न धारण करना फलकारी साबित हो सकता है। बिजनेस-नौकरी में अपार सफलता के साथ करियर में भी तरक्की मिल सकती है।

ये राशियां न पहनें सफेद पुखराज

सिंह राशि –इस राशि के स्वामी सूर्य ग्रह है। वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सूर्य और शुक्र के बीच शत्रुता का भाव है। ऐसे में इस राशि के जातकों को थोड़ा सोच-समझकर सफेद पुखराज को पहनना चाहिए।

मकर और कुंभ राशि –इन दोनों ही राशियों के स्वामी शनि देव है। इन राशियों को लोगों को सफेद पुखराज धारण करने से पहले ज्योतिषी से सलाह जरूर लेना चाहिए, क्योंकि इसका नकारात्मक प्रभाव अधिक पड़ सकता है।

जीवन की कई समस्याओं से छुटकारा दिलाते हैं ये 2 रत्न, बस जान लें धारण करने के नियम

रत्न शास्त्र में हर व्यक्ति के लिए उसकी कुंडली के आधार पर अलग-अलग रत्नों का निर्धारण किया गया है। इस प्रकार से रत्न धारण करने से साधक को जीवन की कई बड़ी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। तो चलिए जानते हैं कि कौन-से रत्न धारण करने से व्यक्ति का सोया हुआ भाग्य जाग सकता है।

आत्मविश्वास में वृद्धि करता है ये रत्न

फिरोजा रत्न एक आसमानी नीला या हरे नीले रंग का पत्थर होता है। यह सबसे प्राचीन रत्नों में से एक माना गया है। इसे माला व अंगूठी दोनों के रूप में धारण किया जाता है। माना जाता है कि इस रत्न को धारण करने से व्यक्ति को बुद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। साथ ही इससे आत्मविश्वास में भी वृद्धि होती है और करियर में भी तरक्की के योग बनते हैं।

फिरोजा धारण करने के नियम

फिरोजा रत्न को बृहस्पतिवार, गुरुवार या फिर शनिवार के दिन शुभ मुहूर्त में धारण करना चाहिए। रत्न शास्त्र की मान्यताओं के अनुसार, फिरोजा रत्न को चांदी या पंचधातु से बनी अंगूठी में धारण करना चाहिए। ये रत्न अधिकतम कला के क्षेत्र से जुड़े लोगों के द्वारा धारण करना बेहतर माना जाता है।

गुरु ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है ये रत्न

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, पुखराज गुरु ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है। यदि कुंडली में गुरु की स्थिति मजबूत हो तो व्यक्ति को जीवन में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। ऐसे में कुंडली में गुरु की स्थिति को मजबूत करने के लिए पुखराज रत्न धारण करना बेहतर माना जाता है।

जब किसी जातक की कुंडली में गुरु 6, 8 और 12वें स्थान पर होता है तो पुखराज नहीं पहनना चाहिए। इससे व्यक्ति को नुकसान उठाना पड़ सकता है। वहीं, कुंडली में धनु लग्न या मीन लग्न है तो पुखराज धारण किया जा सकता है। पुखराज रत्न को चांदी या सोने की धातु में लगाकर तर्जनी उंगली में पहनना चाहिए। इसे धारण करने के लिए गुरुवार का दिन सबसे बेहतर माना जाता है।

ये है इस रत्न की खासियत

फिरोजा एक आसमानी नीला या हरे नीले रंग का पत्थर होता है। यह सबसे प्राचीन रत्नों में से एक है। फिरोजा को बौद्ध समुदाय में पवित्र पत्थर माना गया है। इसे माला व अंगूठी दोनों के रूप में पहना जा सकता है। इसे धारण करने से किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होता।

फिरोजा रत्न धारण करने के लाभ

रत्न शास्त्र के अनुसार फिरोजा पहनने वाले व्यक्ति को बुद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। साथ ही व्यक्ति का आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

फिरोजा रत्न पहनने से बृहस्पति ग्रह की स्थिति मजबूत होती है। ऐसे में कुंडली में बृहस्पति कमजोर होने पर इस रत्न को धारण किया जा सकता है।

फिरोजा धारण करने से व्यक्ति का दांपत्य जीवन में खुशियों से भर जाता है। सामाजिक व पारिवारिक मान-सम्मान में वृद्धि होती है। साथ ही इस रत्न को धारण करने से व्यक्ति के करियर में भी सफलता के योग बनते हैं।

फिरोजा पहनने से कई तरह की बीमारियों में भी राहत मिलती है। वहीं, इसे पहनने से आपके जीवन की कई बड़ी समस्याएं हल हो जाती हैं।

इस तरह करें धारण

किसी शुभ मुहूर्त में फिरोजा रत्न का धारण किया जा सकता है। वहीं, बृहस्पतिवार, गुरुवार और शनिवार का दिन भी इस रत्न को धारण करने के लिए अच्छा माना गया है। रत्न शास्त्र में माना गया है कि फिरोजा रत्न को चांदी या पंचधातु से बनी अंगूठी में धारण करने से ज्यादा लाभ मिलता है। ये रत्न ज्यादातर कला के क्षेत्र से जुड़े लोगों के द्वारा धारण किया जाता है।

कितने करोड़ में बनीं थी कल्ट फिल्म शोले और कितना किया था कलेक्शन?

धर्मेंद्र और हेमा से लेकर अमिताभ-जया तक किसको कितनी मिली थी फीस?

धर्मेंद्र, अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, अमजद खान, हेमा मालिनी और जया बच्चन स्टारर ब्लॉकबस्टर फिल्म 'शोले' हिंदी सिनेमा के लिए एक अमर फिल्म बन चुकी है। फिल्म शोले का एक-एक किरदार लोगों के लिए यादगार बन गया है। 1975 में रिलीज हुई रमेश सिप्पी के निर्देशन में बनी शोले आज भी अपने गानों से लोगों का मनोरंजन कर रही है। शोले एक कल्ट क्लासिक फिल्म है, जिसे भुला पाना मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन है। महज 3 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने दुनिया भर में मोटी कमाई की थी। शोले में धर्मेंद्र से लेकर अमिताभ बच्चन तक इसकी अहम स्टारकास्ट को कितनी फीस मिली थी आइए जानते हैं।

अमिताभ बच्चन को मिली कम फीस

फिल्म में वीरू का रोल करने के लिए हिंदी सिनेमा के ही-मैन धर्मेंद्र ने 1।5 लाख रुपये लिए थे। फिल्म में ठाकुर बने एक्टर संजीव कुमार को 1।25 लाख रुपये और अमिताभ बच्चन को एक लाख रुपये बतौर फीस मिली थे। वहीं, फिल्म में चुलबुली और नटखट बसंती का रोल करने के लिए

हेमा मालिनी ने 75 हजार रुपये चार्ज किए थे। फिल्म में मोस्ट मेमोरेबल और हिट रोल इसके विलेन गब्बर का था, जिसे करने के लिए एक्टर अमजद खान ने 65 हजार रुपये लिए थे। फिल्म में अहम किरदारों में सबसे कम फीस जया बच्चन को मिली थी। फिल्म शोले में जया बच्चन को राधा के रोल के लिए महज 35 हजार रुपये मिले थे।

अन्य स्टारकास्ट की फीस

अन्य स्टारकास्ट की फीस की बात करें, तो सांबा का रोल करने वाले एक्टर मैक मोहन को 12 हजार रुपये, विजू खोटे को कालिया के रोल के लिए 10 हजार रुपये और एक्टर एके हंगल को इमाम साहब के रोल के लिए 8 हजार रुपये फीस मिली थी। इस तरह शोले मेकर्स ने फिल्म की अहम स्टारकास्ट को महज 4 लाख 53 हजार रुपये की फीस में ही निपटा दिया था। फिल्म के और अन्य कलाकारों में लीला मिश्रा, सचिन पिलगांवकर, अलंकार जोशी और मेजर आनंद भी शामिल हैं। शोले हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्मों की लिस्ट में शामिल है।

औरंगजेब बन दहशत फैलाने आए बॉबी देओल

हरि हर वीरा मल्लू फिल्म से दमदार लुक जारी

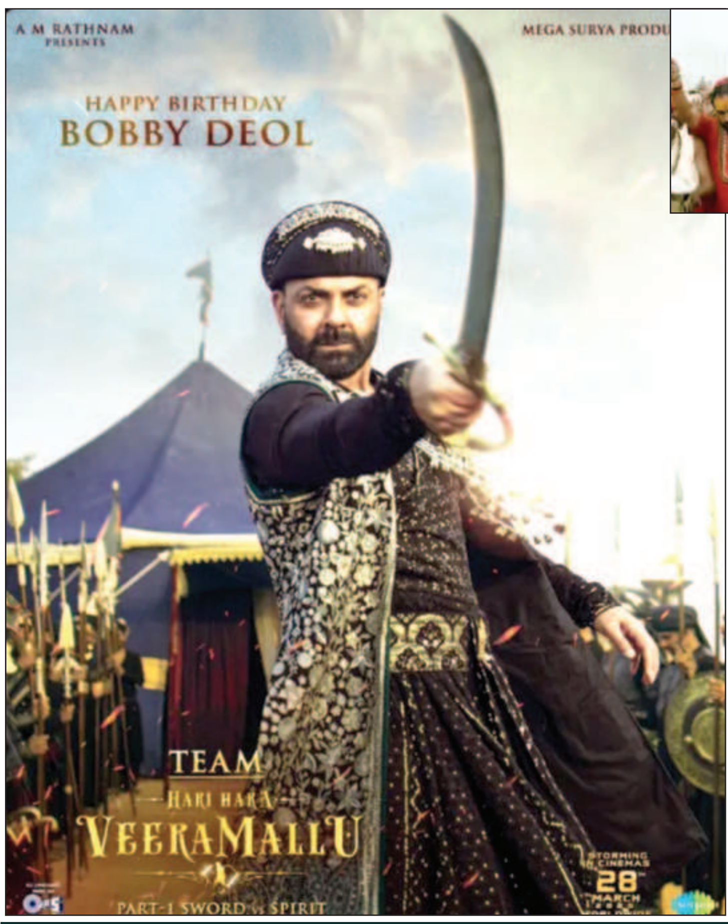

पवन कल्याण अभिनीत हरि हर वीरा मल्लू के निर्माताओं ने बॉबी देओल के 56वें जन्मदिन के खास मौके पर उनका एक स्पेशल बर्थडे पोस्टर जारी किया। इस फिल्म में बॉबी देओल खलनायक के किरदार में नजर आने वाले हैं। आखिरकार अभिनेता के इस खास दिन पर उनकी पहली झलक जारी कर दी गई है, जिसमें बॉबी दमदार लुक में नजर आ रही हैं।हरि हर वीरा मल्लू से जारी किए गए पोस्टर में बॉबी देओल एक सम्राट के रूप में एक गहन और शाही लुक में दिखाई दे रहे हैं, जिससे प्रशंसकों को पवन कल्याण की बहुप्रतीक्षित पीरियड ड्रामा में उनकी भूमिका की एक झलक मिल रही है। एक्स पर पोस्टर साझा करते हुए निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा, अतुलनीय, मैग्नेटिक स्क्रीन उपस्थिति वाले व्यक्ति बॉबी देओल को टीम हरि हर वीरा मल्लू की ओर से जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।पोस्टर में बॉबी देओल को काले रंग की आकर्षक पोशाक में तलवार पकड़े हुए दिखाया गया है, जो उनके किरदार की भयावहता को बखूबी दर्शाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वह फिल्म में मुगल बादशाह औरंगजेब की भूमिका निभा रहे हैं। बॉबी देओल ने हाल ही में डाकू महाराज के जरिए अपना तेलुगु डेब्यू किया, जहां उन्होंने नंदामुरी बालकृष्ण, उर्वशी रौतेला और प्रज्ञा जायसवाल के साथ अभिनय किया। बॉबी कोली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में देओल ने दमदार भूमिका निभाई। अब, हरि हर वीरा मल्लू में औरंगजेब की भूमिका के साथ वह पवन कल्याण के साथ स्क्रीन साझा करने के लिए तैयार हैं।इस बीच, हरि हर वीरा मल्लू का पहला सिंगल माता विनाली पहले ही धूम मचा चुका है। पवन कल्याण द्वारा गाया गया और ऑस्कर विजेता संगीत निर्देशक एमएम कीरवानी द्वारा रचित यह गाना लोगों को खूब पसंद आया। कृष जगरलामुडी द्वारा निर्देशित यह फिल्म 17वीं शताब्दी में सेट की गई है और उत्पीडऩ के खिलाफ लडऩे वाले एक डाकू की कहानी बताती है। इसमें पवन कल्याण, बॉबी देओल, निधि अग्रवाल, नरगिस फाखरी और नोरा फतेही मुख्य भूमिका में हैं। विजय डोंकडा द्वारा निर्मित, हरि हर वीरा मल्लू 28 मार्च, 2025 को एक भव्य वैश्विक रिलीज के लिए तैयार है।

मेकर्स ने पुष्पा 3 के लिए बना लिया तगड़ा प्लान

आइटम नंबर में जान्हवी कपूर चलाएगी हुस्न का जादू?

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की पुष्पा 2 ने पूरे हिंदी सिनेमा का दिल जीत लिया है। फिल्म की ताबड़तोड़ कमाई ने बाकी सभी फिल्मों को पछाड़ दिया है। अल्लू अर्जुन को उनके करियर की अब तक की सबसे बड़ी फिल्म मिल गई है, जिसने उन्हें नंबर 1 एक्टर बना दिया है। पुष्पा 2 ने 1800 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर फिल्म मेकर्स को मालामाल कर दिया है। थिएटर में 50 दिन पूरे करने के बाद भी फिल्म की कमाई थमी नहीं है।अभी भी उम्मीद की जा रही है कि यह फिल्म आमिर खान की दंगल के 2000 करोड़ के रिकॉर्ड को तोड़ सकती है। पुष्पा फ्रेंचाइजी की बात करें तो मेकर्स ने फिल्म के हर पार्ट में एक आइटम सॉन्ग रखा है, जो लोगों की जुबान से उतर ही नहीं रहा है। स्टार संगीतकार देवी श्री प्रसाद ने पुष्पा द राइज और पुष्पा द रूल में दो खास गानों ऊ अंतवा मावा और किसिक से जिस तरह का जबरदस्त धमाल मचाया था। दोनों फिल्मों के इन गानों को यूट्यूब पर भी लाखों बार देखा जा चुका है।पुष्पा 2 की ऐतिहासिक सफलता के बाद अब सबकी निगाहें पुष्पा फ्रेंचाइजी के तीसरे पार्ट पर टिकी हैं। डायरेक्टर सुकुमार ने पुष्पा 2 को एक दिलचस्प मोड़ पर खत्म किया है, आगे क्या होगा ये जानने के लिए फैंस काफी उत्साहित हैं। हाल ही में देवी श्री प्रसाद ने अपने नए बयान में पुष्पा 3 के स्पेशल सॉन्ग को लेकर बात की। देवी श्री प्रसाद की मानें तो वो अल्लू अर्जुन की पुष्पा 3 के स्पेशल सॉन्ग में बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर को देखना चाहते हैं। उनका कहना है कि जान्हवी अपनी मां श्रीदेवी की तरह ही बेहद खूबसूरत हैं।देवी श्री प्रसाद ने आगे कहा कि उन्होंने पुष्पा 2 के चार्टबस्टर किसिक गाने के लिए श्रीलीला का नाम सुझाया था, क्योंकि वो एक बेहतरीन डांसर हैं। उन्होंने ये भी कहा कि उनके द्वारा बनाए गए स्पेशल सॉन्ग में सामंथा, काजल अग्रवाल और पूजा हेगड़े ने भी अपना जादू दिखाया था।

नानी की हिट का नया पोस्टर हुआ रिलीज, तिरंगे को सलामी देते दिखे अभिनेता

नेचुरल स्टार नानी अभिनीत और डॉ. सैलेश कोलानू द्वारा निर्देशित बहुप्रतीक्षित क्राइम थ्रिलर हिट: द थर्ड केस ने गणतंत्र दिवस विशेष पोस्टर जारी किया है। नानी के यूनिनस प्रोडक्शंस के साथ साझेदारी में वॉल पोस्टर सिनेमा के बैनर तले प्रशांति टिपिरनेनी द्वारा निर्मित, फिल्म की शूटिंग आगे बढ़ रही है। पोस्टर में नानी हाथ में बंदूक लिए खड़े हैं और भारतीय ध्वज को सलामी दे रहे हैं और उनके दोनों ओर सेना के जवान हैं, जो फिल्म में मनोरंजक एक्शन और देशभक्ति के विषयों का संकेत देते हैं। पोस्टर

गणतंत्र दिवस की भावना के लिए एक उपयुक्त श्रद्धांजलि के रूप में कार्य करता है और प्रशंसक नानी को इस तीव्र अवतार में देखने के लिए उत्साहित हैं। फिल्म में नानी के साथ मुख्य भूमिका में श्रीनिधि शेट्टी भी हैंप्रोडक्शन डिज़ाइन श्री नागेंद्र तंगला द्वारा संभाला गया है, जबकि साउंड मिक्स सुरेन जी द्वारा किया गया है। हिट: द थर्ड केस 1 मई को रिलीज़ के लिए तैयार हो रही है, और प्रशंसक नानी को एक्शन में देखने के लिए बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। अपनी मनोरंजक कहानी, तीव्र एक्शन दृश्यों और देशभक्ति विषयों के साथ, हिट: द थर्ड केस के एक बड़ी हिट होने की उम्मीद है।जैसे-जैसे हिट: द थर्ड केस की रिलीज़ की तारीख नज़दीक आ रही है, प्रशंसक फ़िल्म में और अपडेट और झलकियाँ देखने की उम्मीद कर सकते हैं। अपने प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रू के साथ, हिट: द थर्ड केस एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव देने के लिए तैयार है जो दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखेगा।

नोरा फतेही ने शॉर्ट ड्रेस में पैपराजी के सामने प्लान्ट किया परफेक्ट फिगर

अपने डांसिंग स्टाइल से लोगों को दीवाना बनाने वाली एक्ट्रेस नोरा फतेही आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। एक्ट्रेस अपनी हॉटनेस के चलते आए दिन सुर्खियों में बनी रहती हैं। हाल ही में पैपराजी ने एक्ट्रेस को कही पर जाते हुए स्पॉट किया। इस दौरान उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।

नोरा फतेही आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर कर फैंस को अपने हुस्न का दीवाना बनाए रहती हैं। उनका स्टनिंग अंदाज इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है।एक्ट्रेस नोरा फतेही का हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही ट्रेंड करने लगता है। चाहे इंडियन हो या फिर वेस्टर्न एक्ट्रेस अपने हर एक लुक में बवाल काटती हैं।अब हाल ही में नोरा फतेही को पैपराजी ने कहीं पर जाते हुए स्पॉट किया। इस दौरान उनका लेटेस्ट लुक इंटरनेट पर आते ही छा गया।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस नोरा फतेही ने व्हाइट कलर का शॉर्ट ड्रेस पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग पोज देती हुई नजर आ रही हैं।नोरा फतेही की इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने हाथ में छोटा सा बैग व्हाइट हील्स, लाइट मेकअप और खुले बाल कर के अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।बता दें कि जब भी कोई इवेंट या पार्टी होती है तो पैपराजी अक्सर सेलेब्स को अपने कैमरे में कैद करने के लिए बेताब रहते हैं। उनका हर एक लुक अपने कैमरे में कैप्चर कर सोशल मीडिया पर शेयर करते हैं, जिससे फैंस को भी एक झलक देखने को मिल पाती है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,ली,लू,ले,लो,अ

मानसिक दबाव के बावजूद आपकी सेहत अच्छी रहेगी। धन की आवक तेजी आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। जो लोग आपके करीब हैं, वे आपका ग़लत फ़ायदा उठा सकते हैं। आपका साहस आपको प्यार दिलाने में सफल रहेगा। आज आप दूसरे दिनों की तुलना में अपने लक्ष्यों को कुछ ज़्यादा ही ऊँचा तय कर सकते हैं। अगर परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ न आए, तो निराश न हों। अगर आप शादीशुदा हैं और आपके बच्चे भी हैं तो वो आज आपसे शिकायत कर सकते हैं क्योंकि आप उनको पर्याप्त समय नहीं दे पाते।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सिर्फ़ अक़्लमंदी से किया गया निवेश ही फलदायी होगा– इसलिए अपनी मेहनत की कमाई सोच–समझ कर लगाएं। कुछ भी चालाकी भरे काम को करने से बचें। मानसिक शांति के लिए इन तरह के कामों से दूर रहें। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन वो अपनी परेशानियों के बारे में बता के आपको और ज्यादा परेशान कर देंगे। कार्यक्षेत्र में हालात आपके पक्ष में रुख़ करते मालूम होंगे। आप उन लोगों की तरफ़ मदद का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। शाम के खाने के साथ चीज़ें मन मुताबिक़ होंगी।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। बच्चे उम्मीदों पर खरे न उतरकर आपको निराश कर सकते हैं। सपनों को साकार करने के लिए उन्हें प्रोत्साहन देने की ज़रूरत है। जो अपने काम पर एकाग्र रहेंगे, उन्हें पुरस्कार और फ़ायदा दोनों ही मिलेंगे। शाम का वक्त अच्छा रहे इसके लिए आपको दिनभर मन लगाकर काम करने की जरूरत है। आपको और आपके जीवन साथी के बीच विश्वास की कमी रह सकती है। जिससे आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपको समझ आ सकता है कि धन को बिना सोचे विचारे खर्च करना आपको कितना नुकसान पहुंचा सकता है। अपने दिन की योजना सावधानी से तय करें। ऐसे लोगों से बात करें, जो आपकी मदद कर सकते हैं। जिनकी सगाई हो चुकी है, वे अपने मंगेतर से बहुत–सी ख़ुशियाँ पाएंगे। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। आपका जीवनसाथी आज ऊर्जा और प्रेम से भरपूर है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अगर आपकी योजना बाहर घूमने–फिरने की है तो आपका वक़्त हँसी–ख़ुशी और सुकून भरा रहेगा। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ कारोबारियों को अच्छा–खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। कुछ लोग जितना कर सकते हैं, उससे कई ज़्यादा करने का वादा कर देते हैं। आपकी मुलाक़ात एक ऐसे दोस्त से होगी, जिसे आपका ख़याल है और जो आपको समझता भी है। अगर परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ न आए, तो निराश न हों। जीवनसाथी के साथ आज की शाम वाक़ई ख़ूब खास होने वाली है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल किसी मुश्किल में फँसे इंसान की मदद करने के लिए करें। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएं। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढ़ाएंगे। सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है। दफ़्तर में हुए बदलावों से आपको आखिरकार लाभ ही मिलेगा। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शौकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं जीवनसाथी के साथ वाद–विवाद होने की काफ़ी संभावना है।

तुला – र,रा,री,रू,रे,रो,ता,ति,तु,ते

आँखों के मरीज़ प्रदूषित जगहों पर जाने से बचें, क्योंकि धुंआ आपकी आँखों को और नुक़सान पहुँचा सकता है। अपने बच्चों के लिए कुछ ख़ास योजना बनाएं। सुनिश्चित करें कि आपकी योजनाएँ यथार्थवादी हैं और उन्हें अमली जामा पहनाना मुमकिन है। आने वाली पीढ़ी इस तोहफ़े के लिए आपको हमेशा याद रखेगी। प्रेम–जीवन में आशा की नयी किरण आयेगी। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। आपका जीवनसाथी किसी फ़रिश्ते की तरह आपका बहुत ध्यान रखेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान में रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है। ऐसी स्थिति में ख़ुद पर काबू रखें। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल सम्भावना है। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। अपने किसी मित्र के साथ आप समय बिता सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरूरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। जब आप अकेलापन महसूस करें तो अपने परिवार की मदद लीजिए , यह समझदारी भरा फ़ैसला लेने में आपकी मदद करेगा। मार्केटिंग के क्षेत्र में काम करने की आपकी महत्वाकांक्षा फलीभूत हो सकती है। इससे आपको बेहद ख़ुशी मिलेगी और इस काम को पाने के लिए झेली गयी सारी मुसीबतें मिट जाएंगी। अगर आप ख़रीदारी पर जाएं तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपकी सेहत ठीक रहेगी, लेकिन यात्रा आपके लिए थकाऊ और तनावपूर्ण साबित हो सकती है। जीवनसाथी के पैसों से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर आज बहस होने की आशंका है। आपकी फिज़ूलखर्ची पर आपको लेक्चर दे सकता है। नयी चीज़ों पर ध्यान लगाएं और अपने सबसे अच्छे दोस्त की मदद लें। तब तक कोई वादा न करें, जब तक आप ख़ुद यह न जानते हों कि आप उसे हर क़ीमत पर पूरा करेंगे। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। आज ही लंबे वक़्त से चले आ रहे झगड़ों को सुलझा लें, क्योंकि हो सकता है कि कल बहुत देर हो जाए। आपके वरिष्ठ किसी भी बहाने से दिलचस्पी नहीं जाहिर करेंगे । सेमिनार और प्रदर्शनी आदि आपको नई जानकारियाँ और तथ्य मुहैया कराएंगे। जीवनसाथी का बर्ताव आपके पेशेवर रिश्तों पर ग़लत असर डाल सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

वैसे तो अपना पैसा दूसरे को देना किसी को पसंद नहीं आता लेकिन आज आप किसी जरुरतमंद को पैसा देकर सुकून का अनुभव करेंगे। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। आपके आस–पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 30 जनवरी 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ, शुक्ल पक्ष
तिथि : प्रतिपदा सायं 04:13 तक
नक्षत्र : श्रवण प्रातः 07:16 तक
योग : व्यतिपात सायं 06:33 तक
करण : गर सायं 05:40 तक
चन्द्रराशि : मकर सायं 06:35 तक
सूर्योदय : 06:49, सूर्यास्त 06:06 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:48 , सूर्यास्त 06:10 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 06:11 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:38 , सूर्यास्त 06:03 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00

दिशाशूल : दक्षिण दिशा उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें दिन विशेष : गुप्त नवरात्र आरंभ , चन्द्रदर्शन , महात्मा गांधी पुण्यतिथि , पंचक आरंभ सायं 06:15 से

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

विधानसभा अध्यक्ष ने सभी दलों को सदन संचालन में सहयोगी बनने का किया आव्हान

विधानसभा में सर्वदलीय बैठक सम्पन्न

जयपुर,29 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि राजस्थान विधानसभा का यह पवित्र सदन प्रदेश की आठ करोड़ जनता का प्रतिनिधित्व करता है। सदन की कार्यवाही को आम जनता देखती है। प्रदेश की जनता से चुनकर आये जनप्रतिनिधिगण अपने आचरण और व्यवहार से जन आकांक्षाओं के अनुकूल आदर्श प्रस्तुत करें। देवनानी ने कहा कि विधान सभा सदन नियमों, परम्पराओं व मर्यादाओं से चलता है। उन्होंने सभी दलों से सदन को शांतिपूर्वक चलाने में सहयोग करने और सार्थक बहस में अपनी बात समय सीमा में रखने के लिए कहा है।

सोलहवीं राजस्थान विधान सभा के तृतीय सत्र की बैठकें शुक्रवार 31 जनवरी से आरम्भ होगी। इससे पहले बुधवार को विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की अध्यक्षता में विधान सभा में सर्वदलीय बैठक सम्पन्न हुई। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि सोलहवीं राजस्थान विधान सभा का सदन नये कलेवर में तैयार हो गया है। सदन को वन–नेशन–वन एप्लीकेशन के तहत टेब लगाकर तैयार कर दिया गया है। सदन में सार्थक चर्चा और राज्यपाल अभिभाषण को पक्ष और प्रतिपक्ष के सभी सदस्यगण शान्तिपूर्ण सुनने के लिए बैठक में सहमती बनी।

देवनानी ने कहा कि सदस्य सदन में मर्यादित व्यवहार करें और वैल में नहीं आएं। सभी सदस्यों को नियमों के अनुसार बोलने का मौका मिलेगा। विधान सभा का सदन अधिक से अधिक दिन चले इसके लिए सभी दलों को सकारात्मक सोच रखनी होगी। उन्होंने कहा कि सदन को चलाने की जिम्मेदारी सोलहवीं विधान सभा के सभी सदस्यों की है।

अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बताया कि सोलहवीं विधान सभा के 90 प्रतिशत प्रश्नों के जवाब विधान सभा को प्राप्त हो गये है। देवनानी ने कहा कि यह शुभ लक्षण है। शेष रहे प्रश्नों के जवाब भी विधान सभा को शीघ्र प्राप्त हो जाएंगे। बैठक में विधान सभा को 90 प्रतिशत प्रश्नों के जवाब प्राप्त होने के लिए विधान सभा अध्यक्ष द्वारा किये गये प्रयासों की मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा तथा नेता प्रतिपक्ष सहित सभी ने सराहना की। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि सभी दलों को चर्चा के लिए नियमानुसार समय आवंटित किया जायेगा।

आयुष्मान टॉवर में आग, चिकित्सा मंत्री ने घटनास्थल का लिया जायजा

निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा और सावधानी बरतने के दिए निर्देश

जयपुर,29 जनवरी (एजेंसियां)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने सवाई मानसिंह अस्पताल परिसर में निर्माणाधीन आयुष्मान टॉवर में आग लगने की सूचना पर आयुष्मान टॉवर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

खींवसर ने आयुष्मान टॉवर में घटना स्थल पर पहुंचकर आगजनी की स्थिति को देखा और अधिकारियों से आग लगने के कारण एवं वस्तु स्थिति के बारे में जानकारी ली। सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ.दीपक माहेश्वरी ने बताया कि निर्माणाधीन परिसर में काम आ रही सामग्री के पैकिंग मैटेरियल एवं कचरे आदि में वैल्डिंग के कार्य के दौरान चिंगारी से आग लग गई थी, जिसे तुरंत ही बुझा दिया गया था। आग से किसी भी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ है।

चिकित्सा मंत्री ने वस्तु स्थिति का अवलोकन करने के बाद निर्देश दिए कि निर्माण कार्य के दौरान सावधानी एवं सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाए ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की कोई दुर्घटना नहीं हो। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि आयुष्मान टॉवर के निर्माण में गुणवत्ता का भी विशेष ध्यान रखा जाए।

कनिष्ठ विधि अधिकारी को एक लाख की रिश्वत लेते पकड़ा

जयपुर,29 जनवरी (एजेंसियां)। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी चौकी भरतपुर इकाई द्वारा बुधवार को कार्रवाई करते हुए प्रशान्त गुप्ता कनिष्ठ विधि अधिकारी, आवासन मण्डल जयपुर को एक लाख रुपए रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया है।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी चौकी भरतपुर को एक शिकायत इस आशय की मिली कि परिवादी के पिता के नाम राजस्थान हाउसिंग बोर्ड की विशिष्ठ पंजीकरण योजना 2003 के अन्तर्गत इंदिरा गांधी नगर जगतपुरा में आवास आवंटित हुआ था। पिता की मृत्यु पश्चात उक्त आवास का स्थानान्तरण परिवादी के नाम हो गया था उक्त अधिकारी द्वारा उक्त आवास का मांग पत्र जारी करने की एवज में 2,50,000 रुपए की रिश्वत की मांग कर परेशान किया जा रहा है।पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में आज ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपी प्रशान्त गुप्ता कनिष्ठ विधि अधिकारी, आवासन मण्डल जयपुर को एक लाख रुपए रिश्वत लेते हुए ट्रेप किया गया है एवं संदिग्ध अनिल पालीवाल उप सचिव आवासन मंडल जयपुर की भूमिका की जांच की जा रही है।

सड़क सुरक्षा के लिए सामाजिक जिम्मेदारी समझते हुए कार्य हो : राज्यपाल

जयपुर,29 जनवरी (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सड़क सुरक्षा के लिए सामाजिक जिम्मेदारी समझते हुए कार्य किए जाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोके जाने के लिए ड्राइवर प्रशिक्षण जरूरी है। उन्होंने चालकों को सड़क सुरक्षा के प्रति सजग रहने, सुरक्षित वाहन चलाने और इस संबंध में वाहन मालिकों को भी मानवीय पहलू रखते हुए चालकों के निश्चित समय पर विश्राम की व्यवस्था करने की बात कही। उन्होंने वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग नहीं करने, ड्राइवर द्वारा आपात स्थिति में समझ रखते हुए सुरक्षा निर्णय लेने आदि पर भी जोर दिया। उन्होंने आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए सड़क सुरक्षा प्रबंधन के लिए मिलकर कार्य किए जाने का आह्वान किया।

बागडे बुधवार को पिंकसिटी प्रेस क्लब में सड़क सुरक्षा प्रबंधन और चुनौतियाँ विषयक संगोष्ठी में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सुरक्षित यात्रा के लिए गाड़ी की स्पीड लॉक रखने और गति नियंत्रित रखने के साथ सुरक्षित सड़क प्रबंधन के लिए प्रभावी प्रयास किए जाने पर जोर दिया है। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं को रोके जाने, दुर्घटनाग्रस्त की तत्काल सहायता और चिकित्सा व्यवस्था करने और इस सम्बन्ध में जागरूकता का प्रसार किए जाने का आह्वान किया है।

राज्यपाल ने आरंभ में सड़क दुर्घटनाओं के दौरान मदद करने में संलग्न व्यक्तियों को देवदूत सम्मान से सम्मानित किया।

साइबर ठगी करने वाले पांच आरोपी गिरफ्तार

जयपुर,29 जनवरी (एजेंसियां)। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर प्रदेशभर चलाए जा रहे ऑपरेशन साइबर शील्ड के अंतर्गत हनुमानगढ पुलिस ने बडी कार्रवाई कर फर्जी फर्म बनाकर फर्म के नाम से फर्जी बैक अकांउट खोल इन म्यूल अकाउट्स मे 26 करोड रूपये का लेनदेन कर साइबर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसपी अरशद अली ने बताया कि इनके पास से पुलिस ने विभिन्न बैकों खातो की 60 पासबुक व चैकबुक, 32 एटीएम व डेबिट कार्ड, 11 मोबाईल, 08 सिम, 07 रबड़ की फर्जी स्टाम्प मोहर एवं बैक सम्बंधी डॉक्यूमेंट बरामद किये है।

महिला हत्याकांड का पर्दाफाश, पति ही निकला कातिल

नूंह,29 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के नूंह में थाना बिछोर के अंतर्गत हाजीपुर गोहता गांव में मंगलवार–बुधवार की रात महिला सुन्नति की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। नूंह पुलिस की सीआईए टीम ने इस हत्याकांड का पर्दाफाश कर दिया है। महिला की हत्या का मुख्य आरोपी उसका पति इनायत ही निकला। इनायत ने पत्नी के चरित्र पर शक होने के कारण इस वारदात को अंजाम दिया था।

पुलिस ने इनायत को गिरफ्तार कर लिया है। उसके कब्जे से हत्या में इस्तेमाल किया गया अवैध देसी तमंचा, एक खाली खोल व एक मोबाइल बरामद किया है। वहीं, हत्याकांड के दूसरे आरोपी को भी सीआईए पुन्हाना पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। हालांकि, मुठभेड़ में सीआईए पुन्हाना प्रभारी निरीक्षक संदीप मोर भी गोली लगने से घायल हो गए। उनके हाथ के अंगूठे में गोली लगी है। दूसरे आरोपी की पहचान शाकिर के रूप में हुई है। इनायत ने वारदात को अंजाम देने के लिए शाकिर से अवैध हथियार लिया था। शाकिर के खिलाफ अलग से थाना सदर पुन्हाना में केस दर्ज किया गया है। इससे पहले भी उसके खिलाफ 12 मुकदमे अपहरण, लूट, डकैती इत्यादि के दर्ज हैं।

पुलिस उपाधीक्षक प्रदीप खत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि हाजीपुर गोहता गांव में हुए हत्याकांड के बाद पुलिस अधीक्षक नूंह विजय प्रताप के निर्देश पर पुलिस तेजी से जांच में जुटी थी। हत्याकांड के बाद सीआईए टीम ने शक के आधार पर पूछताछ के लिए मृतका के पति इनायत को ही हिरासत में लिया। पूछताछ में पुलिस का शक सही साबित हुआ। सीआईए टीम के मुताबिक, इनायत को अपनी पत्नी सुन्नति पर किसी से अवैध संबंध को लेकर शक था। उसे रात में सिंचाई के दौरान हत्या का षड्यंत्र रचा। इनायत ने शाकिर से हत्या के लिए अवैध हथियार लिया था।

उन्होंने आगे बताया कि इनायत से पूछताछ के मुताबिक, पुन्हाना सीआईए प्रभारी संदीप मोर के नेतृत्व में गठित टीम ने आरोपी शाकिर को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। शाकिर बाइक पर सवार होकर खेड़ला बिजली बोर्ड के रास्ते से तिरवाड़ा की तरफ जाने वाला था। सूचना के आधार पर पुलिस ने जुरहेड़ा सड़क नाले पर नाकाबंदी की। थोड़ी देर बाद बाइक पर सवार एक युवक आया। उसने नाकेबंदी को देखकर भागते हुए पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने उसका पीछा किया। इस दौरान गति तेज होने के कारण आरोपी की बाइक असंतुलित होकर गिर गई।

एसीबी की अम्बाला टीम ने एईटीओ को रिश्वत लेते पकड़ा

पंचकूला,29 जनवरी (एजेंसियां)। एंटी करप्शन ब्यूरो (ए.सी.बी.) की अम्बाला टीम ने आज 29 जनवरी 2025 को दिनेश कुमार, ए.ई.टी.ओ. (आबकारी विभाग, कैथल) को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी ने रिछपाल, एक शिकायतकर्ता से 1,40,000/- रुपये रिश्वत के रूप में मांगे थे।

शिकायतकर्ता रिछपाल ने अपनी शिकायत में बताया कि उसने और उसके दोस्त धर्मपाल ने वर्ष 2019-2020 के लिए गुहला हल्का में शराब के ठेके लिए आ-वेदन किया था। इसके लिए उन्होंने आबकारी विभाग में अपनी ज़मीन (6 कनाल 11 मरले) को सिक्योरिटी के रूप में जमा किया था। हालांकि, मैसर्ज धर्मपाल एण्ड कम्पनी द्वारा उपरोक्त अवधि की आबकारी फीस 7 करोड़ रुपये जमा नहीं की गई थी। इसके बाद, आबकारी विभाग ने शिकायतकर्ता की संपत्ति को अटैच करने की कार्रवाई शुरू की थी। आगे बढ़ते हुए, दिनेश कुमार ने शिकायतकर्ता से उसकी संपत्ति को अटैच होने से बचाने के लिए 5,00,000/- रुपये रिश्वत की मांग की थी। हालांकि, दोनों के बीच समझौते के तहत रिश्वत की रकम को घटाकर 2 लाख रुपये तय किया गया। आरोपी ने पहले ही 60,000/- रुपये रिश्वत ले ली थी और अब वह 1,40,000/- रुपये की मांग कर रहा था। शिकायतकर्ता की शिकायत के बाद, ए.सी.बी. ने अम्बाला टीम द्वारा पूरी कार्रवाई की। टीम ने रिछपाल को रिश्वत की राशि लेकर दिनेश कुमार के पास भेजा। आरोपी को कैथल के समाज कल्याण विभाग कार्यालय के सामने रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया।

बिजली बिल में अनाप–शनाप चार्ज जोड़कर आम जनता को लूट रही भाजपा सरकार : हुड्डा

चंडीगढ़,29 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि लगातार भाजपा सरकार जनता पर महंगाई का बोझ बढ़ाने में लगी है। बिजली की दरों में बढ़ोतरी करने के बाद अब जनता से नॉन एनर्जी चार्ज के नाम पर लूट की जा रही है। बिजली बिलों में नॉन एनर्जी चार्ज जोड़कर उपभोक्ताओं के पास उनकी रीडिंग से ज्यादा बिल भेजे जा रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि जितनी बिजली लोग उपभोग करते हैं, उससे भी दो गुना से ज्यादा चार्ज जोड़कर उन्हें बिल थमाए गए हैं। बिजली कनेक्शन लेते समय उपभोक्ता विभाग को सिक्योरिटी जमा करवाता है। इसके बावजूद अब नॉन एनर्जी चार्ज के नाम पर हो रही इस अतिरिक्त वसूली से जनता बेहद परेशान है। लोग अपने बिजली बिलों को दुरुस्त करवाने के लिए विभाग के चक्कर काटने को मजबूर हैं।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि पहले से ही महंगाई की मार झेल रही जनता को कोई राहत देने के बजाय, भाजपा उन्हें परेशान करने के लिए नए–नए तरीके ढूंढती रहती है। पूरे कार्यकाल में कोई नया पावर प्लांट लगाना तो दूर, बीजेपी ने एक यूनिट भी बिजली उत्पादन नहीं किया। बावजूद इसके वो लगातार बिजली को महंगी करके जनता की परेशानी बढ़ा रही है। चंद दिन पहले ही सरकार ने 84 लाख बिजली उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट 47 पैसे फ्यूल सरचार्ज एडजस्टमेंट के नाम पर लूटने का फरमान सुनाया था। इसके चलते 201 यूनिट बिजली खर्च होने पर प्रत्येक उपभोक्ता को 94.47 रुपये ज्यादा भुगतान करना पड़ेगा।हुड्डा ने कहा कि सरकार बिजली को महंगा करने और एडवांस वसूली का खेल बंद करे। नहीं तो इसके खिलाफ कांग्रेस विधानसभा में आवाज उठाएगी।

भ्रष्टाचार में डूब रही है विकास कार्यों के लिए आई धनराशि

सरकार ले रही है कर्ज पर कर्ज : सैलजा

चंडीगढ़,29 जनवरी (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा की भाजपा सरकार भ्रष्ट अफसरशाही पर अंकुल लगाने में पूरी तरह से विफल रही है, विकास कार्यों के लिए आई धनराशि भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही है, साथ ही जनता से किए गए वायदों को पूरा करने के लिए सरकार को कर्ज पर कर्ज लेना पड़ रहा है, कर्ज में पहले से आकंठ डूबा प्रदेश कर्ज के दलदल में और फंसता जा रही है, सरकार अपनी जान बचाने के लिए जनता पर और अधिक आर्थिक बोझ डाल रही है। सरकार को कोई भी नई घोषणा करने से पूर्व धन का प्रबंध करना होगा।

मीडिया को जारी बयान कुमारी सैलजा ने कहा है कि भाजपा सरकार कर्ज में डूबती जा रही है, हालात ये है कि कर्ज को उतारने के लिए और कर्जा लेना पड़ रहा है। वोट की खातिर सरकार वायदे पर वायदे करने से गुरेज नहीं करती और जब वायदों को पूरा करने की बात आती है कि धन की कमी के चलते पूरा नहीं कर पाती। अब नई गारंटियों और मुफ्त की योजनाओं को लागू करने के लिए सरकार को मंथन करना होगा। अगर संकल्प पूरा करने के लिए सरकार कर्ज नहीं लेती तो यह जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालेगी, अगर जनता की जेब से पैसा निकालकर जनता को ही देना है तो भाजपा ऐसी झूठी घोषणाएं कर जनता को गुमराह क्यों करती है।

गैंगस्टर काला जठेड़ी की पत्नी अनुराधा चौधरी का तिहाड़ प्रशासन पर गंभीर आरोप

सोनीपत,29 जनवरी (एजेंसियां)। गैंगस्टर संदीप उर्फ काला जठेड़ी की पत्नी अनुराधा चौधरी ने तिहाड़ जेल के अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं और अपने पति की हत्या होने की आशंका जताई है। अनुराधा का आरोप है कि उसके पति पर जेल में कुछ दिनों पहले हमला हुआ था।

दरअसल, लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सरगना संदीप उर्फ काला जठेड़ी के बैरक से 21 जनवरी को एक फोन बरामद हुआ था। इस पर अनुराधा ने कहा कि जेल प्रशासन के लोग अपने काले कारनामे को छिपाने के लिए ऐसा कर रहे हैं। मैंने जेल डीजी का वर्जन सुना है। मैं यह पूछना चाहती हूं कि मोबाइल मिलना कितनी बड़ी बात है, उसकी सजा कितनी होती है। जो आदमी मकोका और यूपीए का ट्रायल फेस कर रहा हो, उसके लिए मोबाइल केस की सजा क्या मायने रखती है।अनुराधा ने कहा कि डीएस संजय कह रहे हैं कि उनकी ऊपर तक पहुंच है। उन्होंने कहा कि लोकल थाना हरिनगर कभी भी आपकी शिकायत नहीं लिखेगा।

जसबीर सिंह, कानूनगो को भ्रष्टाचार मामले में 5 साल की सजा

पंचकूला,29 जनवरी (एजेंसियां)। माननीय अदालत अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, जीन्द ने हल्का गतौली, जिला जीन्द के कानूनगो जसबीर सिंह को भ्रष्टाचार के आरोप में 5 साल की सजा सुनाई है।

शिकायतकर्ता हरिओम ने 02 जून 2022 को ए.सी.बी. करनाल में शिकायत दर्ज कराई थी कि गांव गतौली में अपनी कृषि भूमि के कमउंतबंजपवद (सरहदबंदी) के मामले में जसबीर सिंह, कानूनगो ने उनसे 5,000/- रुपये रिश्वत की मांग की। शिकायत के आधार पर ए.सी.बी. करनाल की टीम ने 02 जून 2022 को जसबीर सिंह को रिश्वत की राशि लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। इस मामले में धारा 7 भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम, 1988 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

गंगा घाटों पर आस्था की डुबकी के लिए भक्तों का सैलाब, बाबा गरीब नाथ मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। देशभर में श्रद्धा और आस्था के पर्व मौनी अमावस्या पर बिहार के विभिन्न जिलों में भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। बक्सर के रामरेखा घाट, नाथ बाबा घाट, सत्ती घाट समेत अन्य गंगा घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं ने पुण्य स्नान किया। वहीं, मुजफ्फरपुर के बाबा गरीब नाथ मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। लोग अहले सुबह से ही हर-हर महादेव के जयघोष के साथ गंगा स्नान करने पहुंचे और मंदिरों में जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की।

बक्सर के रामरेखा घाट पर मौनी अमावस्या के दिन गंगा स्नान करने का विशेष महत्व माना जाता है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड और पश्चिम बंगाल से यहां पहुंचे और गंगा में डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित किया। श्रद्धालुओं ने मौन रहकर स्नान किया और दान-पुण्य कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

वहीं, घाटों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। सदर एसडीओ धीरेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि सभी घाटों पर पुलिस बल और मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई थी। इसके अलावा बोट पर गोताखोरों की टीम और क्यूआरटी (त्वरित प्रतिक्रिया दल) को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैनात किया गया था।

रामरेखा घाट के पुजारी लाला बाबा ने बताया कि गंगा स्नान से कुंडली के अशुभ ग्रहों का प्रभाव कम होता है और पापों का नाश होता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन देवी-देवता और पितर भी गंगा में स्नान करने आते हैं। इस बार माघी अमावस्या पर मकर राशि में सूर्य, बुध और चंद्रमा का शुभ संयोग बन रहा है, जिससे यह दिन और भी पावन हो गया है। मुजफ्फरपुर में मौनी अमावस्या को लेकर श्रद्धालुओं का बाबा गरीब नाथ मंदिर में जनसैलाब उमड़ पड़ा। भक्त अहले सुबह से ही बूढ़ी गंडक नदी के पवित्र घाटों पर स्नान कर मंदिर पहुंचे और बाबा गरीब नाथ का जलाभिषेक किया।

मंदिर के प्रधान पुजारी पंडित विनय पाठक ने बताया कि इस विशेष अवसर पर मंदिर में भक्तों के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। मान्यता है कि मौनी अमावस्या की तिथि भगवान श्रीहरि विष्णु, शनि देव और पितरों को समर्पित है। इस दिन मौन व्रत रखकर गंगा स्नान करने और पूजा-अर्चना करने से सभी दुखों का नाश होता है और मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। घाटों पर पुलिस बल तैनात किए गए थे। मंदिर प्रशासन ने भीड़ नियंत्रण के लिए विशेष बैरिकेडिंग की थी। साथ ही, किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एम्बुलेंस और प्राथमिक चिकित्सा सेवाएं भी मुहैया कराई गई थीं।

मौनी अमावस्या के अवसर पर श्रद्धालुओं ने गरीबों और जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र और दान देकर पुण्य अर्जित किया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन किया गया दान कई गुना फलदायी होता है और इससे पितरों को शांति मिलती है।

शिक्षक को अपराधियों ने गोलियों से भूना, हालत गंभीर

सीवान(एजेंसियां)। सीवान में बौखौफ़ अपराधियों ने एक शिक्षक को गोली मार कर घायल कर दिया है। शिक्षक की हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना जामो थाना क्षेत्र के पलटू हाता गांव के पास की है। घायल शिक्षक की पहचान ललन मांझी के रूप में हुई है। आज सुबह में अपराधियों ने दरभंगा में एक शिक्षक की गोली मारकर हत्या कर दी थी। वह उस समय स्कूल जा रहे थे।

घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि शिक्षक ललन मांझी शाम में स्कूल से पढ़ाकर घर लौट रहे थे। तभी पलटू हाता गांव के पास पहुंचे ही थे की पहले से घात लगाए अपराधियों ने उन्हें घेर लिया, और उनपर ताबड़तोड़ गोली चलाने लगे। गोली लगते ही शिक्षक घायल होकर जमीन पर गिर पड़े और फिर अपराधी हथियार लहराते हुए फरार हो गए।

घटना के बाद आसपास के लोगों ने घायल शिक्षक को इलाज के लिए सीवान सदर आस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उनकी नाजुक हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया है।

घटना के संबंध में ग्रामीणों का कहना है कि इसके पहले भी ललन मांझी पर हमला हो चुका है। अपराधियों ने उन्हें निशाना बनाया था। उनके साथ मारपीट की गई थी। गनीमत रही कि शिक्षक ललन मांझी उस हमले में बाल-बाल बच गए थे। उस घटना के कुछ ही माह के बाद फिर अचानक शिक्षक ललन माझी को घेर कर अपराधियों ने गोली मार दी है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

घटना के संबंध में जामो थाना प्रभारी अभिनंदन कुमार ने बताया कि अपराधियों ने एक शिक्षक को गोली मार दी है। घटना के क्या कारण हैं, किस अपराधी के द्वारा इस घटना को अंजाम दिया गया है, फिलाहल स्पष्ट नहीं हुआ है। इसका पता लगाया जा रहा है। थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले की जांच हर एंगल से की जा रही है। इसके पूर्व में भी शिक्षक के साथ मारपीट की घटना हो चुकी है।

कटिहार में पहुंची प्रगति यात्रा

सीएम नीतीश कुमार ने लोगों को दी करोड़ों रुपये की योजनाओं की सौगात

पटना (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा आज कटिहार पहुंची। मुख्यमंत्री हवाई मार्ग से कटिहार पहुंचे। सबसे पहले अमदाबाद प्रखंड के गोगाबिल झील का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके बाद कोढ़ा प्रखंड के रामपुर गांव में करोड़ों रुपये के विकास योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। उनके साथ बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी, नीरज कुमार बबलू और कई वरीय आईएएस अधिकारी मौजूद थे। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि कटिहार जिले में सब तरह के काम करा दिये हैं कुछ नये काम और कराये जाएंगे। इसमें गोगाबील झील का संरक्षण किया जायेगा और इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जायेगा। कटिहार में राजेन्द्र स्टेडियम को स्प्रोट्स कम्पलेक्स के रूप में विकसित किया जायेगा।

इसके अलावा आजमनगर प्रखंड में स्थित पौराणिक एवं प्रसिद्ध गोरखनाथ मंदिर का विकास एवं सौदर्यीकरण किया जायेगा। इससे श्रद्धालुओं को काफी सुविधा होगी। वहीं राजेन्द्र प्रसाद पथ से मिरचाईबाड़ी रोड तक आरओबी एवं एलिवेटेड सड़क का निर्माण कराया जायेगा। इससे लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी। शहरवासियों के लिए सीएम नीतीश कुमार ने घोषणा करते हुए कहा कि कटिहार नगर निगम के अंतर्गत सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण कराया जायेगा।

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि कटिहार में जलापूर्ति योजना का क्रियान्वयन किया जायेगा। इससे लोगों को पेयजल आपूर्ति की जा सकेगी। कटिहार जिले के 6 प्रखंडों क्रमशः कटिहार, आजमनगर, कोढ़ा, फलका, बरारी एवं प्राणपुर में नये प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय भवन तथा डडखोरा प्रखंड में प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय-सह-आवासीय परिसर का निर्माण कराया जायेगा।

बिहार में परीक्षा के नाम पर छात्राओं से अवैध वसूली कर रहे शिक्षक

अब वीडियो हुआ वायरल

गोपालगंज (एजेंसियां)। बिहार के कुछ सरकारी स्कूलों में शिक्षकों पर इंटर की प्रैक्टिकल परीक्षा के नाम पर अवैध वसूली करने के आरोप लग रहे हैं। अब इससे जुड़ा गोपालगंज जिले से वायरल हो रहा है। इसमें प्रैक्टिकल परीक्षा के नाम पर शिक्षक द्वारा छात्राओं से पांच पांच सौ रुपये अवैध रूप से वसूले जा रहे। वायरल वीडियो गोपालगंज शहर के एसएस बालिका उच्च विद्यालय का है। एसएस बालिका विद्यालय में इंटर की रसायन शास्त्र की प्रायोगिक परीक्षा के नाम पर एक शिक्षक द्वारा पांच-पांच सौ रुपये वसूली की जा रही थी। इसका वीडियो किसी ने अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। फिलहाल

वायरल हो रहे वीडियो के बाद शिक्षा विभाग के अधिकारी हरकत में आए और आरोपी शिक्षक को सस्पेंड कर दिया गया है।

मंगलवार को शहर के एसएस बालिका उच्च विद्यालय में रसायन शास्त्र की प्रैक्टिकल परीक्षा चल रही थी। जिसमें शामिल होने के लिए 255 की संख्या में परीक्षार्थी विद्यालय में उपस्थित हुई थीं। आरोप है कि विद्यालय के शिक्षक व इंटरनल विवेक कुमार गुप्ता छात्राओं से पांच-पांच सौ रुपये की वसूली करने लगे। छात्राओं से वसूली का वीडियो बना कर किसी ने वायरल कर दिया। वीडियो में शिक्षक छात्राओं को लाइन लगाने के लिए कहते हैं। फिर हर छात्रा से पांच सौ की नोट लेकर जेब में रख रहे हैं। एक छात्रा गिड़गिड़ाते हुए कहती है कि सर मेरे पास बस 20 रुपये बचे है। फिर शिक्षक उससे नोट लेकर जेब में रख लेता है। हालांकि आरोपी शिक्षक ने वायरल वीडियो से अपना पल्ला झाड़ते हुए परीक्षा देने पहुंची छात्राओं से रुपये लेने से इनकार किया है।

इधर, वायरल वीडियो सामने आने के बाद जिला शिक्षा पदाधिकारी योगेश कुमार ने एक पत्र जारी किया। उन्होंने कहा कि वीडियो फुटेज से ज्ञात होता है कि विवेक कुमार गुप्ता, विषय-रसायन शास्त्र (11-12), माधव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मांझ, प्रखण्ड मांझा द्वारा वर्तमान प्रतिनियुक्त विद्यालय एसएस बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, में छात्रों से प्रायोगिक परीक्षा-2025 के समय रुपये लेते हुए दिख रहे हैं। प्रधानाध्यापक, एसएस बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के द्वारा भी प्रतिवेदित किया गया है कि वर्तमान में ये शिक्षक प्रतिनियुक्त है और प्रायोगिक परीक्षा का संचालन भी कर रहे है। उपरोक्त तथ्यों से स्पष्ट होता है कि इनके द्वारा प्रायोगिक परीक्षा में अंक देने के नाम पर पैसे ली जा रही है, जो की विडियों में स्पष्ट दिख रहा है। इस प्रकार इनके विरूद्ध प्रायोगिक परीक्षा के नाम पर पैसे लेने का आरोप प्रथम दृष्टया प्रमाणित होता है। इनका यह कृत्य शिक्षक के आचरण के प्रतिकुल, अनुशासनहीनता, पठन-पाठन को प्रभावित करना, भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के साथ ही विभाग की छवि को धुमिल करने का प्रयास है। अतः उपरोक्त तथ्यों के आलोक में विवेक कुमार गुप्ता को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। आरोप पत्र अलग से गठित किया जायेगा। जिला शिक्षा पदाधिकारी योगेश कुमार ने बताया कि पूरे मामले की जांच करायी गयी। दोषी पाए जाने के बाद शिक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

चुनाव प्रचार के दौरान पार्षद प्रत्याशी को मार डाला था

दो साल बाद कोर्ट ने सुनाई पांच को उम्रकैद की सजा

सुपौल (एजेंसियां)। सुपौल जिले के त्रिवेणीगंज नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत वार्ड 18 में जनता रोड पेट्रोल पंप के समीप करीब दो वर्ष पूर्व बहुचर्चित वार्ड पार्षद प्रत्याशी रोहित कुमार मणि की गोली मार कर हत्या मामले में पांच लोगों को कोर्ट ने सजा सुनाई है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनंत सिंह की कोर्ट ने त्रिवेणीगंज थाना कांड सं-580/22 से जनित सत्रवाद सं-256/23 में मंगलवार को त्रिवेणीगंज बाजार के आदर्श मुहल्ला निवासी चिंटू सिंह उर्फ राजकुमार सिंह, रौशन पोद्दार, दीपक कुमार, महेशुआ वार्ड 11 निवासी मो उज्जेर आलम उर्फ गुड्डू, नरहा-बघला वार्ड 16 निवासी धीरज कुमार को भादवि की धारा-302/34 एवं 27 आर्म्स एक्ट के तहत दोषी पाते हुए धारा-302/34 के तहत आजीवन कारावास एवं 10,000/- रुपए का अर्थदंड, चिंटू सिंह को धारा 27 आर्म्स एक्ट के तहत 4 वर्ष कारावास एवं 5,000 रुपए अर्थदंड सुनाया है। अर्थदंड की राशि भुगतान नहीं करने पर छः माह की अतिरिक्त साधारण कारावास सुनाई गई है। दोनों सजाएं साथ-साथ चलेगी।

वहीं पूर्व में कारा में बिताई गई अवधि दी गई सजा में समायोजित की जाएगी। इस वाद में कोर्ट में अभियोजन की ओर से अपर लोक अभियोजक अमर कुमार दास ने पक्ष रखा। जबकि, पुलिस अधीक्षक शैशव यादव के कुशल नेतृत्व व मार्गदर्शन में अभियोजन कोषांग द्वारा केस का स्पीडी ट्रायल कराकर कुल 8 साक्षियों की गवाही कोर्ट में ससमय कराई गई। जहां साक्षियों द्वारा अपने बयान में घटना एवं प्राथमिकी का समर्थन किया गया। वही अभियुक्तों की ओर से अधिवक्ता एकरामुल हक एवं सुधीर झा ने पक्ष रखा।

दोनों पक्षों की ओर से दलील सुनने के बाद प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने बीते 21 जनवरी को सभी अभियुक्तों को भादवि की धारा 302/34 एवं 27 आर्म्स एक्ट के तहत दोषी ठहराते हुए सजा के बिन्दु पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। एसपी शैशव यादव ने मंगलवार को विज्ञप्ति जारी कर कोर्ट के फैसले की जानकारी दी।

एसपी ने बताया कि त्रिवेणीगंज थाना क्षेत्र के पकरी वार्ड 17 निवासी वाद की सूचिका सह मृतका की पत्नी निधि कुमारी द्वारा मित्रा इमरजेन्सी हॉस्पीटल दरभंगा में पुलिस को दिए गए फर्द ब्यान के आधार पर 22 दिसंबर 2022 को त्रिवेणीगंज थाना कांड सं-580/22 भादवि की धारा-148, 149, 342, 326, 307, 302 एवं 27 आर्म्स एक्ट के तहत चिंटू सिंह उर्फ राजकुमार सिंह, रौशन पोद्दार, दीपक कुमार, मो उज्जेर आलम उर्फ गुड्डू, धीरज कुमार केस दर्ज की गई। दर्ज प्राथमिकी में सूचिका द्वारा आरोप लगाया गया कि उनके पति रोहित कुमार मणि नगर परिषद त्रिवेणीगंज वार्ड सं-18 से वार्ड पार्षद का चुनाव लड़ रहे थे। 17 दिसंबर 2022 को सूचिका, उनके पति एवं अन्य सहयोगी वार्ड में प्रचार कर रहे थे। इसी क्रम में रात करीब 09:30 बजे सभी आरोपी ने अन्य दो अज्ञात के साथ मिलकर उनके पति को घेर लिया। जहां चिंटू सिंह उर्फ राजकुमार सिंह ने अपने कमर से पिस्तौल निकाल कर उनके पति पर गोली चला दिया। जो गोली उनके पति के पेट में लगी और वे गिर पड़े। हल्ला होने पर प्रचार में लगे लोगों के साथ मोहल्ला वासियों को जुटता देख आरोपी पिस्तौल लहराते हुए एवं फायर करते हुए बाइक से भाग गए। इलाज के क्रम में 23 दिसंबर 2022 को गम्भीर रूप से जख्मी रोहित कुमार मणि की मौत पारस हॉस्पीटल पटना में हो गई। अनुसंधान के बाद केस आईओ द्वारा इस कांड में प्राथमिकी नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध भादवि की धारा-302/34 एवं आर्म्स एक्ट के तहत आरोप पत्र सं-111/23 25 मार्च 2023 संबंधित न्यायालय में समर्पित किया गया था। न्यायालय के इस निर्णय से पीड़ित पक्ष में खुशी का माहौल देखा गया।

गया में भीड़ ने टेक्नीशियन और एंबुलेंस ड्राइवर को पीट-पीटकर मार डाला

अब विरोध में जमकर बवाल

पटना (एजेंसियां)। गया जिले में मरीज को लाने गई एंबुलेंस अचानक गड्ढे में जा गिरी। गड्ढे में गिरने के बाद मरीज के परिजन आक्रोशित हो गए और एंबुलेंस चालक को पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। यह घटना मंगलवार की आठ बजे रात्रि की है। मृतक की पहचान टेक्नीशियन कुंदन कुमार के रूप में हुई, जो नालंदा जिला के रहने वाले हैं। मिली जानकारी के मुताबिक मंगलवार की आशा मिना देवी एक महिला गर्भवती मरीज को लाने की सूचना दी थी। रात्रि करीब आठ बजे मरीज को लाने गया जिले के नीमचक बथानी से लाने एम्बुलेंस चालक और इमरजेंसी के मेडिकल टेक्नीशियन लाने गये थे। घर से मरीज और परिजनों को एंबुलेंस में बैठा कर बथानी के सरकारी अस्पताल से जाने के लिए निकल गया। लेकिन जैसे ही एंबुलेंस ढकनी गांव पहुंची। रास्ता खराब होने के कारण एंबुलेंस गड्ढे में जा गिरी। एंबुलेंस गड्ढे में गिरने के बाद मरीज के परिजनों ने एंबुलेंस चालक और इमरजेंसी के मेडिकल टेक्नीशियन को लाठी डंडे से

पीटने लगे। लोगों को मारते देख एंबुलेंस चालक तो भाग निकला लेकिन टेक्नीशियन कुंदन कुमार नहीं भागे। वहीं लोगों ने टेक्नीशियन को पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। उसके बाद इलाज के लिए अस्पताल लाया गया, जहां टेक्नीशियन की मौत हो गई। मृतका जिले के बथानी पीएचसी में टेक्नीशियन के पद पर पदस्थापित था। जो नालंदा जिले के परवलपुर थाना क्षेत्र के एकसारी गांव का रहने वाला था।

वहीं टेक्नीशियन कुंदन कुमार की मौत की खबर के बाद लोग आक्रोशित हो गए। बुधवार को भारी संख्या में 102 एंबुलेंस के चालकों ने डीएम कार्यालय को घेर लिया और आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग करने लगे। एंबुलेंस चालकों के कारण पूरा शहर में जाम की स्थिति बन गई। लोगों के आक्रोश के कारण समाहरणालय और एसएसपी कार्यालय की सुरक्षा बढ़ा दी गई। उसके बाद बाद मौके पर पहुंचे सदर एसडीओ किसलय श्रीवास्तव पहुंचे और लोगों को समझा बुझाकर सड़क जाम को हटाया।

वहीं घटना के बाद एंबुलेंस चालकों के लिखित शिकायत पर जिले के नीमचक बथानी थाने में सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई। इस संबंध में सीनियर एसपी आनंद कुमार ने बताया कि बथानी पीएचसी के टेक्नीशियन कुंदन कुमार को पीट-पीटकर हत्या का मामला सामने आया है। घटना में शामिल लोगों की गिरफ्तारी और जांच के लिए एसआईटी टीम का गठन किया गया है। जांच के बाद आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

जदयू के प्रवक्ता लालू परिवार पर बरसे: कीर्ति पुरस्कार से राजनीति तक लालू के बिना तेजस्वी कुछ नहीं

गया (एजेंसियां)। जदयू के मुख्य प्रवक्ता सह एमएलसी नीरज कुमार नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव को खेल कीर्ति पुरस्कार उनकी काबिलियत पर नहीं बल्कि उनके पिता लालू और माता राबड़ी देवी के कारण मिला था। उन्होंने कहा कि जिस समय उन्हें यह पुरस्कार मिला था, उस समय उनकी उम्र 12-13 वर्ष की थी। झारखंड में आयोजित खेल में सात मैच में उन्होंने मात्र 37 रन बनाए थे और एक विकेट लिया था। वर्ष 2003 में उनकी माता राबड़ी देवी बिहार की मुख्यमंत्री थी, उनकी बदौलत उन्हें खेल कीर्ति पुरस्कार मिला। देखा जाए तो पूरा खेल के क्षेत्र में घाल-मेल किया गया।

जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने तेजस्वी की शिक्षा से लेकर खेल तक कई आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विरासत भी उन्हें अपने पिता लालू प्रसाद यादव की वजह से मिली है। लालू यादव तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाने के लिए घूमते फिर रहे हैं, अगर वे ना रहे तो इनकी औकात कुछ भी नहीं है। जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि तेजस्वी के पिता लालू यादव जब रेल मंत्री थे, तो दिल्ली से एक बड़े से होटल से रेलवे के कई टेंडर दिए जाते थे। इस वजह से भी उन्हें आईपीएल में रखा गया था। नीरज कुमार ने कहा कि तेजस्वी कितने होनहार हैं, यह समझ जा सकता है। नियमों को ताक पर रखकर खेल कीर्ति पुरस्कार दिया गया। वहीं एक अन्य खिलाड़ी को भी मनमाने तरीके से कई मैच में खेलने का मौका दिया गया, जो मानसिक रूप से दिव्यांग था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com